हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 29.12.2024 • वर्ष : 15 • अंक : 157 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

जो कहा, उसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया : मुख्यमंत्री

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंईयां सम्मान योजना को लेकर कहा कि जो बोला, उसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण मंईयां सम्मान का आज का कार्यक्रम टाल दिया गया है लेकिन मैंने जो वादा राज्य की महान जनता से किया था, उसे पूरा कर रहा हूं। हर मंईयां के खाते में हर माह 2500 रुपये दिये जा रहे हैं। साल में पूरे 30 हजार रुपये मिलेंगे।

त्रिंकोमाली में मिले ड्रोन को श्रीलंका ने भारत का बताया जांच बैठाई

कोलंबो : श्रीलंका के कुछ मछुआरों को त्रिंकोमाली समुद्र तट के पास एक मानव रहित ड्रोन मिला है। श्रीलंका ने इसे भारतीय वायुसेना का लक्ष्य आधारित ड्रोन बताया है। इसकी जांच के लिए एक विशेष रक्षा दल नियुक्त किया गया है। यह ड्रोन तट से लगभग 35 समुद्री मील दूर मिला है। डेली मिरर के अनुसार, श्रीलंकाई वायुसेना के प्रवक्ता ग्रुप कैप्टन एरंडा गीगनेज ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ऐसे ड्रोन का उपयोग आमतौर पर प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान रक्षा बल करते हैं। श्रीलंका के पास ऐसा कोई ड्रोन नहीं है। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि ड्रोन में कोई विस्फोटक नहीं मिला है। इसी प्रकार का एक ड्रोन अगस्त 2020 में भी मिला था।

मणिपुर में कुकी उग्रवादियों की गोलीबारी में पत्रकार घायल

इंफाल : राज्य के कांगपोकपी और पूर्वी इंफाल जिले की सीमा से लगे पोरिफरल इलाके में शनिवार को संदिग्ध कुकी उग्रवादियों की गोलीबारी में एक स्थानीय वीडियो पत्रकार घायल हो गया। सेना के जवानों ने उसे राज्य मेडिसिन (अस्पताल) में भर्ती कराया है। पत्रकार का नाम लीमापोकपम कबीचंद्र बताया गया है। राज्य पुलिस मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि कोंगपोकपी जिले के मैदानी इलाके में स्थित एक गांव में शुक्रवार रात संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में मणिपुर पुलिस का एक जवान, एक ग्राम रक्षक और मेइतेई सशस्त्र समूह के अरामबाई तेंगल का एक सदस्य घायल हो गया। सूत्रों ने बताया कि उग्रवादियों ने शनिवार सुबह फिर से पहाड़ी की चोटी से गोलीबारी की। इस गोलीबारी में स्थानीय पत्रकार लीमापोकपम कबीचंद्र गोली लगने से घायल हो गए। कविचंद्र को जांघ में गोली लगी है। सदर पुलिस सूत्रों ने बताया कि चुराचांदपुर जिले के टी लंघईमल इलाके में शुक्रवार से मादक पदार्थ विरोधी अभियान चलाया गया है। असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने बीते दिन लगभग सात एकड़ अफीम के खेतों को नष्ट कर दिया। कुकी उग्रवादी मुख्य रूप से मादक द्रव्य विरोधी अभियान के कारण भड़क गए हैं।

पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह, बेटी ने दी मुखाग्नि

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली के निगम बोध घाट पर शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार किया गया। इससे पूर्व कांग्रेस कार्यालय से लेकर निगम बोध घाट तक उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में भीड़ जुटी। इस यात्रा में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कई बड़े नेता मौजूद रहे। बता दें कि पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। डॉ मनमोहन सिंह की बड़ी बेटी ने उन्हें मुखाग्नि दी। इससे पूर्व डॉ सिंह को 21 तोपों की सलामी दी गई। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ दिल्ली के निगम बोध घाट पर किया गया। बता दें कि अंतिम संस्कार से पहले पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को करीब एक घंटे तक कांग्रेस मुख्यालय में रखा गया। यहां कांग्रेस कार्यकताओं के साथ-साथ आम जनता ने भी उनके अंतिम दर्शन किए। इसके बाद आर्मी सेरेमोनियल ट्रक पर मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा निकली। अंतिम यात्रा के समय लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मनमोहन सिंह के परिवार के साथ ट्रक पर मौजूद रहे। बता दें कि गुरुवार 26 दिसंबर को तबीयत बिगड़ने पर मनमोहन सिंह को दिल्ली के एआईआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका निधन हो गया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पूर्व प्रधानमंत्री को दी श्रद्धांजलि

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, कल्पना सोरेन और मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर लिखा है कि मरांग बुरु दिवंगत पुण्यात्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों सहित देश को दु:ख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दे।

भारत के लिए डॉ. मनमोहन सिंह की सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को निगमबोध घाट पर अंतिम श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि डॉ. सिंह की देश सेवा को सदैव याद रखा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने श्मशान घाट पर डॉ. सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि देने की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत के लिए उनकी सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का आज निगमबोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान और सिख परंपरा के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई और सिख धर्मगुरुओं और परिवार के सदस्यों ने गुरबानी का पाठ किया। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने श्मशान घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा के कुछ दृश्य

नई दिल्ली : पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा शनिवार 28 दिसम्बर को कांग्रेस मुख्यालय 24 अकबर रोड से प्रारंभ होकर निगम बोध घाट तक गई। इस दौरान पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ यात्रा निकाली गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, मनमोहन सिंह परिवार के सदस्य और हजारों कार्यकर्ता इस दौरान उन्हें विदा करने के लिए उपस्थित रहे।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौ आतंकवादी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद : खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पहाड़ी क्षेत्र उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में सुरक्षाबलों ने रात को मुठभेड़ में नौ आतंकवादियों को मार गिराया। सात आतंकवादियों के घायल होने का अंदेशा जताया गया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का पहाड़ी क्षेत्र मनरा आतंकवादियों का सबसे बड़ा गढ़ है। सुरक्षा बलों ने यहां आतंकवादियों के छुपने के महत्वपूर्ण स्थान को विस्फोट कर उड़ा दिया। डॉन समाचार पत्र की खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि यह मुठभेड़ मीर अली तहसील के बरहो खेल इलाके में हुई। सुरक्षाबलों को खुफिया इनपुट मिला था कि लगभग 25 आतंकवादी छुपे हुए हैं। सुरक्षाबलों ने इस स्थान को

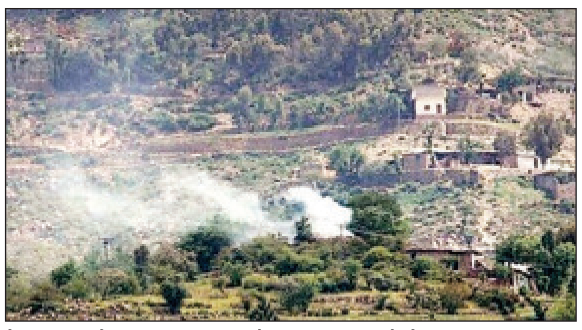

घेरकर उन्हें ललकारा। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मारे गए आतंकवादियों में कमांडर अब्दुल हक और मोईन भी हैं। घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इस मुठभेड़ के बारे में पूछने पर सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आधिकारिक बयान तैयार किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात दक्षिण वजीरिस्तान की बीरमल तहसील में किए गए दो हमलों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। रात करीब 10 बजे किए गए हमलों में मनरा इलाके में आतंकवादियों के एक ठिकाने (घर) को विस्फोट कर उड़ा दिया गया। मनरा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी घूमते रहते हैं।

बिहार : मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आईएएस संजीव हंस के करीबी इंजीनियर के तीन ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी

पटना : भारतीय प्रशासनिक सेवा (भाप्रसे) के अधिकारी संजीव हंस के करीबी इंजीनियर के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आज छापेमारी की। ईडी ने पटना और गया में तीन जगहों पर पुल निर्माण विभाग के इंजीनियर सुनील कुमार के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई आईएएस संजीव हंस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई है। ईडी की टीम ने गया के तथागत होटल में तलाशी के ली है, जो सुनील कुमार या उनके किसी रिश्तेदार का बताया जा रहा है। पिछले दिनों ईडी ने आईएएस संजीव हंस के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पटना के स्पेशल कोर्ट में दो हजार पेज की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी। इसमें

हंस और पूर्व राजद विधायक गुलाब यादव समेत अन्य लोगों को भी आरोपित बनाया गया था। जांच एजेंसी ने हंस पर बिहार सरकार और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में विभिन्न पदों पर रहते हुए भ्रष्टाचार के जरिए अकूत संपत्ति बनाने का आरोप लगाया। हंस की पत्नी और उनके कई रिश्तेदारों के खिलाफ भी सबूत सामने आए हैं, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है। इससे पहले की छापेमारी में ईडी ने संजीव हंस और पूर्व राजद विधायक गुलाब यादव से जुड़ी संपत्तियों से 90 लाख रुपये नकदी और 13 किलो चांदी की छड़ें जब्त की थीं। इसके अलावा तलाशी के दौरान बेनामी संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य बरामद किए गए, जिससे हंस और उनके सहयोगियों के खिलाफ बढ़ते आरोपों में इजाफा हुआ। ईडी ने बीते बुधवार को दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में हंस और यादव से जुड़े चार ठिकानों की तलाशी ली थी। इससे दो महीने पहले भी छापेमारी की गई थी, जिसमें ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों की चल रही जांच के तहत पटना, पुणे, पंजाब, दिल्ली और नोएडा समेत एक दर्जन ठिकानों को निशाना बनाया था। वर्तमान छापे हंस और उसके नेटवर्क के वित्तीय लेन-देन की व्यापक जांच का हिस्सा हैं। क्योंकि, प्रवर्तन निदेशालय अवैध संपत्तियों और अघोषित धन से जुड़े और अधिक सबूतों को उजागर करने में लगा हुआ है।

नए साल के जश्न में सुरक्षा के कड़े इंतजाम झारखंड पुलिस ने जारी किए दिशा-निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नए साल के स्वागत को लेकर पूरे झारखंड में जगह-जगह कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, और इस दौरान पिकनिक स्पॉट्स पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। इसे देखते हुए झारखंड पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी जिलों में पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं। पुलिस ने पिकनिक स्पॉट्स, रेस्टोरेंट्स, और होटलों में सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने के लिए सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को अलर्ट किया है।

नए साल से पहले शुरू होगी ड्रंक एंड ड्राइव जांच

झारखंड पुलिस ने नए साल के जश्न के दौरान सुरक्षा को लेकर

पूरी तैयारी की है। आईजी अभियान अमोल वी होमकर ने बताया कि राज्य के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और स्टैटिक फोर्स को तैनात किया गया है। पार्कों, डैम और पर्यटन स्थलों के इर्द-गिर्द भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इसके साथ ही 31 दिसंबर से वाहनों की चेकिंग शुरू होगी और ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाएगा। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और यदि कोई ड्राइवर शराब पीकर पकड़ा जाता है, तो उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा।

छेड़छाड़ की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम

पुलिस ने पिकनिक स्पॉट्स पर छेड़छाड़ की घटनाओं को रोकने के लिए शक्ति कमांडों को सक्रिय किया है। इसके अलावा, पुलिस सहायता केंद्र भी पिकनिक स्पॉट्स पर खोले गए हैं। रांची सहित अन्य जिलों में पुलिस की कड़ी नजर रहेगी, खासकर रेस्टोरेंट्स, बीयर बार और होटलों के आसपास।

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की तैनाती

झारखंड के जिन पिकनिक स्पॉट्स पर नदी, तालाब और झील हैं, वहां एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को अलर्ट किया गया है। कुछ खतरनाक जगहों पर पहले से ही एनडीआरएफ की टीम तैनात कर दी गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता दी जा सके।

झारखंड पुलिस की अपील

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे यात्रा करते समय सीट बेल्ट और हेलमेट का उपयोग करें, नशे की हालत में वाहन ना चलाएं, ट्रिपल राइडिंग से बचें और ओवरटेक से बचें। पिकनिक स्थलों पर धूम्रपान और शराब का सेवन न करें, और बच्चों पर विशेष नजर रखें।

मप्र के पूर्व आरक्षक के ठिकानों पर छापे में मिली 7.98 करोड़ की संपत्ति

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मामले में छापा मार कार्रवाई के बाद लोकायुक्त की टीम पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इस कार्रवाई के बाद लोकायुक्त की टीम ने उसके ठिकानों से 7.98 करोड़ रुपये की चल-अंचल संपत्ति मिलने की पुष्टि की थी, लेकिन कोर्ट में दस्तावेजों के अनुसार लोकायुक्त ने 28.5 लाख रुपये नकद, पांच लाख रुपये से ज्यादा के आभूषण और 21 लाख रुपये की चांदी जब्त करने का दावा किया है। इससे लोकायुक्त की जांच में गड़बड़ी की आशंका बढ़ गई है। लोकायुक्त पुलिस ने गत 19 दिसंबर को सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी चेतन गौर के आवास पर छापे में दो करोड़ 85 लाख रुपये नकद सहित सात करोड़ 98 लाख रुपये की संपत्ति मिली थी। सौरभ शर्मा तभी से फरार चल रहा है। इसी बीच 25 दिसंबर को सौरभ के वकील ने भोपाल की कोर्ट में उसकी अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई थी। इस पर लोकायुक्त की तरफ से डीएसपी वीरेंद्र सिंह ने कोर्ट में पेश होकर सौरभ की जमानत का विरोध किया था। उनकी ओर से कोर्ट में पेश किए विरोध पत्र ने कई विसंगतियां उजागर हुई है। कोर्ट में पेश किए गए दस्तावेज शनिवार को सामने आए, जिसमें सौरभ के ठिकानों से संपत्ति में 28.5 लाख रुपये नकद, पांच लाख रुपये से अधिक की ज्वेलरी और 21 लाख रुपये की चांदी शामिल है। जो कुल 55 लाख रुपये की होती है। हालांकि लोकायुक्त के अधिकारी इसे टाइपिंग एरर बता रहे हैं। इसमें जल्द सुधार कराने के दावे किए जा रहे हैं। लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर दी है।

एक नजर

चौकीदार नियुक्ति : लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की औपबंधिक सूची जारी

हजारीबाग : हजारीबाग जिला अन्तर्गत चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु दिनांक-07.08.2024 के द्वारा प्रकाशित विज्ञापन संख्या- 01/2024 के आलोक में दिनांक-20.12.2024 को लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की औपबंधिक सूची वेबसाईट पर उपलब्ध करा दी गई है। औपबंधिक प्रकाशित सूची के संबंध में यदि कोई आपत्ति हो तो अभ्यर्थी दिनांक 28.12.2024 एवं 30.12.2024 के अपराहन 05:00 बजे तक समाहरणालय भवन के ग्राउण्ड फ्लोर कमरा संख्या-001 में स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति समर्पित करना सुनिश्चित कर सकते है। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरान्त प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

बरही से 150 जायरीन अजमेर शरीफ के लिए रवाना

बरही : बरही प्रखंड के कोनरा पंचायत के दरगाह मोहल्ला, आजाद मोहल्ला, ताज मोहल्ला, और थाना मोहल्ला से 150 महिला और पुरुष जायरीन ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रजी अल्लाह ताला अनहो के 813वें उर्स के अवसर पर दरगाह ख्वाजा का जियारत करने के लिए हर्षोल्लास के साथ अजमेर शरीफ के लिए रवाना हुए। जायरीन को विदा करने के दौरान एजुकेशनल चैरिटेबल सोसायटी, बरही के अध्यक्ष सह कांग्रेस नेता रिजवान अली, कोनरा भाग 1 के पंसस मोहम्मद यूसुफ, कोनरा भाग 2 के पंसस प्रतिनिधि मोहम्मद सगीर और मोहम्मद शमशेर ने जायरीन से मुलाकात की और उनके स्वागत में दुआओं में शामिल होने की गुजारिश की। रिजवान अली ने जायरीन से देश की तरक्की, खुशहाली और अमन-चैन के लिए दारे ख्वाजा में विशेष दुआ करने की अपील की। जियारत के लिए जाने वाले प्रमुख जायरीन में हाजी मोहम्मद हकीम, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद मुस्तकीम, मोहम्मद यूनुस, इनामुल हसन, मोहम्मद मौसिम, मोहम्मद रियाज, शाने अहमद, सलमा खातून, आबिदा खातून, समीना खातून, साजमा खातून, रफीक राय, मोहम्मद मुख्तार, रौशन अंसारी, इजहार अंसारी और गुलाम फारूक सहित अन्य लोग शामिल थे।

आजसु ने विधायक रोशन लाल चौधरी के 59वें जन्मदिन पर काटा केक

बड़कागांव : बड़कागांव आजसु कार्यालय में आजसु कार्यकताओं ने विधायक रोशन लाल चौधरी के 59 वां जन्मदिन पर केक काटकर उनके दीघार्यु की कामना की। इस अवसर पर केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाह व अन्य कार्यकर्ता ने कहा कि विधायक रोशन लाल चौधरी के जन्मदिन पर उनको ढेर सारी बधाइयां। और रोशनलाल से उनकी दीघार्यु की कामना की। क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने एवं जनता के हर सुख दुख में खड़े रहने की अपील की । इस अवसर पर केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाह, आजसु जिला उपाध्यक्ष दिनेश महतो, पंचायत समिति सदस्य अरुण कुमार, प्रखंड प्रवक्ता तपेश्वर कुमार तापस, रंजीत कुमार महतो ,गणेश कुमार, सूरज कुमार, कृष्णा प्रसाद,सुधीर चौबे, प्रेम कुमार, पंकज कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सदर एसडीओ अशोक कुमार की पत्नी के शव के साथ किया थाना का घेराव

- परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार , एसडीओ और उनके परिवार वाले हैं मुख्य आरोपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर एसडीओ अशोक कुमार पत्नी अनिता कुमारी की मौत के बाद उनका शव उनके मायके वाले हजारीबाग ले आए। मृतक के परिजनों ने लोहसिंघना थाना के सामने शव के साथ थाना का घेराव कर दिया। सभी लोगों ने सामूहिक रूप से अशोक कुमार समेत सभी आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी की मांग किया है। परिजनों का कहना है कि आम जनता अगर इस तरह की घटना को अंजाम देता तो उसकी गिरफ्तारी हो जाती है। प्रशासनिक अधिकारियों होने के कारण गिरफ्तार नहीं किया गया। हजारीबाग में दिल दहलाने वाली घटना घटी है। हजारीबाग सदर अनुमंडल पदाधिकारी अशोक कुमार के ऊपर उनके ससुराल वालों ने उनकी पत्नी अनीता देवी को जिंदा जलाकर मार देने का आरोप लगाया है। दरअसल पिछले 26 दिसंबर को अर्धजली स्थिति में एसडीओ की पत्नी अनीता देवी को हजारीबाग की निजी अस्पताल लाया गया। यहां से बेहतर इलाज के लिए बोकारो रेफर किया गया। बोकारो से रांची देव कमल अस्पताल इलाज के दौरान अनीता देवी की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने उसका शव हजारीबाग ले आया। मायके वाले ने लोहसिंघना थाना का घेराव कर दिया। परिजनों का कहना है कि बेहद निर्मन तरीके से पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। जिला प्रशासन ने अब तक कार्रवाई नहीं की है। सभी आरोपी घूम रहे हैं। हजारीबाग सदर एसडीओ अशोक कुमार सिंह अपने पद का दुरुपयोग करते हुए रांची से हजारीबाग लाने के दौरान कई बार परेशान किए हैं। परिजनों का यह भी कहना है कि अनीता देवी की मौत हो गई लेकिन दिन भर परिवार वाले कई बार मरे हैं। इस दौरान कड़ी सुरक्षा का इंतजाम भी थाना के आसपास किया गया है तो दूसरी ओर सुबह सदर एसडीओ अशोक कुमार के आवास पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई मजिस्ट्रेट के रूप में सदस्यों को तैनात किया गया। जिन्होंने बताया कि अपर समाहर्ता के निर्देश पर लॉ एंड ऑर्डर का ख्याल रखते हुए सुरक्षा बल तैनात की गई है। हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि इस मामले को लेकर एफआईआर दर्ज किया गया है। अनुसंधान भी तेज कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया जो व्यक्ति की संयुक्त होगी उसे गिरफ्तार किया जाएगा कानून सभी के लिए एक है हजारीबाग सदर एसडीओ अशोक कुमार के विरुद्ध पत्नी को जलाकर मारने के आरोप में लोहसिंघना थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले के सूचक एसडीओ के साला राजू कुमार गुप्ता है। उसने एसडीओ समेत चार लोगों को आरोपी बनाया है। जिसमें एसडीओ के पिता दुर्योधन साव छोटा भाई शिवनंदन कुमार एवं छोटे भाई की पत्नी रिंकू देवी का नाम शामिल है। सदर अनुमंडल पदाधिकारी अशोक कुमार के ऊपर उनके साले ने गंभीर आरोप लगाया है कि उसकी बहन को जलाकर मारने का कोशिश किया गया है। राजू कुमार गुप्ता आरोप लगाया है कि उसकी बहन अनीता कुमारी को जान मारने की नियत से तारपीन का तेल उड़ेल कर जलाया गया है। वह 65 फीसदी जल गई थी।

बड़कागांव के कई आंगनवाड़ी केंद्रों में एनटीपीसी ने बांटे बर्तन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देश पर एन टी पी सी पकरी बरवाडीह ने अपने सामुदायिक विकास कार्यों के तहत बड़कागांव के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों को बर्तन बांटे गए । इस क्रम में बड़कागांव के कुल 157 आंगनवाड़ी केन्द्रों को पिछले वर्ष फरवरी माह में भी बर्तन दिए गए थे । इस बार आंगनवाड़ी केन्द्रों को 5 लीटर का प्रेसर कुकर और थाली का सेट दिया गया। कुल 14 तरह के बर्तन केन्द्रों को दिए गए। कार्यक्रम में मौजुद फैज तैयब, परियोजना प्रमुख ने आंगनवाड़ी कर्मियों के कार्य की सराहना की और आश्वाशन दिया कि भविष्य में भी एन टी पी सी पकरी बरवाडीह बच्चों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राखी चंद्रा बाल विकास प्रबंधन अधिकारी ने कहा बड़कागांव ने प्रतीकात्मक रूप से बर्तन स्वीकार किया और एन टी पी सी को धन्यवाद दिया। कुल 40 आंगनवाड़ी की कार्यकताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और अपने अपने कार्य क्षेत्र के अनुभवों को साझा भी किया। उन्होंने कहा कि एन टी पी सी से प्राप्त ये बर्तन आंगनवाड़ी के कार्य को सुचारू रूप से करने में मददगार होगा । मौके पर उपस्थित एस के दुबे, जी. एम , इंफ्रा ने बच्चों को देश का भविष्य बताया, और कहा कि आंगनवाड़ी की इस दिशा में बहुत बड़ी भूमिका है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कर्णपुरा महाविद्यालय में हुई शोक सभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर कर्णपुरा महाविद्यालय में प्राचार्य कीर्तिनाथ महतो की अध्यक्षता में शोकसभा का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिवार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन धारण रखते हुए, श्रद्धांजलि अर्पित किया महाविद्यालय के सचिव टुकेश्वर प्रसाद ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह मृदभाषी व अर्थशास्त्र विषय के विद्वान थे। इन्होंने नरसिम्हा राव की सरकार में 1991 से 96 तक वित्त मंत्री रहते हुए भारत को आर्थिक मंदी से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाये थे। प्राचार्य कीर्तिनाथ महतो शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री वर्ष 1995 से लेकर 2019 तक लगातार 33 वर्षो तक राज्यसभा सांसद रहे, इसी बीच 2004 से लेकर 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री के पद पर भी रहे। इनका जन्म पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 26 सितंबर 1932 ई को हुई, देश की विभाजन के पश्चात इनका परिवार भारत चला आया। यहां इन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र विषय में स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त किए। कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त किया। डॉ मनमोहन सिंह पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में प्रोफेसर के रूप में शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े रहे, बाद में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर (1982झ 85), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के अध्यक्ष भी रहे। मौके पर

मारवाड़ी सम्मेलन ने अन्नपूर्णा सेवा में 450 लोगों को कराया भोजन, बांटे 200 कंबल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित पहाड़ी मंदिर रोड स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा 230 लोगों ने भोजन प्राप्त किया। तथा दूसरा अन्नपूर्णा केंद्र पुरुलिया रोड स्थित स्वर्णभूमि अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में 220 लाभुकों ने भोजन प्राप्त किया। दोनों अन्नपूर्णा सेवा मे 450 लोगों ने भोजन किया। इस अवसर पर कड़ाके की ठंड को देखते हुए दोनों अन्नपूर्णा सेवा मे श्री रामावतार नारसरिया एवं उनके परिवार के द्वारा 200 कंबल निर्धन एवं जरूरतमंदों को वितरण किया गया। इस अवसर पर रामावतार नारसरिया ने कहा की मानव सेवा से बढ़कर कोई भी पुनीत कार्य नहीं है। ठंड में जरूरतमंदों को कंबल मिलने से ठंड से बचाव के साथ बहुत राहत मिलता है। उन्होंने कहा कि कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए अन्नपूर्णा सेवा निरंतर चलती रहेगी।

इस अवसर पर- अन्नपूर्णा सेवा के संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल मारवाड़ी सम्मेलन के जिला महामंत्री विनोद कुमार जैन, प्रदीप नारसरिया, प्रमोद अग्रवाल, पुरुषोत्तम विजयवर्गीय, मनोज रुइया, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, निर्भय शंकर हरित, सांवरमल बुधिया,रमेश बंका, संजय सर्राफ, सहित कई सदस्य उपस्थित थे। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि दोनों अन्नपूर्णा सेवा स्व. सत्यनारायण नारसरिया एवं स्व. शारदा देवी नारसरिया की स्मृति में एवं रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित है।

सांसद ने प्रवीण कुमार मोदी को बनाया प्रतिनिधि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने अपने संसदीय क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा जिला के लिए प्रवीण कुमार उर्फ बंटी मोदी को अपना आधिकारिक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। प्रवीण कुमार, जिनके पिता जयप्रकाश बरनवाल हैं, उनको इस भूमिका में नामित किया गया है ताकि वे सांसद के निदेर्शानुसार कोडरमा जिले में जनहित के कार्यों और विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद कर सकें। प्रवीण कुमार उर्फ बंटी मोदी ने कहा कि सांसदीय क्षेत्र में प्रतिनिधि की नियुक्ति का उद्देश्य जनता और सांसद के बीच समन्वय स्थापित करना है। प्रवीण कुमार उर्फ बंटी मोदी की नियुक्ति से कोडरमा जिले में सांसद की योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है। वे सांसद की अनुपस्थिति में जनता की समस्याओं को सुनने, उनका समाधान करने और उन्हें सांसद तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इसके अलावा, वह सरकारी नीतियों और विकास कार्यों के क्रियान्वयन की निगरानी में भी सहयोग करेंगे। प्रवीण कुमार उर्फ बंटी मोदी कोडरमा जिले में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। उनके परिवार का समाज में एक विशेष स्थान है और वे लंबे समय से सामाजिक और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी सरलता और समर्पण ने उन्हें क्षेत्र में लोकप्रिय बनाया है। सांसद मनीष जायसवाल ने उनकी ईमानदारी और प्रशासनिक क्षमता को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

वृक्षों को रक्षाबंधन कर किया लोगों को जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड मुख्यालय से 10 किलोमीटर के दुरी पर क्षेत्र के प्रसिद्ध प्राचीन मां अष्टभुजी मंदिर कंडाबेर के परिसर में हर वर्ष के भांति इस वर्ष 18 वीं वर्षगांठ के रूप में वृक्षों को रक्षाबंधन कर वन पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत 28 दिसम्बर 24 दिन शनिवार को भव्य मेला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव शामिल हुवे, पूर्व मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हरा भरा वन को उजाड़ा जा रहा हैं। वन बचाने की जरूरत हैं। वन की जीव जन्तु नस्ट हों रहें हैं। एकत्रित हो कर वनों को देख भाल करना होगा। आगे यह भी कहा की इस बार अपने लोगो से ही भुल चूक हुवा हैं। इस बार चुनाव हारे हैं। मैदान नही हम तो आपके बिच एक सद्स्य हैं। जनता का हर समस्या का निदान के लिए आज भी क्षेत्र में लगे रहते हैं। वही वरिष्ठ अतिथि जिला परिषद प्रतिनिधि निरंजन साव शामिल होकर वन बचाव को लेकर संबोधित किया। मेला आयोजन तथा मंच की अध्यक्षता पंचायत मुखिया दिनेश साव, एवं मंच संचालन झारखंड समाज विकाश परिषद के प्रबन्ध निदेशक जिवलाल प्रजापति ने किया। कार्यक्रम के शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया, इस दौरान वन समिति अध्यक्ष हरि साव, डॉ्क्ष खेमलाल महतो, कौलेश्वर यादव, सुरेश राम, अशोक बंटी राज, वीणा देवी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य डालो देवी, राजेश साव, रामचन्द्र साव, महेश पाठक, जागेश्वर कुमार मौजूद रहें। वही इस कार्यक्रम में कंडाबेर, बेलतु बारियातु, गुरगुटीया, पतरा खूर्द गांव की ग्रामीणों का सहयोग रहा। जिला जनसंपर्क कार्यालय हजारीबाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक तथा स्कूली बच्चों के द्वारा वन बचाव कार्यक्रम के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। वही मुखिया दिनेश साव के द्वारा आए हुवे आस पास विद्यालय के प्रतियोगिता बच्चों को पुरस्कार देकर मंच में सम्मानित किया गया। वन सुरक्षा समिति एवं सुरेन्द्र सिंह टाटी झरिया (शिक्षक) के द्वारा वन अध्यक्ष हरि साव को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। वही विद्यालय में ज्ञान ज्योति विद्या मंदिर, चाणक्य सेंट्रल हाई स्कूल , लोबल हाई स्कूल मध्य विद्यालय कंडाबेर, एवं बेलतू के छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में भाग लिए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हैं कि देव रूप वृक्षों को बचाव अभियान में जीव जंतुओं को रक्षा करना जंगल को सुरक्षित रखना, विश्व के प्रकृति का जीवनदायी स्वरूप नष्ट हो रहा है। पर ऐसे ही विकराल समय में स्वयंसेवी पर्यावरण सुरक्षा समिति के तत्वाधान में कण्डाबेर, बेलतू, पतरा के ग्रामीणों ने 28 दिसम्बर 2006 को माता स्थान वन का दूधमटिया वन के तर्ज पर रक्षाबन्धन कर इसे सदा के लिए जीजान से बचाने का संकल्प लिया और तब से प्रतिवर्ष 28 दिसम्बर को माता वन का उल्लासपूर्वक पूजन-अर्चन तथा रक्षाबन्धन कर इसकी वर्षगाँठ मनाई जाती है। कार्यक्रम में बेलतू मुखिया जितनी देवी, कंडाबेर पंचायत समिति सदस्य मंजू देवी, रीतलाल साव, लीला कुमारी, मालती देवी, चंचला देवी, रकेश मण्डल, सनोज कुमार, प्रदीप कुमार पुनिया देवी, टेकनी देवी, विफी देवी, बेंगिया देवी, हेमराज कुमार, करम साव, बिहारी साव, उषा देवी, पिंकी देवी, अंजली कुमारी, रिम्पा कुमारी सहित रक्षाबंधन पर्यावरण समिति के कई सदस्यों ने देव रूप वृक्षों को रक्षाबंधन कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुरूआत प्रातः 6:00 बजे से संध्या 6:00 बजे संपन्न किया गया।

संक्षिप्त खबरें

एनएमएल बादम कोयला खनन परियोजना ने 575 कंबलों का किया वितरण

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के बादम गांव के कई मोहल्ले में एनएमएल बादम कोयला खनन परियोजना के द्वारा सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सर्दी को ध्यान में रखते हुए बादम के रानी बागी देवी मंडप अंसारी मोहल्ला में लगभग 575 कंबल का वितरित किए जा चुके इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को ठंड से राहत प्रदान करना है आने वाले दिनों में और कई गांव में कंबल वितरित सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत एमएल बादम कोयल खनन परियोजना के द्वारा समाज कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

एक करोड़ रुपये का पोस्ता का भूसी पुलिस ने किया जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिसने लगभग 606 किलो ग्राम पोस्ता का भूसी बरामद किया है। हजारीबाग पुलिस के लिए गुप्त सूचना मिली थी कि चरही घाटी ने एन एच 20 से पोस्ता का भूसी का बड़ा खेप गुजर रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए यह सफलता मिली है। हजारीबाग पुलिस ने बड़ी सफलता पाई है। जिसने लगभग एक करोड रुपए का पोस्ता का भूसी बरामद किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। दरअसल हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह को यह जानकारी मिली थी कि टेलर गाड़ी से पोस्ता का भूसी का तस्करी किया जा रहा है। इस सूचना के आलोक में चरही घाटी के पास अनुमंडल पदाधिकारी विष्णुगढ़ के नेतृत्व में वाहन चेकिंग प्रारंभ किया गया। चेकिंग के दौरान ट्रेलर गाड़ी संख्या Rj19GF-3583 को रोकने का इशारा किया गया। गाड़ी के चालक और सहयोगी गाड़ी से उतर के भागने के प्रयास करने लगे। पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। जिसका नाम रमेश कुमार और सुरेश बिश्नोई है। दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि गाड़ी में स्टील का प्लेट के अलावा पोस्ता की भूसी का बोरा लदा हुआ है। गठित टीम ने जब तलाशी ली तो 40 सफेद प्लास्टिक बोर में पोस्ता का भूसी पाया गया। जिसका कुल वजन 606 किलो 30 ग्राम है। अब हजारीबाग पुलिस इस बात को लेकर तहकीकात कर रही है कि पोस्ता का भूसी किसने यह भेजना था और किसे देना था। हजारीबाग एसपी ने बताया कि पूरा खेप खूंटी से निकला था और राजस्थान भेजा जाना था। इस पूरे तस्करी में एक बात महत्वपूर्ण है कि कुछ लोग खूंटी के पास ट्रक से ड्राइवर को उतारने के लिए बोले। उस गाड़ी पर खुद ही बैठ गए। ओरमांझी के पास फिर से ट्रक के चालक और उपचालक को ट्रक दे दिया गया।

उत्पाद विभाग ने जब्त की बड़ी मात्रा में अवैध शराब व बनाने वाली सामग्री

बरही : हजारीबाग जिले के बरही और पदमा थाना क्षेत्र के बॉर्डर पर स्थित केदारुत पंचायत अब शराब माफियाओं का सुरक्षित अड्डा बन चुका है। पहले यहां अवैध रूप से महुआ शराब बनाने का कारोबार होता था, लेकिन अब स्थिति और गंभीर हो चुकी है। पंचायत में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब बनाने और बेचने का काम धड़ल्ले से चल रहा है। उत्पाद विभाग ने शनिवार को इस पंचायत में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जब्त की। विभाग ने गांव के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, हालांकि, विभागीय अधिकारियों का कहना है कि उस व्यक्ति की संलिप्तता पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। उत्पाद विभाग की इस कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध सामग्री बरामद की गई। जब्त वस्तुओं में 2,000 से अधिक आरएस, आईबी और नंबर 1 ब्रांड के ढक्कन, खाली बोतलें, लेबल, कैरेमल, और शराब निर्माण के अन्य उपकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 20 लीटर शराब और दो पेटी नंबर 1 ब्रांड की तैयार शराब भी बरामद की गई। यह छापेमारी केदारुत पंचायत के घियाही स्कूल के पास की गई। कार्रवाई का नेतृत्व उत्पाद विभाग के प्रभारी सुमितेश कुमार ने किया, जिनके साथ जवानों की टीम भी शामिल थी।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, केदारुत पंचायत धीरे-धीरे अवैध शराब माफियाओं का गढ़ बनता जा रहा है। पहले यहां महुआ शराब का निर्माण होता था, लेकिन अब माफियाओं ने अंग्रेजी शराब बनाने की ओर रुख कर लिया है। क्षेत्र में बढ़ते इस गैरकानूनी व्यापार ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।प्रशासन के लिए इस पंचायत में सक्रिय शराब माफियाओं पर लगाम लगाना बड़ी चुनौती बन चुका है। उत्पाद विभाग की यह कार्रवाई सराहनीय है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि यह सिर्फ शुरूआत है।

कर्मचारियों के मानदेय भुगतान के बाद ही होगा सड़क निर्माण कार्य : मनोज यादव

चौपारण : सिक्स लेन सड़क निर्माण कंपनी कौशल इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारियों ने शनिवार को कंपनी के मेन गेट पर ताला जड़ धरने पर बैठ गए। नौ माह से बकाया मानदेय भुगतान न होने के कारण कर्मचारियों ने सड़क निर्माण कार्य ठप कर दिया है। कर्मचारियो के समर्थन में पहुँचे बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कर्मचारियो की समस्याएं सुनी। विधायक ने कंपनी के प्रबंधक सुमन चटर्जी व कमलेश मिश्रा से बात कर जल्द मानदेय भुगतान करने की बात कही। विधायक ने स्पस्ट कहा कि जब तक कर्मचारियो का मानदेय भुगतान नही होता तबतक सड़क निर्माण कार्य बंद रखें। इस दौरान विधायक ने एनएचआई के पीडी से टेलीफोनिक बात कर मंगलवार को कंपनी और एनएचआई के अधिकारियो व कर्मचारियो से वार्ता करवाने की बात पर सहमति बनी। कर्मी प्रकाश रजक, बिंदेश्वर यादव, बिनोद पांडेय, रामप्रवेश पांडेय, सुभाष सिंह, राजू सिंह, जमुना पांडेय, राजू सिंह, सुबोध सिंह, जितेंद्र सिंह, अमित पाठक, अमित पाठक, जयंत सिंह, के साथ साथ मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, पूर्व मुखिया अनील पांडेय, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चनद्रवंशी, सिंघरावां मुखिया संतोष सिंह, समाजसेवी अशोक सिंह, जगदीश यादव, प्रेम यादव, सुदीप सिंह, छोटू चनद्रवंशी, रविश सिंह, विवेक पांडेय, दयानिधि पांडेय, छत्रधारी यादव, गणेश गुप्ता सहित कई लोग मौजूद थे।

झारखंड में इस वर्ष 244 नक्सली हुए गिरफ्तार, 24 ने किया सरेंडर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड पुलिस के लिए वर्ष 2024 नक्सलवाद के मुद्दे पर कामयाबी भरा रहा। पूरे साल खुद को झारखंड का सबसे बड़ा नक्सली संगठन कहने वाले भाकपा माओवादी की भी स्थिति ठीक नहीं रही। वह भी खत्म होने के कगार पर है। पूरे राज्य से इस वर्ष अबतक 244 नक्सली गिरफ्तार किये गये हैं जबकि 24 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। पुलिस मुख्यालय से मिले आंकड़ों के अनुसार, राज्य में इस वर्ष 123 हथियार, 35 पुलिस के लूटे हथियार, 5234 गोलियां, 239 आईईडी और 246.40 किलो गोला-बारुद बरामद किए गए हैं। इसी प्रकार पुलिस नक्सल अभियान के दौरान 13.39 लाख लेवी के पैसे बरामद किये गए हैं। पुलिस ने इस दौरान एक सैक सदस्य, दो जोनल कमांडर, छह सब-जानेल कमांडर और छह एरिया कमांडर गिरफ्तार किया है।

इस वर्ष नौ नक्सली मारे गए

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, इस वर्ष नक्सलियों के खिलाफ चलाये गये अभियान में नौ नक्सली मारे गए हैं। इसमें एक जोनल कमांडर, एक सब-जोनल कमांडर, एक एरिया कमांडर और छह सदस्य शामिल हैं। इनमें कांडे होनहांगा, सिंघराई मनोज, बुद्धराम मुंडा, जांगा, सूर्या, सपनी हांसदा, हरेंद्र गंझु, ईश्वरी गंझु और रादुंग बोदरा शामिल हैं।

क्या कहते है अधिकारी

झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने इस संबंध में बताया कि झारखंड में नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर पहुंच गया है। नक्सलियों के खिलाफ अभियान में झारखंड पुलिस ने जबरदस्त कामयाबी हासिल की है। उन्होंने बताया कि अब झारखंड में मात्र 5-10 प्रतिशत ही नक्सलवाद बचा हुआ है। इसके सफाये के लिए लगातार अभियान जारी है। आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने बताया कि झारखंड में चाईबासा को छोड़ पूरे झारखंड में नक्सलियों का अस्तित्व ना के बराबर है। चाईबासा में भी नक्सलियों के सफाए के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जब तक अंतिम नक्सली सरेंडर नहीं कर देता तब तक यह अभियान जारी रहेगा।

विशेष समुदाय के लोगों को सरकार दे रही खुला संरक्षण : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने हेमन्त सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट पर शनिवार को कहा है कि झारखंड की अबुआ सरकार समुदाय विशेष के लोगों को जमीन विवाद से जुड़े मामलों में खुला संरक्षण दे रही है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासियों को भुगतना पड़ रहा है। मरांडी ने कहा कि पाकुड़ में समुदाय विशेष के जरिये सरकारी जमीन पर जबरन अवैध निर्माण करना दर्शाता है कि इन्हें किस हद तक सरकार का संरक्षण प्राप्त है। संताल परगना सहित पूरे प्रदेश में आदिवासियों की जमीन पर अवैध कब्जे की घटनाएं बढ़ रही हैं। आदिवासी समाज

झारखंड की सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत का अहम हिस्सा है लेकिन बाहरी घुसपैठ और जमीन कब्जाने की घटनाओं के चलते वह अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कहा है कि वोटबैंक की राजनीति छोड़कर ऐसे मामलों में निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई करें, ताकि आदिवासियों के अधिकार और अस्तित्व सुरक्षित रह सकें।

झारखंड में आदिवासियों के अधिकार खतरे में : भाजपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने हेमन्त सोरेन सरकार एक बार फिर निशाना साधा है। प्रदेश भाजपा के सोशल मीडिया पोस्ट पर शानिवार को लिखा है कि झारखंड में आदिवासियों के अधिकार खतरे में हैं। पाकुड़ में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण जारी है। मांझी-पहाड़िया समुदाय का आरोप है कि मेला के बहाने कब्जे की साजिश की जा रही है। सरकार और प्रशासन मौन क्यों है? भाजपा ने लिखा है कि क्या आदिवासी अपनी ही जमीन पर पराये बन जायेंगे? सरकारी जमीन पर कब्जा रोकने में प्रशासन विफल क्यों है? साथ ही हेमंत सरकार से सवाल किया गया है कि आदिवासियों के

अधिकारों की सुरक्षा कब होगी? अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई कब होगी? हेमन्त सरकार आपकी चुप्पी, उनकी हिम्मत बढ़ा रही है। जनता सवाल पूछे, सरकार जवाब दे। प्रदेश भाजपा ने एक दूसरे सोशल मीडिया के पोस्ट पर लिखा है कि झारखंड के 34 लाख से अधिक एसटी, एससी, ओबीसी वर्ग के बच्चों को पिछले नौ महीने से छात्रवृत्ति नहीं मिली। साथ ही 20 लाख ग्रीन राशन कार्ड धारक परिवार सात महीने से राशन का इंतजार कर रहे हैं। क्या यही है आदिवासी कल्याण और गरीबों का हक दिलाने की बात करने वाली सरकार? झारखंड के लाभार्थियों का हक कब मिलेगा?

प्लीडर कमिश्नर को साक्ष्य एकत्र करने के लिए नियुक्त नहीं किया जा सकता : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने सर्वेक्षण आयुक्त नियुक्त करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए इस बात पर जोर दिया कि आयुक्त की नियुक्ति का उद्देश्य साक्ष्य एकत्र करना नहीं है, बल्कि उन मामलों को स्पष्ट करना है, जो स्थानीय प्रकृति के हैं और जिन्हें केवल मौके पर स्थानीय जांच द्वारा ही किया जा सकता है। दरअसल देवघर सिविल कोर्ट में एक भूमि विवाद से जुड़े मामले में मुकदमा दायर किया गया। जिसके तहत उन्होंने भूमि के कुछ भूखंडों पर वादी के टाइटल की घोषणा करने कथित अनधिकृत कब्जेदारों के रूप में प्रतिवादियों से कब्जा वापस लेने और एक स्थायी निषेधाज्ञा प्राप्त करने की मांग की थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान देवघर सिविल कोर्ट ने पिछले वर्ष भूमि के सर्वे के लिए प्लीडर कमिश्नर की नियुक्ति का आदेश दे दिया, जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा प्लीडर कमिश्नर की नियुक्ति के लिए आवेदन में ही आवेदक ने यह उल्लेख नहीं किया कि वह किस उद्देश्य से सर्वेक्षण आयुक्त की रिपोर्ट मांगना चाहता है। ट्रायल कोर्ट का कोई निष्कर्ष नहीं है कि सर्वेक्षण आयुक्त की रिपोर्ट दोनों पक्षों के संबंधित दावों की सही और न्यायसंगत सराहना के लिए कैसे आवश्यक थी। लेकिन हाईकोर्ट ने यह पाया कि मुकदमे की संपत्ति की पहचान और स्थान के संबंध में पक्षों के बीच कोई विवाद नहीं है, इसलिए जिस आदेश के तहत ट्रायल कोर्ट ने आवेदन को अनुमति दी है। उसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता है। इसलिए प्लीडर कमिश्नर नियुक्त करने के आदेश को रद्द किया जाता है। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चंद की कोर्ट में हुई।

डीजीपी ने पुलिस की सभी इकाईयों में साप्ताहिक परेड का दिया आदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के विभिन्न जिलों में पुलिसकर्मियों का साप्ताहिक परेड कराने के संबंध में शनिवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने आदेश जारी किया है। डीजीपी के आदेश के बाद आईजी अभियान ने सभी जिला पुलिस इकाइयों को निर्देश जारी किया है कि वह नियमित रूप से साप्ताहिक परेड का आयोजन सुनिश्चित करें। साप्ताहिक परेड का आयोजन नहीं होने के कारण पुलिसकर्मियों में अनुशासनहीनता बढ़ रही है। साथ ही नियमित परेड से पुलिसकर्मी शारीरिक रूप से फिट रहते हैं। परेड न होने से उनकी शारीरिक दक्षता में कमी आ रही है। इसको लेकर जारी निर्देश में कहा गया है कि सभी जिला, इकाई और वाहिनी में प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक दिन परेड का आयोजन अनिवार्य

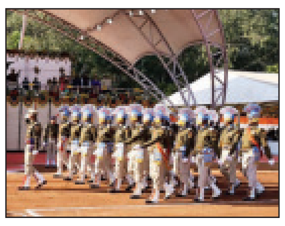

है। परेड का आयोजन मुख्य रूप से सोमवार को किया जायेगा। दूर-दराज के थानों और अनुमंडल के पुलिसकर्मियों को भी परेड में शामिल किया जायेगा। परेड में शामिल होने वाले पुलिसकर्मियों का रोस्टर बनाया जायेगा। परेड से संबंधित सभी जानकारी एक संचिका में रखी जायेगी, ताकि किसी भी समय जांच की जा सके। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी समय-समय पर परेड का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा राजा-रानी कोठी परिसर में स्थित सीआईडी, रेल और जैप के अधिकारी और कर्मचारी जैप-01 डोरंडा के परेड मैदान में शामिल होंगे।

खादी एवं सरस महोत्सव में उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव, 2024-25 के नौवें दिन लगभग 12,000 लोगों ने मेले में शिरकत की। महोत्सव में पूर्व निर्धारित सभी आयोजन, प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित रहे। परंतु महोत्सव धूमने के लिए आगंतुकों में उत्साह की कोई कमी नहीं है। महोत्सव परिसर में प्यूरेस डेयरी के उत्पाद आईस्क्रीम, पेड़ा, दूध, दही, लस्सी, पनीर इत्यादि की बिक्री बहुत हो रही है। ठंड में राजस्थान की राबड़ी, बादाम, पिस्ता, काजू कुल्फी की भी बिक्री बहुत हो रही है। मेला परिसर में गायत्री एवं भोला के लिट्टी चोखा स्टॉलों पर आगंतुकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। घरेलु सामान, सजावट, किचन सेट, कंबल, कोकरी, कारपेट के स्टॉल में महिलाओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। मत्स्य विभाग के द्वारा महोत्सव परिसर में मत्स्य पालन की भी जानकारी दी जा रही है। मेला परिसर में बुजुर्गों के लिए मेला धुमने के लिए निःशुल्क ई-रिक्शा की व्यवस्था की गई है। महोत्सव परिसर में छोटे षिषुओं को स्तनपान कराने हेतु बेबी फिडिग रूम की व्यवस्था होने से माताओं को बहुत सुविधा हुई। अविभावक सुलोचना ने बताया की बेबी फिडिग रूम की व्यवस्था देखकर बहुत ही अच्छा लगा। महोत्सव परिसर में चलंत एटीएम की व्यवस्था की गई है। महोत्सव परिसर में पुस्तकों के षौकीन लोगों के लिए पुस्तकों के स्टॉल लगाये गये है। जहां आध्यात्मिक तथा बिरसा मुंडा से संबंधित पुस्तकों की श्रृंखला उपलब्ध है। पिछले दिनों महोत्सव में खादी एवं ग्रामोद्योगी उत्पादों के साथ साथ अन्य सामग्रियों की बिक्री लगभग 1.5 करोड़ की रही है।

एक नजर

डीजीपी नक्सलवाद विरोधी अभियान की हर हफ्ते करेंगे समीक्षा

रांची : पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता राज्य में नक्सलवाद विरोधी अभियान की हर सप्ताह समीक्षा करेंगे। पुलिस मुख्यालय से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार, बैठक में राज्य में नक्सलवाद की वर्तमान स्थिति का आकलन किया जाएगा। माओवादियों और अन्य नक्सली समूहों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई और उसके परिणामों की भी समीक्षा की जाएगी। इस दौरान खुफिया विभाग से प्राप्त सूचनाओं पर की गई कार्रवाई, नक्सलियों की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संचार व्यवस्था की स्थिति और फरार नक्सलियों की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई पर चर्चा होगी।

वित्त विभाग के लेखा सहायक के 348 पदों पर होगी नियुक्ति

रांची : झारखंड में वित्त विभाग में लेखा सहायक के मूल कोटि पद पर सीधी नियुक्ति की जायेगी। यह नियुक्ति झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर की जायेगी। लेखा सहायक के 384 पदों पर नियुक्ति होगी। जिसमें वरीय लेखा सहायक 217 और लेखा अधीक्षक 70 भी शामिल होंगे। इसके लिए न्यूनतम योग्यता इंटर स्तर तथा कंप्यूटर ज्ञान आवश्यक है। हिंदी टंकन 25 शब्द प्रति मिनट व अंग्रेजी टंकन 30 शब्द प्रति मिनट होना चाहिए। अशुद्धि अधिकतम दो प्रतिशत तक मान्य होगी। नियुक्ति के लिए न्यूनतम उम्र सीमा 18 वर्ष होगी। उम्र सीमा की गणना अधियाचना वर्ष की पहली अगस्त होगी। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड वित्त अवर लेखा सेवा भर्ती, प्रोन्नति व अन्य सेवा शर्त नियमावली को मंजूरी दे दी है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद वित्त विभाग ने इसका गजट प्रकाशन भी कर दिया है। इसके अनुसार, वित्त विभाग में वरीय लेखा सहायक तथा लेखा अधीक्षक के पद प्रोन्नति से भरे जायेंगे। वरीय लेखा सहायक का कार्य बल 217 व लेखा अधीक्षक का कार्य बल 70 होगा। नियुक्ति के बाद तीन माह का संस्थागत प्रशिक्षण, छह माह का व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा एक माह का अंतिम प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य है। प्रोन्नति के लिए विभागीय समिति गठन होगा।

झारखंड में गायों के लिए बन रहा 5स्टार अस्पताल

रांची : आज कल जब इंसानों के लिए अस्पतालों में इलाज मुश्किल हो रहा है। वहीं, झारखंड के चाकुलिया में एक ऐसा अस्पताल बन रहा है जो गायों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। यहां न सिर्फ गोवंश का इलाज होगा, बल्कि सिजेरियन डिलीवरी जैसे जटिल ऑपरेशन भी किए जा सकेंगे। यह अस्पताल पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया स्थित गोलोक धाम गौशाला में ध्यान फाउंडेशन द्वारा बनाया जा रहा है। धनवंतरी गो चिकित्सालय के निर्माण में 1 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आ रही है। अगले दो महीने में इसका निर्माण पूरा हो जाएगा। इस अस्पताल में गायों के इलाज के लिए इमरजेंसी वार्ड, ऑपरेशन थिएटर, एक्स-रे, वातानुकूलित कमरे और 24 घंटे पशु चिकित्सक की सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस अस्पताल में झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार से आने वाले गोवंश का इलाज मुफ्त में किया जाएगा। यहां घायल गोवंश की सर्जरी के साथ-साथ गंभीर प्रसव स्थिति में सिजेरियन ऑपरेशन भी किया जाएगा। इसके लिए दो विशेषज्ञ पशु चिकित्सक 24 घंटे मौजूद रहेंगे। ध्यान फाउंडेशन इस अस्पताल का पूरा खर्च उठाएगा।

संक्षिप्त खबरें

झामुमो में वापसी का कोई ईरादा नहीं : चंपाई सोरेन

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के विधायक चंपाई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में वापसी की बात से पूरी तरह से इनकार किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि किसी भी परिस्थिति में उनका झामुमो में लौटने का कोई इरादा नहीं है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा है कि एक बार फिर कुछ न्यूज पोर्टलों के जरिये मेरे बारे में झूठी अफवाहें फैलाई जा रही हैं। एक साजिश के तहत बार-बार ऐसा करके समर्थकों में भ्रम पैदा करने और मुझे बदनाम की कोशिश की जाती है। बहुत ही स्पष्ट शब्दों में बताना चाहूंगा कि मैं जहां हूं, भविष्य में भी वहीं रहूंगा। किसी भी परिस्थिति में मेरा उस पार्टी में लौटने का कोई इरादा नहीं है।

सोमवती अमावस्या 30 को, पूजा से पितृदोष ग्रह दोष और अन्य कष्टों से मिलेगी मुक्ति

रांची : सोमवती अमावस्या 30 दिसंबर को है। इस दिन वृद्धि योग और मूल नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है, जो बहुत शुभ माना जाता है। इस संयोग के कारण पिंडदान, तर्पण और महादेव की पूजा से पितृदोष, ग्रह दोष और अन्य कष्टों से मुक्ति मिल सकती है। इस संबंध में पंडित मनोज पांडेय ने शनिवार को बताया कि इस दिन निराहार रहकर-अपने पितरों की मुक्ति की कामना करनी चाहिए। यह दिन विशेष रूप से पितरों की पूजा और तर्पण करने का है। उन्होंने कहा कि पितरों की पूजा का महत्व माह में एक बार आता है। इसके अलावा अमावस्या के दिन भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करने से सुख-समृद्धि प्राप्त होती है और पाप से मुक्ति मिलती है।

रांची पुलिस ने साढ़े नौ एकड़ अफीम की खेती को किया नष्ट

रांची : राजधानी पुलिस ने बुंडू और सोनाहातु थाना क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को नष्ट किया है। रांची जिले के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुंडू के नेतृत्व में बुंडू और सोनाहातु थाना प्रभारी ने शनिवार को अभियान चलाकर सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र में लगे अफीम के साढ़े नौ एकड़ खेत को ट्रैक्टर एवं पुलिस बल के जरिये नष्ट किया। एसएसपी ने बताया कि लगातार अफीम के खिलाफ जिले के सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में लगातार सफलता मिल रही है।

प्रदेश कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

रांची : प्रदेश कांग्रेस ने रांची कांग्रेस भवन में भूतपूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ मनमोहन सिंह के कार्यों ने भारत के भविष्य को दिशा दिखायी। डॉ. सिंह भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में एक विशाल व्यक्तित्व थे, जिनके योगदान ने देश को रूपांतरित किया और उन्हें विश्वभर में सम्मान प्राप्त हुआ। वर्ष 1990 के दशक के प्रारंभ में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह भारत के आर्थिक उदारीकरण के शिल्पकार थे। अपनी अद्वितीय दूरदृष्टि के साथ उन्होंने आर्थिक सुधारों की शुरूआत कर न केवल देश को संकट से उबारा, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए द्वार भी खोले। उनके द्वारा किए गए विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने वाले नीतिगत कदमों ने भारत के तेजी से विकास की नींव रखी। उनके नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया, जो उनकी प्रतिभा और दृष्टिकोण का प्रमाण है। भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने देश का नेतृत्व शांति, दृढ़ संकल्प और असाधारण बुद्धिमत्ता के साथ किया। श्रद्धांजलि सभा में ममता देवी, रविन्द्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, शाहजादा अनवर, जय शंकर पाठक, कुमार गौरव, राकेश सिन्हा, अभिलाष साहु, राकेश किरण महतो ,अमुल्य नीरज खलखो, सोनाल शांति सहित अन्य कई नेता शामिल थे।

श्रीश्याम मंदिर में भव्य 139वें श्रीश्याम भण्डारा का हुआ आयोजन

रांची : श्रीश्याम मित्र मण्डल के द्वारा आज हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में भव्य 139 वां श्रीश्याम भण्डारा का आयोजन किया गया। स्मृतिशेष सत्यनारायण जैन, स्मृतिशेष राजकला जैन के वेदभूषण - रंजना जैन,खुशी जैन आज के श्रीश्याम भण्डारे के यजमानश्री थे। भण्डारे में इडली, केशरिया जलेबी, नारियल चटनी व मासलेसाद सांमर का प्रसाद श्रीश्याम मंदिर में निर्मित किया गया था। श्रीश्याम मित्र मण्डल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया के नेतृत्व में यजमानश्री वेदभूषण जैन पप्पू परिजनों के साथ मंदिर में विराजमान खाटूनरेश लड्डू गोपाल, शालीग्रामजी, गरुड़जी राजा रामचन्द्र, हनुमान जी, श्रीश्यामेश्वर महादेव व गुरुजनों को श्रद्धापूर्वक भोग अर्पित किया। इस अवसर पर उपस्थित सैकड़ों भक्तो ने खाटूनरेश के प्रिय भोग भजन आवो -आवो भोग लगावो बाबा श्याम जी..... का ताली बजाकर गायन कर अपने -अपने श्रध्दा सुमन अर्पित किये। यजमानश्री वेदभूषण जैन पप्पू के परिजनों ने भोग लगे भण्डारे के प्रसाद को विराट भण्डारे में मिश्रित कर महाभोग बनाकर सर्वप्रथम रांची गौशाला की गाय माता के लिए महाप्रसाद का पूजन करके मण्डल के वरिष्ठ सदस्य रतन शर्मा के साथ गायमाता को महाप्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के आचार्यों को महाप्रसाद खिलाकर श्रीगणेश जी महाराज की जय-जयकारो के बीच मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, रंजना जैन व खुशी जैन ने भण्डारे का महाभोग वितरण प्रारम्भ किया। भण्डारे का समय होते-होते मंदिर परिसर व हरमू रोड़ में भक्तों की कतारें लग गयी।

एक नजर

आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य को बंद कराने को लेकर उपायुक्त को दिया आवेदन

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड पंचायत आमलाबाद निवासी अधिवक्ता सोमनाथ शेखर पिता सुनिल शेखर ने मौजां कोडाडीह, थाना 114 आमलाबाद ओपी ने गलत ढंग से आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण कार्य को रोक लगाने की मांग किया है। आवेदन में सोमनाथ शेखर ने लिखा है कि मेरा पैतृक संपति जो रैयती है जिसका खाता नंबर 44, प्लोट नंबर 14 है। अनंत लाल शेखर के नाम से दर्ज है। प्रखण्ड द्वारा रैयत से किसी प्रकार का सहमति नहीं कर जबरन आंगनबाड़ी भवन बिचोलियों के माध्यम से संवेदक द्वारा निर्माण किया जा रहा है। जो गलत है। मै घर से बाहर रहता है। उन्होंने उपायुक्त से अभिलंब निर्माण कार्य को जांचोउपरांत निर्माण कार्य को बंद करने की मांग किया है। जिससे सरकारी राशि का दुरूपयोग नहीं हो। संबंधित अधिकारी पर कानुनी करवाई किया जाय।

ट्रक एवं कार के बीच टक्कर, कार सवार की मौत

बोकारो : राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 23 पर उकरीद मोड़ के समीप हुई सड़क हादसे मे एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। घटना शनिवार की देर रात की है। बताया जाता है की मृतक प्रभाष विश्वास बारी को ऑपरेटिव कालोनी के प्लॉट नंबर 484 का निवासी है। मृतक के बहन के मुताबिक वे खराब ओवन को बनवाने के लिए गए हुए थे, इसी दौरान वे वापस लौट रहे थे। उन्होंने बताया की घटना की सूचना उन्हें पुलिस वालों ने दी। वही पुलिस अधिकारी ने बताया की मृतक विभाष विश्वास अपने 800 कार से कहीं जा रहे थे की आगे चल रही ट्रक मे उन्होंने पीछे से टक्कर मार दी। कार ट्रक के नीचे घुस गई। तथा मृतक गाड़ी मे फंस गया जिसे पुलिस के सहयोग से बाहर निकाला गया लेकिन उन्हें इलाज के लिए जब बोकारो जेनरल अस्पताल लाया गया तो उन्हें चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि ट्रक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है।

इस्पात संयंत्र में मजदूर की मौत क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ ने की न्याय की मांग

बोकारो : इस्पात संयंत्र के रिफैक्टरी इन्जीनियरिंग डिपार्टमेंट मे स्पेशल सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत ठेका मजदूर सत्येन्द्र तिवारी की मृत्यु धमन भट्ठी के निकट हाईवा के चपेट में आने से हो गई। स्व. तिवारी मेसर्स सर्वेश रिफैक्टरीज प्राइवेट लिमिटेड के सब भेन्डर मेसर्स शारदा इन्टरप्राइजेज मे कार्यरत थे। दोपहर 11:00 बजे हुई दुर्घटना ने पूरे प्लांट को स्तब्ध कर दिया। दुर्घटना की खबर मिलते हीं क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री सह सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह धमन भट्ठी के सैकड़ो मजदूरो के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। सेल/बोकारो प्रबंधन हमेशा की भांति घटना पर लीपापोती करने के मंशा से पहुंची। मगर महामंत्री सिंह ने प्रबंधन के अधिकारियो को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि मृतक के आश्रित को अविलम्ब नियोजन दिया जाय तब पार्थिव शरीर उठाने की प्रकिया होगी और अगर किसी प्रकार भी मामले की लीपापोती का प्रयास हुआ तो प्रबंधन अंजाम भुगतने को तैयार रहे। मामले पर सिंह के कड़े रूख को देखते हुए प्रबंधन ने लगभग 2:00 बजे अपराह्न मृतक के आश्रित को स्थाई नियोजन पत्र दिया।

होमगार्ड जवानों के अनर्गल आरोप पर एसोसिएशन ने उपायुक्त को लिखा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला के कुछ चुनिंदा होमगार्ड जवानों के अनर्गल आरोप पर झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले दर्जनों महिला व पुरुष जवानों ने संयुक्त रूप से बोकारो उपायुक्त को पत्र लिखा है. पत्र में बताया गया है कि बोकारो जिला के वैसे गृह रक्षक जिन्हे गलत कार्य करने के कारण विभाग ने 6 महीना के लिए कर्तव्य से वंचित किया गया है, वैसे गृह रक्षक जिला कार्यालय के विरुद्ध बेबुनियाद एवं मनगढ़ंत आरोप लगाकर दिग्भ्रमित करने का प्रयत्न कर रहे हैं। जबकि सभी होमगार्ड जवानों को नियमानुसार कर्तव्य वितरण किया जाता है । साथ ही होमगार्ड जवानों से किसी भी अधिकारी / कर्मी/ गृह रक्षक के द्वारा कभी भी ड्यूटी देने के एवज में रिश्वत का मांग नहीं किया गया है। बता दें कि कुछ दिनों पूर्व एक अखबार में यह खबर प्रकाशित हुआ था कि बोकारो जिला के होमगार्ड जवान नीतीश व चिंता के द्वारा ड्यूटी दिलाने के नाम पर रिश्वत लिया जाता है। लेकिन यह आरोप पूरी तरह से गलत है. कोई भी होमगार्ड जवानों से कभी भी ना तो नीतीश और ना ही चिंता के द्वारा रुपए की मांग की गई है। लेकिन कुछ वैसे होमगार्ड के जवान है जो मनचाहा ड्यूटी पाने के लिए जिला कार्यालय पर अनावश्यक दबाव बनाते है। जब उनकी बात जिला कार्यालय के द्वारा नहीं मानी जाती है तब जाकर यह लोग उल्टा सीधा आरोप लगाते हैं। उन्होंने बताया कि बोकारो जिला के होमगार्ड जवान निरंजन प्रसाद सिंह, संजय सिंह एवं मंटू सिंह के द्वारा होमगार्ड जवानों पर यह दबाव बनाया जा रहा है कि जिला कार्यालय के अधिकारी/ कर्मी / गृह रक्षक के विरुद्ध भवदीय को लेटर लिखकर दिजिए की ड्यूटी देने के एवज में रिश्वत का मांग किया जा रहा है। इनके द्वारा कहा जा रहा है कि अगर हम लोगों की बात नहीं मानोगे तो तुम लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इनके इस कार्य से हम लोग काफी भयभीत हैं । उन्होंने उपायुक्त से निवेदन करते हुए उपरोक्त मामले पर संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। इस बैठक में झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव राजीव कुमार तिवारी, बोकारो जिला अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार द्विवेदी, जिला कमेटी सलाहकार भास्कर पांडे ,जिला सचिव राजेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष उमेश कुमार पांडे, अजय कुमार, संजीव कुमार, सूरज कुमार, मुन्ना कुमार सिंह, दीपक कुमार झा ,प्रमोद कुमार पाल तथा अन्य जिला कमेटी के सभी सदस्य सम्मिलित हुए।

स्मारक इंटर कॉलेज में डॉ मोहन मनमोहन सिंह के दी गई श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : शनिवार को शाहिद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ में हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मोहन मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उनकी छायाचित्र पर माल्यार्पण की गई एवं दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया गया।पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन 26 दिसंबर 2024 को 92 वर्ष की आयु में हो गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अरुण कुमार महतो ने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री और राजनेता थे जिन्होंने भारत के आर्थिक सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें सिख समाज के गौरव के रूप में भी जाना जाता है। उन्हें कई पुरस्कार और सम्मान मिले जिनमें पद्म विभूषण जवाहरलाल नेहरू बर्थ सेंटेनरी अवार्ड और एशिया मनी अवार्ड शामिल हैं। मौके पर प्राचार्य डॉ अरुण कुमार महतो, प्रो रमेश प्रसाद,प्रो समीर कुमार महतो, प्रो अविनाश कुमार, प्रो राखोहारी महतो, प्रो मनोज कुमार महतो,प्रो राजू महतो, प्रो मेघनाथ महतो, प्रो राकेश कुमार महतो, प्रो दिनेश मधेशिया, प्रो राजकुमार प्रसाद, प्रो पंचानन सिंह चौधरी, प्रो शेखर महतो, प्रो चमन महतो,प्रो राजकुमारी, प्रो इंदु कुमारी, प्रो नेहा कुमारी, प्रो प्रियंका कुमारी, नागेंद्र महतो, कालाचंद महतो, जगन्नाथ महतो जितेंद्र कुमार दास, बुद्धिमान महतो, मुकेश कुमार शर्मा, तपेश्वर कुमार महतो, गोविंद चंद्र महतो, प्रभु दयाल महतो, भुनेश्वर महतो, अनीता देवी, शंकर महतो, प्रदीप महतो,मोहित कुमार महतो, जितेंद्र महतो , तेंदुलकर भट्ट,चक्रधर महतो, लालू महतो,पंकज महतो, अभिमयु महतो आदि मौजूद रहे।

धनबाद में दिव्यांग बच्चों ने इस्कॉन मंदिर में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : जगजीवन नगर स्थित नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित पहला कदम स्कूल के विशेष बच्चों ने शनिवार को इस्कॉन मंदिर का दौरा किया। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करना था। इस दौरान बच्चों ने मंदिर की भव्यता का आनंद लिया और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। इस्कॉन मंदिर के पुजारियों और कार्यकताओं ने बच्चों का स्वागत किया और भगवान श्रीकृष्ण की महिमा से परिचित कराया। बच्चों को भक्ति गीत और आरती में भी शामिल होने का अवसर मिला, जिससे उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पहला कदम स्कूल की सचिव अनिता अग्रवाल ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों को समाज के साथ जुड़ने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद मिलती है। बच्चों के साथ उनके शिक्षक और ट्रस्ट के सदस्य भी मौजूद थे, जिन्होंने इस अनुभव को स्मरणीय बनाने में योगदान दिया। मंदिर विजिट के बाद बच्चों को प्रसाद वितरित किया गया । पहला कदम स्कूल ने इस पहल को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया है ताकि विशेष बच्चों को समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर मिल सके। नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट की यह पहल सराहनीय है और समाज के प्रति सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

संविधान लाइव के प्रतिभागियों के बीच हुआ प्रमाण पत्र वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संविधान लाइव खेल के माध्यम से पांच सप्ताहों से जारी कार्यक्रम के प्रतिभागियों को आज प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस इस संबंध में सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि सशक्त लोकतंत्र के लिए सशक्त नागरिक की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से सहयोगिनी बोकारो जिले में 78 किशोरियों के साथ 'संविधान लाइव। आओ जाग्रिक बने' कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सहभागी खेल से युवाओं में अपने मौलिक अधिकारों और मूल कर्तव्यों को समझते हुए सामाजिक-आर्थिक, पर्यावरणीय, शैक्षिक और मानसिक मुद्दों पर अपनी समझ बना पाए है। यह खेल कसमार प्रखंड के पोंडा तथा दुगार्पुर पंचायत में खेला गया था। उन्होंने न बताया कि पांच हफ्तों तक चलने वाले इस खेल में युवाओं को हर हफ्ते कर्तव्य या अधिकार के टास्क करना था। जिससे लड़कियां अपने कर्तव्य एवं संविधान के बारे में समझ विकसित कर पाई है। इस खेल में सहयोगिनी के प्रकाश महतो,कुमारी किरण, बिनीता देवी ने मेंटरशिप की है। कार्यक्रम के दौरान लड़कियों को एक सप्ताह के अंदर अपना टास्क पूरा करना पड़ता था। समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं का समाधान करने का कार्य युवा लड़कियां कर रही थी। जिस संविधान के साथ जोड़कर उनका नेतृत्व क्षमता का विकास किया गया है। कार्यक्रम कम्युनिटी द यूथ कलेक्टिव दिल्ली और सहयोगिनी की ओर से चलाया गया।

ट्यूमर से पीड़ित मरीज को जीटी हॉस्पीटल में मिला जीवन दान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास : प्रखंड के बिजुलिया बुढिबिनोर स्थित जीटी हास्पीटल में शनिवार को ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया गया । मरीज के ऑपरेशन के बाद दो ट्यूमर निकला । एक का वजन करीब दो किलो और एक का वजन करीब एक किलो है । ट्यूमर से करीब पांच लीटर पश निकला। ऑपरेशन के पूर्व डा खालिद तनवीर ने बेहोश किया और डा विनोद कुमार गुप्ता एम एस ने ऑपरेशन किया । डा ने बताया कि रोगी की स्थिति काफी गंभीर थी अंतिम समय में हास्पीटल पहुंची थी। दोनों ट्यूमर एबडोमनल कैंसरिसिस्ट करीब अस्सी से नब्बे स्टेज में थी कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि ट्यूमर कभी भी ब्लास्ट होने की स्थिति में थी । ऑपरेशन के बाद मरीज कोटशिला के कानुडीह पुरुलिया निवासी 25 वषीर्या सुभद्रा कुमार स्वस्थ है ।सुभद्रा के पति राजेश कुमार ने कहा कि दो तीन महीने पूर्व पेट दर्द की शिकायत पर स्थानीय स्तर पर इलाज करा रहे थे। जांच पर पता चला कि ट्यूमर है। ट्यूमर को जांच के लिए कोलकाता वह दिल्ली भेजा जाएगा जो रिपोर्ट आएगी उसी हिसाब से इलाज किया जाएगा ।चैयरमेन बादल पाल ने बताया कि पुरी स्वस्थ्य होने तक इलाज किया जायेगा। सफल ऑपरेशन से मरीज को जीवन दान मिला इससे बड़ा और खुशी क्या हो सकता है।

बच्चे भी तंबाकू के दुष्प्रभाव के प्रति अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें : जिला परामर्शी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीडीए कालेज पिछरी बेरमो, बोकारो में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कालेज के प्राचार्या श्री सच्चिदानन्द सिंह के द्वारा किया गया। स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो0 असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व, तम्बाकू प्रयोग से स्वास्थ्य पर दीर्घ अवधी परिणाम, व उससे होने वाले नुकसान, तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र व तम्बाकू छोडने के उपाय, तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान कैसे किया जाये और इसमें बच्चों की क्या जवाबदेही है इसके बारे में बताया विस्तृत जानकारी दी गई। जिला परामर्शी मो0 असलम ने चर्चा के दौरान बच्चों को बताया कि झारखण्ड में 146 बच्चा प्रत्येक दिन पहली बार तम्बाकू का उपयोग करना शुरू करता है जोकि केवल 13-15 वर्ष आयु के बच्चे होते हैं और कही न कही इनको प्रेरित करने वाले उन्ही के दोस्त होते है। यदि आप लोगों को भी आप का अपना दोस्त तम्बाकू उत्पाद लेने के लिए प्रेरित करता है तो सबसे पहले न कहें और साथ ही साथ उसे इसके दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करें। ऐसी दोस्ती से क्या फायदा जो आपको मौत की तरफ ले जाये। जिला परामर्शी ने बताया कि तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति अपने आसपास के लोगों को जागरूक करें साथ ही यदि कोई भी व्यक्ति तम्बाकू छोडना चाहता है तो उसे तम्बाकू की लत छोडने के लिये भारत सरकार की तरफ से जारी टाल फ्री नं0 1800-11-2356 पर काल करने के लिये कहें। अन्त में प्रो0 सच्चिदानन्द सिंह ने अपने सम्बोधन मे कहा कि तम्बाकू मुक्त युवा अभियान के रूप में सभी छात्र यह शपथ लें कि खुद न तो वह तम्बाकू का उपयोग करेंगें और न ही दूसरो को करने देंगें तभी तम्बाकू यूजर में कमी लाई जा सकती है और तम्बाकू मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्या प्रो0 सच्चिदानन्द सिंह, जिला परामर्शी मो0 असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं को कराया गया मंदिर एवं पार्क का भ्रमण

धनबाद : शनिवार को शैक्षणिक भ्रमण एवं ग्राम दर्शन के कार्यक्रम के तहत सरस्वती शिशु मंदिर तेतुलमारी के कक्षा द्वितीय एवं तृतीय के भैया बहनों को वेस्ट मोदीदीह के ग्राम, आसपास का हरा भरा क्षेत्र, सुंदर फूलों से भरा तालाब, शिव मंदिर, हनुमान मंदिर का दर्शन करवाया गया। साथ ही भैया बहनों ग्रीन पार्क का भी भ्रमण किया। वहां के उद्यान, सिसो, झूला का भी आनंद लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजकुमार महतो, अजीत कुमार सिंह एवं अपर्णा दीदी का सराहनीय रहा।

11 सेंटरों में होगी चौकीदार पद पर नियुक्ति के लिए परीक्षा

धनबाद : चौकीदार पद पर नियुक्ति के लिए योग्य अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा रविवार, 29 दिसंबर 2024, को जिले के 11 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 11:00 बजे से दोपहर के 12:30 बजे आयोजित की जाएगी। लगभग 5000 से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा को कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए उप विकास आयुक्त सादात अनवर, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन एवं एडीएम लॉ एंड आर्डर पीयूष सिन्हा ने संयुक्त आदेश जारी किया है। चौकीदार पद पर नियुक्ति के लिए खालसा हाई स्कूल बैंक मोड़, डीएवी हाई स्कूल दरी मोहल्ला, डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा, अपग्रेडेड हाई स्कूल लोवाडीह, एसएसएनएमएस इंटर कॉलेज सिजुआ, एसएसएलएनटी महिला कॉलेज धनबाद, बीएसएस महिला महाविद्यालय धनबाद, डीएवी पब्लिक स्कूल कोयला नगर, सरस्वती विद्या मंदिर भूली, पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज सरायढेला एवं अभय सुंदरी गर्ल्स स्कूल धनबाद में परीक्षा आयोजित की जाएगी। सभी 11 सेंटरों के लिए स्टेटिक मजिस्ट्रेट, गश्ती सह उड़न दस्ता दंडाधिकारी के साथ-साथ पुलिस पदाधिकारियों व पुलिस फोर्स की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अलावा जिला नियंत्रण कक्ष भी कार्यरत रहेगा। अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार जिला नियंत्रण कक्ष के वरीय प्रभारी रहेंगे। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 2311217, 2311807 एवं 100 है। जिला नियंत्रण कक्ष सुबह 8:30 बजे से कार्यरत रहेगा।

एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा धनबाद पहुंचे

धनबाद : शनिवार को शाहिद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ में हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मोहन मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उनकी छायाचित्र पर माल्यार्पण की गई एवं दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया गया।पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन 26 दिसंबर 2024 को 92 वर्ष की आयु में हो गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अरुण कुमार महतो ने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री और राजनेता थे जिन्होंने भारत के आर्थिक सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें सिख समाज के गौरव के रूप में भी जाना जाता है। उन्हें कई पुरस्कार और सम्मान मिले जिनमें पद्म विभूषण जवाहरलाल नेहरू बर्थ सेंटेनरी अवार्ड और एशिया मनी अवार्ड शामिल हैं।मौके पर प्राचार्य डॉ अरुण कुमार महतो, प्रो रमेश प्रसाद,प्रो समीर कुमार महतो, प्रो अविनाश कुमार, प्रो राखोहारी महतो, प्रो मनोज कुमार महतो,प्रो राजू महतो, प्रो मेघनाथ महतो, प्रो राकेश कुमार महतो,प्रो दिनेश मधेशिया, प्रो राजकुमार प्रसाद , प्रो पंचानन सिंह चौधरी , प्रो शेखर महतो,प्रो चमन महतो,प्रो राजकुमारी, प्रो इंदु कुमारी, प्रो नेहा कुमारी, प्रो प्रियंका कुमारी, नागेंद्र महतो,कालाचंद महतो,जगन्नाथ महतो जितेंद्र कुमार दास,बुद्धिमान महतो,मुकेश कुमार शर्मा,तपेश्वर कुमार महतो,गोविंद चंद्र महतो,प्रभु दयाल महतो,भुनेश्वर महतो, अनीता देवी,शंकर महतो, प्रदीप महतो,मोहित कुमार महतो ,जितेंद्र महतो , तेंदुलकर भट्ट,चक्रधर महतो, लालू महतो,पंकज महतो, अभिमयु महतो आदि मौजूद रहे।

तासरा प्रोजेक्ट के सीएसआर योजना के तहत 44 प्रशिक्षुओं को मिला प्रशिक्षण प्रमाण पत्र

धनबाद : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के कोलियरी डिवीजन, तासरा प्रोजेक्ट के एमडीओ (टीएमपीएल) के सहयोग से सीएसआर योजना के तहत 44 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिए गए हैं।इस कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए चेक और पुरस्कार भी दिए गए। साथ ही, 50 नए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण किट भी दिया गया।सेल के कार्यपालक निदेशक, संजीव कुमार सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, स्वरोजगार, स्वावलंबन और सामाजिक विकास की दिशा में एक अच्छा प्रयास है।

रणक्षेत्र में तब्दील हुआ वेस्टर्न फॉर्म होटल, 50 की संख्या मे पहुंचे थे हमलावर, कई जख्मी

बोकारो : शहर के नया मोड़ स्थित वेस्टर्न फॉर्म होटल मे 50 की संख्या मे पहुंचे लोगों ने देर रात जमकर हंगामा किया तथा तोड़फोड़ करते हुए मारपीट की। घटना के वक्त अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया देखते देखते वेस्टर्न फार्म रणक्षेत्र मे तब्दील हो गया हलांकि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे मे कैद हो गयी है घटना सिटी थाना क्षेत्र की है मालूम हो कि वेस्टर्न फॉर्म मे सिद्धिविनायक इवेंट ऑनर आलोक वर्मा ने बताया कि बच्चों का फेयरवेल कार्यक्रम चल रहा था, उसी वक्त शाहनवाज नामक व्यक्ति अपने साथियों के साथ वेस्टर्न फॉर्म के बाहर झगड़ा कर रहा था और देखते ही देखते वह वेस्टर्न फॉर्म के अंदर दाखिल हो गया। और चल रहे कार्यक्रम में विघ्न डालने की कोशिश करने लगा समझाने पर हंगामा करते हुए तोड़फोड़ की कार्यक्रम में आए हुए बच्चों एवं अभिभावकों के साथ भी मारपीट की तथा इवेंट ऑनर आलोक वर्मा की जमकर धुनाई कर दी जिसके कारण वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए जिन्हे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

बरहेट में सिविल सर्जन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : प्रखंड अंतर्गत शनिवार को रांची से पहुंची राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य कार्यक्रम प्रबंधक अनिमा किस्कू ने जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू के साथ साहिबगंज सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया की उपस्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के निर्देश पर राज्य के सभी मंत्रियों के क्षेत्र में पड़ने वाले स्वास्थ्य सेवा केद्रों को बेहतर किए जाने की दृष्टि से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का बरहेट विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाए जाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत पूछे जाने पर एनएचएम राज्य समन्वयक अनिमा किस्कू ने बताई की स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग के साथ अपने पहली बैठक में बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कायाकल्प पर विशेष ध्यान दिया जाए उसी के तहत साहिबगंज सिविल सर्जन प्रवीण संथालिया और जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू के साथ निरीक्षण की निरीक्षण का उद्देश्य कमी खोजना नहीं था बल्कि यह देखना था कि यहां क्या-क्या सुविधाएं हैं और इसके सुधार के लिए क्या कदम उठाए जा सकते है,इसको लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एमओआईसी के साथ बैठक हुई और सभी से बातें की है। इसमें कुछ बिंदु सामने आया है जैसे यहां डिजिटल एक्स-रे आने वाला है जो अच्छा है। इस तरह की और भी सुविधा यहां उपलब्ध कराना चाहते हैं ताकि बरहेट प्रखंड क्षेत्र के लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में चिकित्सक की कमी के संबंध में पूछे जाने पर बताया कि इसके संबंध में मंत्री को बताया जाएगा और वहां भी चिकित्सकों की पदस्थापन को लेकर के काम किया जा रहा है जल्द ही नए चिकित्सक यहां योगदान लेंगे। इधर जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू ने कहा कि पूर्व की अपेक्षा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में काफी सुधार आया है कही की जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरा प्रयास रहता है और रहेगा कि लोगों को यहां अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सके और इसके लिए हर संभव मेरे द्वारा पहल किया जाता रहा है। इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति के प्रोफेसर नजरुल इस्लाम, डॉक्टर संतोष टुडू, डॉक्टर चौधरी चंद्रशेखर प्रसाद चंद, बैम चंदन कुमार, झामुमो के एजाज अली व अन्य मौजूद थे।

हरियाकोचा सबर टोला में कंबल और गर्म कपड़ों का हुआ वितरण

पटमदा : रेडियो धूम 104 .8 एफएम और श्रीलेदर्स की मुहीम तपिश सीजन 9 के अंतिम चरण में बोड़ाम प्रखंड के बेलडीह पंचायत के हड़ियाकोचा सबरटोला में जरुरतमंद महिलाओ, बुजुर्गों और बच्चों के बीच कंबल, गर्म कपड़े और नाश्ते का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में उप मुखिया प्रतिनिधि भरत सिंह रेडियो धूम से बुलंद इकबाल खान और अखिलेश प्रसाद मौजूद थे। इस वितरण कार्यकर्म के साथ ही तपिश के नौवे संस्करण का समापन हो गया।तपिश के तहत इस बार ओपो,आसनबनी, रसूनचोपा, बामनी, घूटिया, दारीसाई एवं बेलडीह जैसे सुदूरवर्ती गांव एवं सबरटोला समेत कुल सात जगह पर कंबल, गर्म कपड़ो और नाश्ता का वितरण किया गया।

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
(पंचायत शाखा)
E-mail ID- kodermadpro@gmail.com

:: अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना ::

पंचायती राज विभाग, झारखण्ड, रॉंची का पत्रांक 40 (वि०) / पं० दिनांक 21.08.2024 एवं पत्रांक 2241 दिनांक 23.09.2024 के आलोक में कोडरमा जिलान्तर्गत चयनित पंचायत ज्ञान केन्द्रों में उपलब्ध करायी जाने वाली सामग्रियों में समरूपता, गुणवत्ता रखने के उद्देश्य हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जा रही है, जो उप विकास आयुक्त, कोडरमा की अध्यक्षता में खोला जाएगा।

क्र०	इकाई	विवरणी
1	विज्ञापनदाता का नाम	उप विकास आयुक्त, कोडरमा
2	निविदा / कोटेशन प्राप्त करने की तिथि	दिनांक– 15/01/2025 के 02:00 बजे अपराह्न तक
3	निविदा / कोटेशन जमा करने का स्थान	जिला पंचायत राज कार्यालय, कोडरमा
4	निविदा खोलने की तिथि	दिनांक– 15/01/2025 के 03:00 बजे अपराह्न से
5	निविदा खोलने का स्थान	जिला ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार, कोडरमा

निविदा से संबंधित शर्तें एवं अन्य सूचनाएँ कार्यालय के सूचना पट एवं जिले के अधिकारिक वेबसाईट www.koderma.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह० / –
उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद,कोडरमा

PR 343103 (Panchayati Raj)24-25*D

पैसे के लेनदेन के विवाद में हुई मारपीट में युवक घायल

साहिबगंज/राजमहल : थाना क्षेत्र अंतर्गत मनसिंघा गांव में बीते रात्रि जलसा का कार्यक्रम के दौरान मारपीट में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फैजल शेख के (22) वर्षीय पुत्र शाहिद शेख गुजरात गांव में चल रहे जलसा देखने गया था। इस दौरान एक व्यक्ति से पैसे के लेनदेन को लेकर कहा सुनी होते होते मारपीट तक पहुंच गया जिसमें उक्त युवक बुरी तरह घायल हो गया। जिसे परिजनों एवं मौके पर मौजूद लोगों के द्वारा रात्रि में ही इलाज के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। वहीं घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

बंद घर से चोरों ने 20 लाख की संपत्ति उड़ायी

साहिबगंज : शहर के समलापुर मुहल्ले के एक बंद घर में अज्ञात चोरों के द्वारा लाखों रुपए चोरी की घटना को शातिर तरीके से दिया अंजाम। मकान से चोरों ने करीब डेढ़ लाख रुपए नकद, दो एलईडी टीवी, एक लैपटॉप, एक सिलेंडर, करीब 15 लाख रुपए के आभूषण चोरी कर ली है। घटना की सूचना पाकर मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी पंकज दूबे ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। दरअसल, मकान के मालिक सुधांशु शेखर उपाध्याय गढ़वा में झारखंड ग्रामीण बैंक में ब्रांच मैनेजर हैं। जबकि उनकी पत्नी नेहा नीरज गोड्डा में एलआईसी ब्रांच मैनेजर हैं। नेहा नीरज परिवार के साथ गोड्डा में ही रहती हैं। बीते शुक्रवार की देर शाम नेहा नीरज का ड्राइवर मनिहारी निवासी शेख कासिम गोड्डा से यहां घर पर आया तो देखा कि घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ था और दरवाजा अंदर से बंद था। शक होने पर ड्राइवर ने तुरंत इसकी सूचना नेहा नीरज को दी। इसपर नेहा ने ड्राइवर को पीछे गेट को देखने को कहा तो ड्राइवर पीछे गेट पर गया,जहां पीछे का गेट बाहर से बंद था।

समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत परियोजना हस्तांतरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : प्रखंड अंतर्गत मध्यान आयोजित कार्यक्रम में प्रवाह संस्था के सचिव दिलीप दुबे ने उपस्थित लोगों को बताया कि परियोजना में संस्था बरहेट ब्लॉक के 18 गांवों में काम का कार्यान्वयन कर रही है। प्रस्तावित सतत आजीविका कार्यक्रम के तहत बरहेट प्रखंड से लगभग 54000 अधिक पीवीटीजी परिवारों में से 3,000 परिवारों की पहचान की है। प्रखंड में 80% समुदाय को गर्मी के मौसम में मुश्किल से 8 से 10 लीटर पानी मिलता है। औद्योगीकरण की प्रक्रिया में इन समुदाय को दो वक्त का पौष्टिक भोजन भी नहीं मिल पाता है। फिर भी आधी आबादी गरीबी रेखा के नीचे रहती है और उनके पास जीवनयापन के लिए बुनियादी जरूरतों तक पहुंच नहीं है। इससे महसूस हुआ कि यह समुदाय सम्मानजनक जीवन यापन कर सके इसके लिए कार्य करने की आवश्यकता है। बताया कि संस्था पिछले 3 वर्षों से बरहेट प्रखंड में काम कर रही है। यह परियोजना एचडीएफसी सीएसआर परिवर्तन के तहत समग्र ग्रामीण विकास परियोजना है। उक्त परियोजना के तहत संस्था स्वास्थ्य शिविर, पशुपालन शिविर, खेत तालाब बनाना, डोवा, हप्पा, चेक बांध, स्मार्ट स्कूल विकास, आंगनवाड़ी विकास, पोषण उद्यान, बकरी और मुर्गी का वितरण, माइक्रो लिफ्ट सिंचाई प्रणाली की स्थापना, ड्रिप सिंचाई, सौर लघु लिफ्ट सिंचाई, किसानों को प्रशिक्षण, उच्च मूल्य वाली सब्जियों की खेती, मशरूम की खेती, ग्राम विकास समिति, जल उपयोगकर्ता समूह, एसएचजी और अन्य अभिसरण से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करती है। कार्यक्रम में पहुंचे जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, प्रखंड प्रमुख बर्नार्ड मरांडी, प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम, पचकठिया संथाली के मुखिया होपना टुडू, पंचायत समिति सदस्य बेला किस्कू को संस्था द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

बाइक की टक्कर में युवक की मौत

चतरा : टंडवा थाना क्षेत्र के एनटीपीसी के कामता बाईपास रोड में दो बाईकों के बीच हुए टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। मृत युवक की पहचान कामता गांव निवासी तनवीर उर्फ लल्लु आलम (25) के रूप में की गई है। दूसरा युवक नियमत अंसारी बुरी तरह से घायल हो गया। बताया कि तनवीर अपनी मां को साथ लेकर अजमेर शरीफ जाने वाला था जिसको लेकर वह अपनी बहन को लाने के लिए केरेडारी के पांडू जा रहा था।

कार्यालय : जिला शिक्षा अधीक्षक, खूँटी।
नया समाहरणालय भवन, ब्लॉक सी०, चाईबासा रोड, खूँटी–835210

कार्यालय आदेश

खूँटी जिला अन्तर्गत प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक / शिक्षिकाओं से संबंधित ग्रेड 4 (विज्ञान, कला एवं भाषा) में प्रोन्नति से संबंधित वरीयता सूची जिलें के अधिकारिक वेबसाइट www.khunti.nic.in में अपलोड किया गया है। अपलोड किए गए शिक्षक / शिक्षिकाओं से संबंधित ब्यौरा में किसी प्रकार की त्रुटि पायी जाती है तो त्रुटि के निराकरण हेतु अपना दावा आपत्ति अपने नियंत्री पदाधिकारी से अग्रसारित कराते हुए साक्ष्य सहित दिनांक 11.01.2025 तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

ह० / –
जिला शिक्षा अधीक्षक, खूँटी।

PR.NO.343107 District(24-25):D

प्रखंड स्तरीय रबी फसल कार्यशाला का किया गया आयोजन

साहिबगंज/तालझारी : कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार जिला कृषि पदाधिकारी साहिबगंज के द्वारा पत्र निर्गत कर तालझारी प्रखंड सभागार में प्रखंड स्तरीय रबी फसल 2024 के तहत किया गया कार्यशाला का आयोजन। इस प्रखंड स्तरीय कार्यशाला में प्रखंड प्रमुख बेरोनिका मुर्मू, प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार एवं जिला कृषि अभियंता पदाधिकारी राम प्रकाश शर्मा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किसानों से वातार्लाप मंथन के बीच किसान हित के लिए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हमारे क्षेत्र में खजूर और ताड़ के पेड़ उगे हुए हैं इससे किसान को फायदा नहीं है यदि इसी प्रकार से हम बड़े खजूर पाम के पेड़ को लगाया जाए तो किसानों को काफी लाभ हो सकता है,किसान को चाहिए कि इस दिशा में पहल करते हुए खजूर पाम पेड़ को लगाने का प्रयास किया जाए जब तक हम किसी चीज के विषय में अध्ययन नहीं करेंगे तो हमें यह समझ में नहीं आएगा कि आखिर इसके फायदे क्या होंगे। जिला से आए हुए जिला कृषि अभियंता के द्वारा किसान हित के लिए जमीन के प्रकार को बताया गया ऊंचे जमीन मध्य जमीन और निचले जमीन जैसे ऊंचे जमीनों पर मिट्टी के बहाव को रोकने के लिए फलदार वृक्ष लगाना चाहिए, मध्यम जमीन पर बरसात का पानी नहीं टिकता है, इसलिए वहां वैसे फसल लगानी चाहिए जो कम पानी में भी उगाया जा सकता है जैसे मड़वा, मकई, और मोटे अनाज लगाना चाहिए जो कम पानी में भी अच्छी पैदावार देती है। सबसे निचले स्तर की जो जमीन होती है उसमें आप सभी प्रकार के फसल लगाया जा सकता है। ब्लॉक कोऑर्डिनेटर तालझारी कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी 2024/ 25 ऋणी और गैर ऋणी दोनों किसानों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 है अत: फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पावो किसान भाई अपने रवि फसल का जल्द से जल्द नामांकन कराओ। कार्यशाला में आठ किसान को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया गया और कहा गया कि मीटी जांच नमूना अवश्य करा लें मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार सभी फसलों के लिए डीएपी 130 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर, माप 67 किलो प्रति हेक्टेयर, यूरिया 367 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं एवं कंपोस्ट 31.9 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए।

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची।
सादर अस्पताल परिसर, राँची, email id – csofficeranchi@yahoo.com

Tender No. :7301 Date 26-12-2024

अति अल्प कालीन निविदा

सदर अस्पताल रॉंची के लिए सामग्रियों एवं विविध के क्रय हेतु निबंधित निर्माणकर्ता / प्रतिष्ठानों / फर्म / स्थानीय दुकानदारों से दिनांक 15.1.2025 के अपराह्न 5.00 बजे तक निविदा आमंत्रित किया जाता है। निर्धारित तिथि तक निविदा हाथो–हाथ अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्राप्त किया जाएगा। निविदा से संबंधित तकनीकि विवरण / स्पेशिफिकेशन / संबंधित नियम / शर्त आदि website www.sadarhospital.com पर दिनांक 30.12.2024 से देखा जा सकता है। निविदा से संबंधित किसी प्रकार का परिवर्तन /शुद्धि पत्र www.sadarhospital.com पर ही देखा जा सकता है।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,रॉंची।

PR 343095 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25 (D)

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : शनिवार को बरहरवा नगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा उदारवादी आर्थिक सुधारो के पुरोधा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नहीं रहने पर राजमहल रोड स्थित कार्यालय पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन नगर अध्यक्ष मनोज घोष की नेतृत्व में की गई। जहाँ उनके छवि पर पुष्प माला अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन कार्यकताओं ने रखकर दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। नगर अध्यक्ष मनोज घोष ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया की कांग्रेस के मूल्यों, विचारों और हमारे दिलों में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के आदर्शों और मार्गदर्शन की झलक हमेशा रहेगी, वे महान अर्थशास्त्री थे। देश को 1991 में आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में उनका अहम योगदान था। पार्टी को सशक्त बनाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। वे कुशल राजनेता के साथ-साथ देश में भाईचारा और आपसी एकता को बढ़ाने पर बल देते थे। उन्होंने उपस्थित कांग्रेस जनों को मनमोहन सिंह की जीवनशैली से हमलोग को सीख लेने की आवश्यकता है। कांग्रेस पार्टी में इनकी कमी कभी पुरा नहीं हो सकता है। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी मो नसीरुद्दीन, अश्वनी आनंद, मिथुन मंडल, अनंत लाल भगत, निताई सरकार, थॉमस रोबर्ट, राजू देश के लिए, संतोष राम, कुंदन शव, छोटे लाल रमनी, अजीत कुमार रॉय, आलमगीर मंसूरी, जयंतो साहा, सामउल, दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यालय, जिला शिक्षा अधीक्षक, लोहरदगा।
पाण्डेय गणपत राय भवन प्रथम तल्ला, समाहरणालय परिसर, लोहरदगा।
Email- lohardagamdm@gmail.com, mdmloh@rediffmail.com

आवश्यक सूचना

सरकार के प्रभारी सचिव, प्रा0शि0, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड, रॉंची के पत्रांक 17 / विविध–06 / 2024– 1528 दिनांक 24.12.2024 के आलोक में जिले अंतर्गत संचालित गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को RTE Act के तहत् मान्यता प्रदान करने से संबंधित आवश्यक सूचना।

सरकार के प्रभारी सचिव, प्रा0शि0, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड, रॉंची के पत्रांक 17 / विविध–06 / 2024– 1528 दिनांक 24.12.2024 के आलोक में जिले अंतर्गत संचालित गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को RTE Act के तहत् मान्यता प्रदान करने से संबंधित अग्रेत्तर कार्रवाई करने का निदेश प्राप्त है।

प्राप्त निदेश के आलोक में जिले में कुल 124 संचालित सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय RTE Act के तहत् मान्यता लेने हेतु https://rte.jharkhand.gov.in पोर्टल पर दिनांक 15.01.2025 तक Online Form भरते हुए आवश्यक राशि का भुगतान कर Online आवेदन समर्पित करेंगे। जिले में कुल 124 संचालित सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय की सूची इस सूचना के साथ संलग्न है।

उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिपथ में रखते हुए इस सूचना के माध्यम से जिले में कुल 124 संचालित सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को विभाग द्वारा निर्धारित तिथि 15.01.2025 तक online आवेदन करते हुए उसकी सूचना अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

जिला शिक्षा अधीक्षक,
लोहरदगा।

PR 343111 Lohardaga(24-25)D

नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन कराया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गरीब लोगों का हुआ नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

गरीब व्यक्ति को चिकित्सा पहुंचाना लक्ष्य : डॉ मयंक मुरारी

अनगड़ा/रांची : शालिनी अस्पताल और उषा मार्टिन फाउंडेशन के तत्वावधान में ग्रामीणों को नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन कराया गया और उसके पश्चात उन लोगों का चश्मा भी वितरित किया गया। अभी तक 300 से अधिक ग्रामीणों के आंख का ऑपरेशन कराया जा चुका है। यह कार्यक्रम शालिनी अस्पताल के सौजन्य से रूक्का में किया गया, जो अगले मार्च तक चलेगा। इस अभियान में साइट सेवर इंडिया के सहयोग से उच्च गुणवत्तायुक्त लेंस प्रत्यारोपित करने का भी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान पर उषा मार्टिन फॉउंडेशन सचिव डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि कंपनी के माध्यम से गांव-गांव में कैंप लगाया जा रहा है। इन कैंप में आंख की परेशानी वाले लोगों की जांच की जाती है और उसके बाद डॉक्टरी परामर्श पर उनका ऑपरेशन एवं चश्मा उपलब्ध कराया जाता है। शालिनी अस्पताल के वरीय प्रबंधक राणा विकास ने कहा कि ओरमांझी, कांके, अनगड़ा एवं नामकुम ब्लॉक के गांवों में नि:शुल्क आंख जांच शिविर लगाया जा रहा है और जरूरतमंद लोगों का नि:शुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया जा रहा है। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित डॉ मृदुला कच्छप ने कहा कि अस्पताल के माध्यम से कम खर्च में सामान्य प्रसव एवं ऑपरेशन का लाभ दिया जा रहा है। अस्पताल का प्रयास है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि हमारे पास आज अनुभवी स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, जनरल सर्जन एवं जनरल फिजिशियन उपलब्ध हैं साथ ही आईसीयू, आधुनिक सुविधाओं एवं उत्कृष्ट मशीनों से लैस पैथोलॉजी,एम्बुलेंस आदि की व्यवस्था है। इस अवसर पर विजेंद्र कुमार दास, नेत्र विभाग से मुकेश कुमार और भारती कुमारी आदि के अलावा बड़ी संख्या में गांववासी उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, सिमडेगा।
Email Id- rwdsimdega@gmail.com
पत्रांक :........................ सिमडेगा / दिनांक :........../.........../...............

प्रेस विज्ञप्ति आवश्यक सूचना

इस प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा इस प्रमण्डल, के अन्तर्गत मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत ननेसेरा से टिम्बा टोली होते हुए चेनाबारी तक पथ निर्माण कार्य (लं०– 3.2कि०मी०) के संवेदक **Md. Yasin Construction Pvt. Ltd, Anish Shad, S/o Md. Yasin College Road Simdega, Dist, Simdega- 835223.** को सूचित किया जाता है, कि उक्त कार्य के एकरारित अवधि समाप्त हो जाने के बावूजद आपके द्वारा पूर्ण नहीं किया गया है, जो एकरारनामा का उल्लंघन है। एकरारनामा के अनुसार कार्य प्रारंभ की तिथि 21-02-2023 एवं कार्य समाप्ति की तिथि 20-05-2024 है। आपको कार्य पूर्ण करने के लिए इस कार्यालय का पत्रांक 1829 दिनांक 30-09-2023, पत्रांक 985 दिनांक 05-06-2024, पत्रांक 1033 दिनांक 13-06-2024 एवं पत्रांक 1698 दिनांक 19-09-2024 के द्वारा पत्र लिखा गया है परन्तु आप पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। लम्बें समय तक जान बूझकर कार्य को पूर्ण नहीं करना एवं मनमाने ढंग से कार्य को बंद रखना, आपके लापरवाही, उदासीनता एवं उदण्डता का परिचायक है। आपके द्वारा एकरारनामा की शर्तों का अनुपालन नहीं किया गया। आपको अन्तिम रूप से प्रेस के माध्यम से निदेश दिया जाता है कि कार्य को यथाशीघ्र प्रारंभ करते हुए गुणवत्ता एवं विशिष्टियों के अनुरूप पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। अन्यथा बाध्य होकर एकरारनामा में निहित कंडिकाओं के अनुसार उचित अग्रेतर कार्रवाई करते हुए पथ का अन्तिम मापी तथा आपके निबंधन को काली सूची में डालने की अनुशंसा उच्चाधिकारियों से की जायेगी।

क्र०	प्रखंड	पथ का नाम	लम्बाई (कि०मी०)	संवेदक का नाम	एकरारनामा संख्या	एकरारनामा एवं कार्य प्रारंभ की तिथि	एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि	वर्तमान में कार्य संपादन की स्थिति	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	सिमडेगा सदर	ननेसेरा से टिम्बा टोली होते हुए चेनाबारी तक पथ।	3.2	Md. Yasin Construction Pvt. Ltd.	12 F2 of 2022-23	21-02-2023	20-05-2024	पुल/ पुलिया मिट्टी कार्य किया गया है। GSB एवं WMM कालीकरण कार्य शेष है।	आपके द्वारा पथ में मिट्टी कार्य किया गया है। लम्बे समय से कार्य बन्द रहने के कारण किया गया कार्य अधिकांश जगहों पर क्षतिग्रस्त हो गया है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, सिमडेगा।

PR 343059 Rural Work Department(24-25)D

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

ललित गर्ग

डॉ. सिंह अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल राजनीतिक जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। भारतीय राजनीति में सादगी, कर्मठता, ईमानदारी एवं राजनीतिक कौशल से अपनी जगह बनाने वाले एवं निरन्तर चमत्कार घटित करने वाले डॉ. सिंह अपनी प्रभावी एवं शालीन भूमिका से देश की आर्थिक मजबूती की एक बड़ी उम्मीद बने थे।

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेबाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेबाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया।

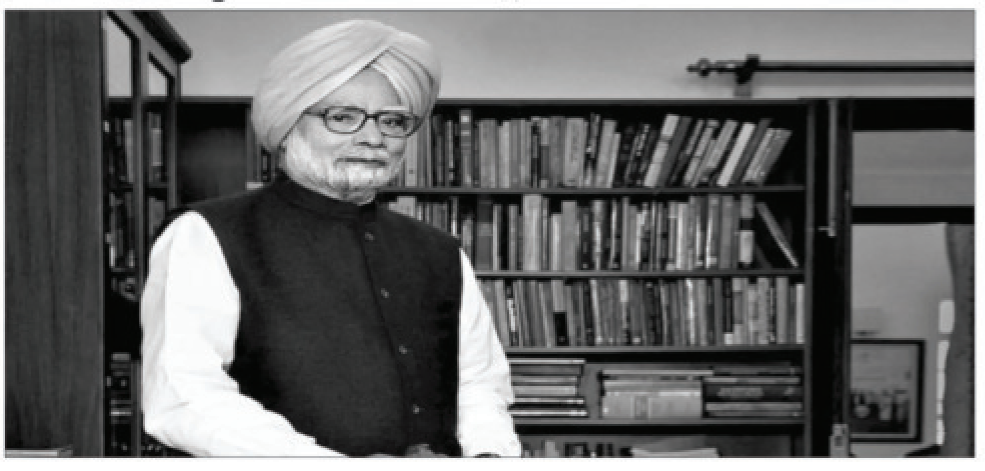

डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ॰ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ॰ सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ॰ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं।

पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है।

2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरूआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया। डॉ. सिंह के राजनीतिक जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आये, जब सार्वजनिक तौर पर उनकी प्रतिष्ठा और उनके पद को कमतर दिखाने की कोशिश की गई। लेकिन फिर भी देश के लिए जीने और मरने की कसम खाने वाले डॉ. सिंह ने देश हित में अपमान के ये घूंट भी चुपचाप पी लिए। डॉ. मनमोहन सिंह को एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर भी कहा गया। 2019 में इसी नाम से फिल्म आई। यह संजय बारू की किताब पर बनी थी। डॉ. सिंह देशहित में नीतियां बनाने एवं राजनीति की नयी दिशाएं तलाशने में माहिर थे, उनका जीवन सफर राजनीतिक आदर्शों की ऊंची मीनार हैं, राजनीति का एक प्रकाश है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, नीडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। बेशक डॉ. सिंह अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल राजनीतिक जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। भारतीय राजनीति में सादगी, कर्मठता, ईमानदारी एवं राजनीतिक कौशल से अपनी जगह बनाने वाले एवं निरन्तर चमत्कार घटित करने वाले डॉ. सिंह अपनी प्रभावी एवं शालीन भूमिका से देश की आर्थिक मजबूती की एक बड़ी उम्मीद बने थे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। मन बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

संपादकीय

मितभाषी का अवसान

पूर्व प्रधानमंत्री ड़ॉ. मनमोहन सिंह के निधन के साथ भारतीय लोकतंत्र के उस व्यक्तित्व का अवसान हो गया जो भारत में आर्थिक और राजनीतिक बदलावों के दौर का प्रतिनिधि था। समाजवादी रुझान वाली मिश्रित अर्थव्यवस्था से प्रतिबंध मुक्त अर्थव्यवस्था का जो अंतरण हुआ उसमें मनमोहन सिंह की बड़ी भूमिका रही। नब्बे के दशक में जब देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पटरी पर से उतर गई थी और देश का सोना गिरवी रखने तक की नौबत आ गई थी, तब प्रधानमंत्री नरसिंह राव के वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने आर्थिक सुधारों को गति दी। भारतीय अर्थव्यवस्था में उदारीकरण की शुरुआत करने वाले मनमोहन सिंह को 2004 से लेकर 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का अवसर मिला। यह वह दौर था जब पुरी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में थी। ड़ॉ. सिंह ने अपनी आर्थिक नीतियों से वैश्विक मंदी से अर्थव्यवस्था को जिस तरह से बचाया उसके लिए देश उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने आधुनिक अर्थव्यवस्था का जो मजबूत आधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उपलब्ध कराया उसी के कारण आज भारतीय अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से दौड़.रही है। अगर मनमोहन सिंह चारित्रिक रूप से विनम्र, सदाश्यतापूर्ण और सज्जन नहीं होते और उस दौर के खांटी राजनीतिज्ञों जैसे उनके गुण होते तो हो सकता था कि कांग्रेस का स्वर्णयुग लौट आता। यह भी सच है कि अगर वे गांधी परिवार के प्रभाव से मुक्त होते और अपने निर्णय लेने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र होते तो शायद देश के आर्थिक और राजनीतिक मोर्चे पर और बड़ा योगदान कर सकते थे, लेकिन वह अपनी व्यक्तिगत और परिस्थितिगत बाध्यताओं के चलते जितना भी कुछ कर सके वह बहुत था। ड़ॉ. सिंह सचमुच नेहरू-गांधी परिवार से संबंधित होते और देश की अर्थनीति में महत्त्वपूर्ण बदलाव में इस तरह की भूमिका निभाई होती तो कांग्रेस में उनका कद पं. नेहरू के समकक्ष होता। इन सबको को अलग कर दिया जाए तो भी उन्हें आर्थिक सुधारों को गति देने वाले और अल्पभाषी तथा मितभाषी प्रधानमंत्री के रूप में याद किया जाएगा। राजनीति में मनमोहन सिंह जैसी सज्जनता गुण नहीं दुर्गुण मानी जाती है, लेकिन यह भी तथ्य है कि उनका यह राजनीतिक दुर्गुण भी उनका श्रेष्ठ गुण था। उनके निधन के साथ सरल, सौम्य, कटुताविहीन राजनेताओं की पीढ़ी का अवसान हो गया।

किसी एक की सल्तनत के अंत का आरंभ

अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव जितेंद्रानंद सरस्वती से ले कर रामभद्राचार्य तक और चक्रपाणि जैसों से ले कर देवकीनंदन ठाकुर जैसों तक को मोहन भागवत की कही बात पर त्रिशूल ताने खड़ा देखने के पीछे की नीयत तो कोई भी समझ सकता है, मगर अविमुक्तेष्वरानंद सरीखे चैतन्य मनीषी को इस प्रसंग में भागवत-विरोधी छतरी के नीचे खड़ा देख कर किसी को हैरत हो रही हो, न हो रही हो, मैं तो अवाक हूं।

मैं दो. साल से कह रहा था कि हिंदू हृदय सम्राट की पदवी के अलंकरण का सिंगारदान अब तलवार की म्यान में तब्दील हो चुका है, प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के उस में एक साथ विराजे रहने के दिन लद गए हैं और 2025 में हमारे प्रधानमंत्री द्वारा लालकिले से देश को संबोधित करते-करते दोनों में से एक के लिए विदा लेने की नौबत आ जाएगी। मगर मेरी इस पेशीनगोई पर मुझे परायों की गाली-गलौज तो सुननी ही पड़ रही थी, अपने भी दूर की कौड़ी कह कर नाक-भौं सिकोड़ रहे थे। मैं मुसलसल कह रहा था कि भागवत-कथा के समापन का फैसला तो नरेंद्र भाई सितंबर-2015 के पहले हफ्ते में ही मन-ही-मन ले चुके थे और उस के बाद से तो वे सिर्फ. दुआ-सलाम बनी रहे का दिखावा कर रहे हैं, लेकिन अपने को दक्षिण, वाम और मध्यमार्गी राजनीति का आचार्य मानने वाले मेरे लिखे-कहे को अयथातथ बता कर खारिज करते रहे। मगर अब आज का दृश्य क्या है? भागवत जी और नरेंद्र भाई के रिश्ते क्या अब आप को सास-बहू मंजिल की कगार तक पहुंच गए नहीं लग रहे हैं? रोज-रोज मंदिर-मस्जिद विवाद उठाने वालों को आड़े हाथों लेने के बाद से जिस तरह हिंदू धर्म के कई सर्वमान्य, अर्धमान्य और स्वयंभू संत-महात्मा भागवत जी पर पिल पड़े हैं, क्या वह आप को सायास नहीं लग रहा है? हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजने की प्रवृत्ति पर संघ-प्रमुख ने प्रहार कोई पहली बार तो किया नहीं है। तो फिर उन की ऐसी सलाह की चदरिया को इसी बार इतना दागदार करने की कोशिशें क्यों हो रही हैं? इसलिए हो रही हैं कि अगले बरस के अंतिम चार महीनों में भारत की राजनीति के करवट लेने के आसार बढ़ते जा रहे हैं। आठ महीने बाद इस महाभारत के अठारहवें दिन के युद्ध की शुरूआत होगी और तब अलग-अलग प्रहरों की उठापटक में यह तय होगा कि संघ आगे भी भाजपा के पितामह की भूमिका में ही बना रहेगा या उसे अपनी संतान का मोहताज बन कर जिंदगी गुजारनी पड़ेगी?

अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव जितेंद्रानंद सरस्वती से ले कर रामभद्राचार्य तक और चक्रपाणि जैसों से ले कर देवकीनंदन ठाकुर जैसों तक को मोहन भागवत की कही बात पर त्रिशूल ताने खड़ा देखने के पीछे की नीयत तो कोई भी समझ सकता है, मगर अविमुक्तेष्वरानंद सरीखे चैतन्य मनीषी को इस प्रसंग में भागवत-विरोधी छतरी के नीचे खड़ा देख कर किसी को हैरत हो रही हो, न हो रही हो, मैं तो अवाक हूं। स्थूल-बुद्धिधारकों को भी यह अच्छी तरह दीख रहा है कि भागवत के ताजा बयान पर बवाल कौन खड़ा करवा रहा है और क्यों खड़ा करवा रहा है। राजप्रासाद के दालान में चल रहे इस मल्लयुद्ध की परछाइयों के दिग्दर्शन के लिए किसी दिव्यदृष्टि की जरूरत नहीं है। बिना आंखों के भी यह देखा जा सकता है कि भागवत पर हो रही ढेलेबाजी के पत्थर किस छत पर रखे हैं। ऐसे में किसी अविमुक्त का महापातकी रुझान मेरी तो समझ में नहीं आ रहा।

मुझे बस इतना समझ में आ रहा है कि संघ-प्रमुख के पास मदमस्त मतंग की चाल-ढाल नियंत्रित करने का जो अंकुश है, वह किसी भी हिंदू धर्म गुरु या उन के समूह के पास नहीं है। इसलिए कि किसी भी हिंदू मठाधीश के पास वह पैदल सेना नहीं है, जो मतदान-प्रबंधन की जमीनी कूवत रखती हो। मुझे नहीं लगता कि भागवत हिंदू धर्म की ठेकेदारी हासिल करने की ख़्वाहिश रखते होंगे, लेकिन हिंदू-मतों के अचला-संयोजन में वे किसी भी रामभद्राचार्य से कहीं ज्यादा प्रभावशाली हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पथ-संचलन शक्ति के सामने अखिल भारतीय संत समिति की कोई संरचित बिसात ही नहीं है। इसलिए हिंदुओं को संगठित करने की ठेकेदारी कोई भागवत को दे-न-दे, यह इजारेदारी तब तक उन्हीं के पास रहेगी, जब तक वे संघ-प्रमुख हैं। यही वजह है कि भागवत को संघ-प्रमुख की आसंदी से धकेलने की कवायद पिछले चार-पांच बरस से अपने उरूज पर है। 2024 के आम चुनाव के समय जब नरेंद्र भाई के इशारे पर भाजपा-अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने संघ की हैसियत यह कह कर कमतर दिखाने का अपकर्म किया कि अब भाजपा स्वयं-सक्षम है और उसे किसी भी चुनाव में संघ के सहारे की जरूरत नहीं है तो हम ने देखा कि किस तरह भागवत ने ऐसा उलट-पुराण पढ़ा कि नरेंद्र भाई धम्म से स्पष्ट बहुमत के नीचे गिर पड़े। रामलला का भव्य-दिव्य मंदिर जब बिना संघ-सहयोग के अयोध्या तक में भाजपा को जीत नहीं दिला पाया तो नरेंद्र भाई का अघोषित दूत बन कर जगत प्रकाश दौड़े-दौड़े नागपुर के संघ मुख्यालय पहुंचे और अपने कहे-कहाए की माफी मांगी। भागवत तब क्षमावंत नहीं होते तो क्या तकनीकी कलाकारी के बावजूद हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे ऐसे आ पाते? संत समाज के बयानवीर भावनात्मक लहरों का कैसा ही उफान उठा दें, लेकिन अगर उन तरंगों को भाजपा के लिए वोट में बदलने का जिम्मा संभालने से संघ के स्वयंसेवक इनकार कर दें तो क्या होता है यह नरेंद्र भाई देख चुके हैं। भागवत जी और नरेंद्र भाई के बीच यह तनातनी अभी इसलिए और बढ़ेगी कि फरवरी में भाजपा को नया अध्यक्ष मिलने वाला है। इस की चौपड़ बिछाते वक्त नरेंद्र भाई यह जानते हैं कि वे संघ की सहमति के बिना अपने किसी अनुगामी को अध्यक्ष बनवा नहीं पाएंगे और भागवत तुले हुए हैं कि वे किसी के निजी अनुचर को तो भाजपा-अध्यक्ष बनने नहीं देंगे। वे मानते हैं कि जो बने, उस की निष्ठा किसी व्यक्ति के प्रति नहीं, संगठन के प्रति होनी चाहिए। भागवत भाजपा को दस बरस के व्यक्तिपरक माहौल से बाहर खींच कर उसे संगठनपरक वातावरण के हवाले करना चाहते हैं। नरेंद्र भाई भाजपा पर संघ के साए को सीमित करने के साथ-साथ, अगर हो सके तो, संघ पर कब्जे की तैयारी में, आज से नहीं, कम-से-कम पांच साल से तो गुपचुप सक्रियता से लगे ही हुए हैं। सो, भागवत और नरेंद्र भाई के बीच शह-मात का यह खेल आगे और तुर्श होता जाएगा।

भागवत के ताजा बयान के बाद पिछले छह दिनों से मीडिया का सरकार-पोषित हिस्सा अपने परदों-पन्नों पर यह बहस बेवजह नहीं परोस रहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को औपचारिक तौर पर वक्तव्य जारी कर यह साफ करना चाहिए कि राम जन्मभूमि के बाद अब मथुरा और काशी को ले कर उस का रुख क्या है। मीडिया-बांकुरे अपनी दनदनाती दैहिक भंगिमाओं के साथ इस विमर्श को व्यापक बनाने में लग गए हैं कि संघ बताए कि वह नए मंदिर-मस्जिद विवाद खड़े नहीं करने की भागवत की व्यक्तिगत राय से, बतौर संगठन, सहमत है या असहमत? एक कदम आगे बढ़ कर इस सुगबुगाहट की बुवाई भी की जा रही है कि सभ्यतागत विपथन के प्रसंगों को दुरुस्त करने के लिए केंद्र में अलग से एक मंत्रालय का गठन होना चाहिए। संघ-काडर को पसोपेश में डाल कर दो-फाड़ करने की इस मुहीम के पीछे से आप को किस का चेहरा झांकता नजर आ रहा है? इस कारस्तानी के पीछे की नीयत आप को क्या लगती है? इसीलिए मैं फिर दोहराता हूं कि 2025 का अंत आते-आते भागवत और नरेंद्र भाई में से किसी एक की सल्तनत का अंत होना तय है।

- पंकज शर्मा

चिंतन-मनन

बद्ध होने का परिणाम

प्रकृति द्वारा बद्ध किए गए जीव कई प्रकार के होते है। कोई सुखी है और कोई अत्यंत कर्मठ है, तो दूसरा असहाय है। इस प्रकार के मनोभाव ही प्रकृति में जीव की बद्धावस्था के कारणस्वरूप हैं। भगवद्गीता के इस अध्याय में इसका वर्णन हुआ है कि वे किस प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार से बद्ध है। सर्वप्रथम सतोगुण पर विचार किया गया है। इस जगत में सतोगुण विकसित करने का लाभ यह होता है कि मनुष्य अन्य बद्धजीवों की तुलना में अधिक चतुर हो जाता है। सतोगुणी पुरुष को भौतिक कष्ट उतना पीड़ित नहीं करते और उसमें भौतिक ज्ञान की प्रगति करने की सूझ होती है। इसका प्रतिनिधि ब्राह्मण है, जो सतोगुणी माना जाता है। सुख का यह भाव इस विचार के कारण है कि सतोगुण में पापकर्मों से प्रायः मुक्त रहा जाता है। वास्तव में वैदिक साहित्य में यह कहा गया है कि सतोगुण का अर्थ ही है अधिक ज्ञान तथा सुख का अधिकाधिक अनुभव। सारी कठिनाई यह है कि जब मनुष्य सतोगुण में स्थित होता है, तो उसे ऐसा अनुभव होता है कि वह ज्ञान में आगे है और अन्यों की अपेक्षा श्रेष्ठ है। इस प्रकार वह बद्ध हो जाता है। इसके उदाहरण वैज्ञानिक तथा दार्शनिक हैं।

इनमें से प्रत्येक को अपने ज्ञान का गर्व रहता है और चूंकि वे अपने रहन-सहन को सुधार लेते है, अतएव उन्हें भौतिक सुख की अनुभूति होती है। बद्ध जीवन में अधिक सुख का यह भाव उन्हें भौतिक प्रकृति के गुणों से बांध देता है। अतएव वे सतोगुण में रहकर कर्म करने के प्रति आकृष्ट होते हैं। और जब तक इस प्रकार कर्म करते रहने का आकर्षण बना रहता है, तब तक उन्हें किसी न किसी प्रकार का शरीर धारण करना होता है। इस प्रकार उनकी मुक्ति की कोई सम्भावना नहीं रह जाती। वे बारम्बार दार्शनिक, वैज्ञानिक या कवि बनते रहते हैं और बारम्बार जन्म-मृत्यु के उन्हीं दोषों में बंधते रहते हैं। लेकिन माया-मोह के कारण वे सोचते हैं कि इस प्रकार का जीवन आनंदप्रद है।

मोदी सरकारः मुसलमानों को मिल रहा लाभ

कौसर जहां

उत्तर प्रदेश के कुंदरकी विधानसभा में 65 फीसद मुसलमान हैं, जहां भाजपा का विधायक बना। महाराष्ट्र में 38 मुस्लिम प्रभाव वाली सीटों पर बीजेपी की अगुवाई वाली महायुति को सफलता मिली। ये आंकड़े इसलिए जानना जरूरी हैं क्योंकि ये भारतीय राजनीति में तुष्टिकरण के बीते दौर की कहानी बयान करते हैं।

दिल्ली चुनाव जब दरवाजे पर दस्तक दे रहा है तो ये आंकड़े और भी महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं। लोग मुझसे सवाल करते हैं कि मुसलमान क्या सचमुच बीजेपी को वोट कर सकता है? मैं पलट कर सवाल करती हूं क्या मुसलमान आम मनुष्य नहीं है? क्या मुसलमान को अच्छी बुनियादी सुविधाएं नहीं चाहिए? क्या मुस्लिम महिलाएं अच्छे और गरिमापूर्ण जीवन की हकदार नहीं हैं? हर कोई मानता है कि हां, मुसलमान की भी जरूरतें औरों की तरह हैं। फिर मैं उनसे कहती हूं कि वह वक्त गया जब डर दिखा कर मुसलमानों का वोट लिया जाता था। कुंदरकी और महाराष्ट्र के नतीजों को शक की निगाह से मत देखिए, बल्कि इस हकीकत को पहचानिए कि मोदी जी की योजनाएं बेहद असरदार रही हैं और उनकी वजह से पूरे देश में अलग तरह का भरोसा पैदा हुआ है। आज मुसलमान अपने बच्चों को अच्छी तालीम दिलाना चाहता है। उसे अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं की दरकार है। मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की चिंता है। साथ ही, वे यह भी चाहती हैं कि उन्हें कोई तीन बार तलाक बोल कर घर छोड़ने को मजबूर नहीं कर सके। इन सभी पैमानों पर जब राजनीतिक दलों और सरकारों का आकलन होता है तो साफ हो जाता है कि जितना काम मोदी सरकार और बीजेपी सरकारों ने किया है अतीत में या वर्तमान में किसी अन्य दल की सरकार ने नहीं किया। मोदी सरकार ने तीन तलाक खत्म किया और मुस्लिम महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन का हक दिया। ये महिलाएं बीजेपी की साइलेंट वोटर हैं। 'लखपति दीदी योजना' से तीन करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने की कवायद शुरू की गई इसका फायदा हिन्दू-मुस्लिम हर जाति, पंथ की महिलाओं को मिल रहा है। उज्ज्वला का सिलेंडर धर्म देख कर नहीं दिया गया। हर घर शौचालय या पीएम आवास के तहत सभी लोगों को पक्का घर का लाभ भी शत-प्रतिशत संतुष्टिकरण का मॉडल अपना कर हर वर्ग तक पहुंचाया गया। जिन प्रदेशों में भाजपा की सरकारें हैं, वहां बहनों को सीधे खाते में पैसे अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से मिले। मुफ्त राशन का लाभ भी हर वर्ग, जाति, मजहब के लोगों को मिला, लेकिन दिल्ली के लोगों को साथ क्या हुआ और क्या हो रहा है? यहां की जनता को छलावा मिला। मुसलमानों का हक छीना गया है। दिल्ली वालों को इस बात का मलाल हो रहा है कि यहां बीजेपी की सरकार इतने सालों से क्यों नहीं है। लोग समझ गए हैं कि और चाहते हैं कि यहां भी बदलाव होना चाहिए। केजरीवाल समझते हैं कि केंद्र की योजनाओं का लाभ दिल्ली के मुसलमानों को मिल गया तो उनकी राजनीति संकट में पड़ जाएगी जबकि अब मुसलमान समझदार हैं, उन्हें अच्छाई और बुराई का फर्क मालूम है। मुझे पक्का यकीन है कि यहां अबकी बार मुसलमान सहित सभी वर्गों के लोग आम आदमी पार्टी को वोट नहीं करने वाले। इसकी कुछ वजह बहुत स्पष्ट हैं। दिल्ली में स्वास्थ्य सुविधाएं बुरी तरह चरमरा गई हैं। क्या हिन्दू, क्या मुसलमान, सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं की खस्ताहाली से बेहाल हैं, लेकिन केजरीवाल सरकार का अहंकार इतना रहा कि जो आयुष्मान कार्ड योजना पूरे देश में लागू है, उसे दिल्ली में लागू नहीं होने दिया गया। शिक्षा का बहुत शोर प्रचार-प्रसार के लिहाज से अपनाया गया लेकिन इस मोर्चे पर भी क्या हुआ?

केजरीवाल के कुशासन का सबसे बड़ा भुक्तभोगी दिल्ली का गरीब, वंचित, हिन्दू-मुसलमान, मिडिल क्लास, कमेरा वर्ग सभी हैं। हां! घोटालों में आम आदमी पार्टी वालों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। काम कुछ नहीं किया। शराब घोटाला, डीटीसी बस घोटाला, जल बोर्ड घोटाला, वक्फ के नाम पर घोटाला हुआ। हवाला में इनके नेता पकड़े गए। केंद्र की भाजपा सरकार हो या कई राज्यों में भाजपा की सरकारें, सबने मोदी जी के मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' को अक्षरशः अपनाया है। इस भावना के मुताबिक ही जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारा है। इस वजह से मुसलमान इन योजनाओं में सबसे बड़ा लाभार्थी बन कर उभरा है। योजनाओं में सबको साथ लेकर चलने वाली बीजेपी ही दिल्ली को तेज रफ्तार वाला विकास देगी। यह भरोसा अब सबको होने लगा है।

(लेखिका दिल्ली स्टेट हज कमिटी की चेयरपर्सन हैं)

योगी बोले: 9000 सफाई कर्मचारी देते हैं, लगते 4000 ही

भाजपा विधायक और पार्षद के सामने सीएम ने कहा: कंबल तक पूरे नहीं बांटते हैं

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ नगर निगम क्षेत्र में सफाई के लिए 9000 सफाई कर्मचारी प्रतिदिन दिए जाते हैं, लेकिन सफाई में केवल 4000 कर्मचारी ही लगते हैं। बाकी पांच हजार सफाई कर्मचारियों का पैसा ये पार्षद बांट लेते हैं। इतना ही नहीं सर्दी में बांटने के लिए जो कंबल दिए जा रहे हैं, वह भी पूरे नहीं बांटे जा रहे हैं। लखनऊ के व्यापारियों की मौजूदगी में सीएम योगी ने लखनऊ उत्तर के भाजपा विधायक नीरज बोरा और नगर निगम के पार्षद अनुराग मिश्रा के सामने यह बात कही। 25 दिसंबर को लखनऊ के व्यापारियों ने मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी से मुलाकात की। मुलाकात में व्यापारियों ने शहर की सफाई, स्ट्रीट लाइट सहित नगर निगम से जुड़ी समस्याएं रखी। सीएम योगी ने लखनऊ नगर निगम में हो रही गड़बड़ी की गहन जानकारी खुद बताना शुरू किया तो विधायक नीरज बोरा और पार्षद अनुराग मिश्रा सन्न रह गए। भाजपा विधायक नीरज बोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को नगर निगम की एक-एक जानकारी है। वह पार्षदों की कार्यशैली और नगर निगम के भ्रष्टाचार को लेकर नाराज थे, सीएम चाहते हैं कि लखनऊ भी स्वच्छता में पहला स्थान प्राप्त करे, उसमें पार्षदों का सहयोग नहीं मिल रहा है, इसलिए सीएम ने नाराजगी जाहिर की। सीएम ने कहा कि पार्षद खुद सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार में डूबे है। स्थिति यह है कि शहर में 9 हजार सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं, लेकिन मौके पर मुश्किल से 4 हजार कर्मचारी काम कर रहे है। शेष पांच हजार का पैसा बांट लिया जाता है। पार्षद अनुराग मिश्रा ने सफाई देते हुए कहा कि वह तो ऐसा नहीं करते, सीएम ने कहा कि उन्हें पता है पूरे प्रदेश में नगर निगम का यही हाल है। सीएम ने कहा कि आखिर शहर कैसे साफ होंगे, जनता आखिर इन्हें चुनाव क्यों जीताती है। सीएम ने कहा कि सर्दी में बांटने के लिए कंबल भेजे जाते हैं, लेकिन वह भी पूरे नहीं बांटे जाते। लखनऊ व्यापार मंडल के एक पदाधिकारी ने बताया कि निगमों में होने वाली सभी तरह की गड़बड़ियों की जानकारी सीएम को दी। उन्होंने कहा कि जनता ऐसे भ्रष्ट पार्षदों को जीता क्यों रही है। सीएम ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और सहूलियत के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। कानून व्यवस्था में सुधार के साथ यातायात व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जा रहा है। सीएम ने व्यापारियों से कहा कि आप लोग भी टैक्स समय से जमा कराएं, दूसरे व्यापारियों को भी जीएसटी समय से जमा कराने के लिए प्रोत्साहित करें। व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने सीएम को बताया कि जीएसटी के अधिकारी परेशान करते है। व्यापारियों को पोर्टल पर सिर्फ ई-वे - बिल कैन्सिल की सूची देखकर नोटिस जारी किया जा रहा है, जबकि ऑनलाइन सिस्टम होने पर जीएसटी पोर्टल पर देखा जा सकता है कि बिल एवं ई-वेबिल के सापेक्ष में कौन सा बिल कितनी देर में बनाया गया है। फिर भी अधिकारी नोटिस जारी कर रहे हैं। अधिकारी फैक्ट्री मालिकों के गेट एवं फैक्ट्री पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे के एक्सेस की मांग कर रहे हैं इससे व्यापारियों में रोष है। व्यापारियों ने बताया कि 2017 में जीएसटी लागू हुई थी, राज्य में अभी राज्यकर के ट्रिब्यूनल का गठन भी नहीं हो पाया है जिससे छोटे-छोटे व्यापारियों को हाईकोर्ट में केस दायर करना पड़ रहा है। व्यापारियों की समस्या समाधान के लिए ट्रिब्यूनल गठित किया जाना चाहिए ताकि छोटे-छोटे मामलों का ट्रिब्यूनल में निस्तारण हो सके। व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश में बाकी राज्यों की तरह मंडी गेट पास समाप्त करने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में से चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र,अनिल वमार्नी , कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, महामंत्री विनोद अग्रवाल, अनुराग मिश्र, अभिषेक खरे, उमेश शर्मा, जितेंद्र सिंह चौहान, युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता मौजूद थे।

कांग्रेसजनों ने जताया पूर्व प्रधानमंत्री मन मोहन सिंह के निधन पर शोक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, अर्थ शास्त्री मन मोहन सिंह के निधन पर कांग्रेसजनों ने शोक प्रकट किया है। कसया नगर में पार्टी कार्यालय पर शोक सभा आयोजित कर पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वक्ताओं ने कहा कि वह कुशल राजनेता और कुशल शासक थे। उनके कार्यो को देश हमेशा याद रखेगा। अध्यक्षता ब्लाक अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान पंचानंद मिश्रा, जिलाउपाध्यक्ष राधा कृष्ण शर्मा, ओमप्रकाश तिवारी, कांग्रेस के ओबीसी पिछड़ा बर्ग विभाग के महासचिव रविन्द्र विश्वकर्मा उर्फ राधे विश्वकर्मा, रमजान अली एडवोकेट, जाकिर हुसैन, अंशु मणि, वारिस अली, सैफ पठान, अनुज मिश्रा आदि मौजूद रहे। कांग्रेस पार्टी के निवर्तमान जिला महामन्त्री जितेंद्र पटेल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह का निधन से पूरा देश शोक में डूब गया है। वह देश में आर्थिक सुधारों, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा कानून, डीबीटी के लिए जाने जाते हैं। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के सिसवा - महन्थ स्थित श्री राधा कृष्ण इंटर कालेज में प्रधानाचार्य रामप्रवेश यादव, श्रीदुर्गा जी इंटर कालेज में प्रबन्धक महेश पासवान, भगवान बुद्ध समाज कल्याण प्रावि व पुमावि अनिरुद्धवा में प्रबन्धक प्रभुनाथ सिंह, बुध्द इंटरमीडिएट कालेज कुशीनगर में प्रधानाचार्य उमेश कुमार उपाध्याय व अन्य विद्यालयों में प्रधानाचार्यों व प्रधानाध्यापक गण के नेतृत्व में शोक सभा आयोजित कर दो मिनट का मौन रख पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नथुनी सिंह बालिका जूनियर हाईस्कूल में स्काउट गाइड का हुआ समापन

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के नथुनी सिंह बालिका जूनियर हाईस्कूल में चल रहे तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर के समापन समारोह के अवसर पर शिविरार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सबका मन मोह लिया। अंत में सभी शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र और मेडल दिया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आरटीओ अजय त्रिपाठी ने शिवरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड का शिविर जीवन में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा भावना विकसित करने की प्रेरणा देता है। जिससे शिविराथियों में सकारात्मक सोच के साथ सुंदर विचार का आरम्भ हो जाता है। इस शिविर में बताए गए बातों को आत्मसात कर आप अपने जीवन को सुंदर और अनुशासित बना सकते हैं। विशिष्ट अतिथि तहसीलदार तमकुहीराज चंदन शर्मा ने कहा कि यहां अनुशासन में रहकर शिक्षा लेने वाले छात्र निश्चित सफलता पाते है। उन्होंने कहा कि आप अपने लक्ष्य को तय कर आगे बढ़े तो सफलता आपके कदम चूमेगी। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला ने कहा कि स्काउट गाइड जीवन जीने की कला सिखाता है। कार्यक्रम को सेंट जोसेफ स्कूल के संस्थापक सीओ जोश, पूर्व प्रधान विनय तिवारी,मनीष तिवारी ,मजीबुल्लाह राही आदि ने सम्बोधित किया। इसके बाद अतिथियों ने टोलियों का निरीक्षण किया।शिविर में प्रशिक्षक एमडीआई खान और जेपी रावत ने छात्रों को विभिन्न प्रकार की कौशल और तरकीबें सिखाईं, जिनमें प्राथमिक उपचार, अनुशासन, और नेतृत्व क्षमता का विकास शामिल था। शिविर में प्रथम ,द्वितीय और तृतीय स्थान लाने वाले टोलियों का मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कवि व पत्रकार मनंजय तिवारी निर्मल ने किया। अंत में कालेज के प्रबधंक विकास सिंह भोलू व प्रधानाचार्य कांतिपति नंदलाल सिंह ने आये हुए आगंतुकों के प्रति अभार प्रगट किया। इस दौरान अम्बरीश दीक्षित, प्रमोद सिंह, नागमणि, तृप्ति, रियाजुद्दीन, स्वत्रंत सिंह, रविन्द्र सिंह, रजनीश उपाध्याय, नर्वदेश्वर मिश्रा उपस्थित रहे।

लखनऊ में श्रीराम कथा का आयोजन

लखनऊ । मोती महल लॉन में श्रीराम कथा के दूसरे दिन रामकथा मर्मज्ञ स्वामी राघवाचार्य महाराज ने कहा- भगवान के भीतर पाप नष्ट करने की जितनी क्षमता है, उतनी मनुष्य के भीतर पाप करने की नहीं। स्वामी ने भक्ति को नम्रता का पर्याय बताया।

उन्होंने कहा- जो व्यक्ति जितना विनम्र है, वह उतना बड़ा भक्त है। उन्होंने मानव जीवन में विनम्रता के महत्व को बताया। श्रीराम कथा आयोजन समिति के संयोजक डॉ. सप्तर्षि मिश्र और अधिवक्ता संजीव पाण्डेय ने लखनऊवासियों से कथा में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- श्रीराम कथा पंडाल उत्तम चरित्र गढ़ने का केंद्र बन गया है। यहां पूज्य संतों के आशीर्वचन से भक्तजन प्रेरणा और आनंद प्राप्त कर रहे हैं।

आज की कथा के मुख्य यजमान डॉ. सुशील कुमार त्रिवेदी और अरुण मिश्र थे।

लखनऊ में अवैध प्लॉटिंग पर भड़कीं कमिश्नर

लखनऊ। सरकारी जमीनों पर कब्जे की शिकायतों पर शनिवार को कमिश्नर अचानक सदर तहसील पहुंची। कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब ने ग्राम सभा लोनापुर और लौलाई का निरीक्षण किया। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा देखकर भड़क गईं। मौके पर ही लेखपाल दिलीप बाथम को फटकार लगाई। लंबे समय से लखनऊ में तैनात लेखपाल दिलीप बाथम के खिलाफ मंडल आयुक्त को एक्शन लेने के निर्देश दिए। ग्राम सभा लोनापुर में सरकारी गाटा संख्या 372, 373 और 377 पर प्रॉपर्टी डीलर अभिषेक मिश्रा ने अवैध प्लॉटिंग की थी। जांच में पता चला कि जमीन को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन राजस्व लेखपाल दिलीप बाथम ने लापरवाही और शिथिलता बरती। इसपर कमीश्नर डॉ. रोशन जैकब ने लेखपाल दिलीप बाथम के खिलाफ आरोप पत्र जारी किया। कमिश्नर ने कहा कि अगर लेखपाल ने कार्यशैली में सुधार नहीं लाया, तो उन्हें सस्पेंड कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अन्य भू-माफिया की अवैध गतिविधियों पर भी मंडलायुक्त ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। बिल्डर अभिषेक मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने की भी बात कही। वहीं माधव ग्रीन सिटी कॉलोनी के प्रोपराइटर मथुरेश श्रीवास्तव पर भी एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिए। मुकेश श्रीवास्तव ने ग्राम सभा लौलाई की सरकारी भूमि गाटा संख्या 75/5, 62/7 और 69स पर अवैध प्लॉटिंग की थी। रिजवान और राजेंद्र यादव के खिलाफ सरकारी गाटा संख्या 62 और 62/7 पर कब्जा करने के मामले में एफआईआर दर्ज कराने और भूमि को मुक्त कराने के निर्देश। मंडलायुक्त ने कहा कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे हटाने को लेकर जिलेभर में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। भूमि पर किए गए अतिक्रमणों की पहचान के लिए जीएस मैपिंग और पैमाइश की जा रही है। मंडलायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि सरकारी भूमि पर कब्जा हटाने के बाद अगर दोबारा कब्जा होता है, तो संबंधित के खिलाफ नामजद ऋक्षफ दर्ज की जाएगी। भू-माफियाओं को संरक्षण देने वालों पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। मंडलायुक्त ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त करने के बाद उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। भूमि पर स्वामित्व बोर्ड लगवाकर उसे संरक्षित किया जाए। मंडलायुक्त ने नियमित समीक्षा करने और कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए।

क्रिकेट में इलाहाबाद को हरा दिल्ली पहुंची सेमीफाइनल

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के पावानगर महावीर इण्टर कालेज के राज मालती स्टेडियम में आयोजित 19वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के पूल बी के दूसरे मैच में दिल्ली चैलेंजर्स दिल्ली की टीम ने इलाहाबाद एकादश प्रयागराज को एकतरफा मुकाबले में पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई। दिल्ली के आईपीएल खिलाड़ी अनुरीत सिंह को आल राउंड प्रदर्शन के लिए मैन आफ द मैच चुना गया। शनिवार को दस बजे से शुरू हुए इस प्रतियोगिता में दिल्ली के कप्तान अंकित त्रिपाठी ने टांस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी प्रयागराज की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। निर्धारित 30 ओवरों के खेल सत्रहवें ओवर में सभी विकेट गंवाकर मात्र 79 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसने शशांक मेहरोत्रा ने 27गेंदों पर दो छक्के, तीन चौकों के मदद 33 रन, और अखिल कुमार कश्यप ने 18 रनों का योगदान दिया। प्रयागराज के सात खिलाड़ी 65 रन के स्कार पर पेवेलियन लोट गए थे जबकि चार खिलाड़ी बिना खाता खोले ही आउट हो गए। दिल्ली के तरफ से गेंदबाजी करते हुए अनुरीत सिंह, शिवम शर्मा, मुहम्मद आसिफ मंसूरी, विजन पांचाल ने दो - दो विकेट तथा पंकज जायसवाल ने एक विकेट लिया वहीं ओपनर बल्लेबाज एक रन के स्कोर पर रनआउट हो गए। लक्षय का पीछा करने उतरी

दिल्ली की टीम ने आठवें ओवर के पहले गेंद पर पांच विकेट गंवाकर मैच को जीत लिया। दिल्ली के तरफ से गेंदबाजी करते हुए अनुरीत सिंह 23 गेंदों का सामना करते हुए तीन छक्के, तीन चौकों के मदद से 32 रन, विजन पांचाल ने पांच गेंदों पर दो छक्के एक चौका के मदद से 16 रन तथा अजय शुक्ला ने 10 रनों का योगदान देकर टीम को जीत दिला दिया। प्रयागराज के तरफ से गेंदबाजी करते हुए विशाल यादव, शशांक मेहरोत्रा, अन्नू राजा तथा सुमित पाण्डेय को एक- एक सफलता मिली। दिल्ली के खिलाड़ी अनुरीत सिंह के 32 रनों की पारी खेलते हुए दो विकेट लेने पर मैन आफ द मैच का पांच हजार का नगद पुरस्कार आयोजन समिति के संरक्षक और उ.प्र.फुटबाल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय त्रिपाठी ने प्रदान किया। मैच की अम्पायरिंग यूपीसीए पैनल के अंपायर पवन यादव व संतोष कुमार सिंह ने किया।

जबकि थर्ड अंपायर अशोक शर्मा रहे। स्कोरिंग यूपीसीए पैनल के स्कोरर भूषण मिश्रा ने किया।मैच के रेफरी सतीश पाण्डेय रहे।मैच का कमेंट्री मुहम्मद आलम तथा गुड्डू पाण्डेय के साथ अंतरराष्ट्रीय भोजपुरी कमेंटेटर सुमित मिश्रा गुलाब हुसैन रिजवी जीओ सिनेमा ने किया। मैच का लाइव प्रसारण सचिन यादव और उनके टीम द्वारा किया जा रहा है। मैच का शुभारंभ खिलाड़ियों से परिचय प्राय कर टीएन राय ने किया।

इस दौरान शासकीय अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, सेंट जोसेफ स्कूल के संस्थापक सीओ जोश, सामाजिक कार्यकर्ता केदार सिंह,डा.केपी सिंह, राजन शुक्ला, विनीत कुमार बंटी, प्रदीप सिंह,मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह, आजाद अंसारी, वैभव पांडेय, अनुराग पांडेय,उदयभान सिंह, मंजूर आलम, गुड्डू चौहान, सुनील सिंह, मनोज चौबे, गणेश त्रिपाठी, गोविन्द यादव, कविंद्र सिंह, खुर्शीद आलम, चन्दन दुबे, सत्यम त्रिपाठी, शिवम त्रिपाठी, भास्कर राय, पंकज ओझा, पिंटू सिंह, गुड्डू सिंह, पिंटू राय आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात आज, तैयारी पूरी

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री मोदी रविवार 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे 'मन की बात' कार्यक्रम में विभिन्न विषयों और मुद्दों पर अपने विचार साझा करेंगे। 'मन की बात' कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन के सभी नेटवर्क, ऑल इंडिया रेडियो, समाचार वेबसाइट और न्यूज ऑन एआईआर मोबाइल एप पर प्रसारित होगा इसके साथ ही मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आकाशवाणी, दूरदर्शन, प्रधानमंत्री कार्यालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर प्रसारित किया जाएगा। यह जानकारी जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के हवाले से जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने दी। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नेता, प्रदेश/क्षेत्र तथा जिला पदाधिकारी अपने आवंटित बूथों पर स्थानीय पदाधिकारी के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात सुनेंगे तथा नवनिर्वाचित बूथ समिति के सदस्यों को सम्मानित करेंगे। इसी तरह मोर्चा, विभाग, प्रकोष्ठ,मण्डल शक्ति केंद्र व बूथ पदाधिकारी अपने अपने बूथों पर आम जनता के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे। मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनपद के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा,जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

जल भराव को लेकर किया प्रदर्शन

बलरामपुर । हिड़ुलीकलां गांव में जल जीवन मिशन के तहत सप्लाई की जा रही पानी की पाइपलाइन के लीकेज से जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी से उचित प्रबंध और सप्लाई में हुई अनियमितताओं की जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि छह महीने पहले शुरू हुई इस सप्लाई में घटिया पाइप का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते यह दिक्कत उत्पन्न हुई। हिड़ुलीकलां के रेहार पुरवा में पानी टंकी से सप्लाई के दौरान पाइप लीकेज हुआ। इसके चलते गांव के मुख्य मार्ग पर पानी भर गया। ग्रामीण छेदीराम और लक्ष्मण के घरों में दीवारें गिरने और दरारें आने की शिकायतें हैं। घरों में 1-2 फीट तक पानी भरने से सामान खराब हो गया। मुख्य मार्ग पर पानी भरने से आवागमन बाधित हो गया है। स्थानीय ग्रामीण सोनपाल, राजेश, अलखराम और अन्य ने कार्यकारी संस्था पर मानक विहीन पाइपलाइन बिछाने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 40 घरों में पानी घुस गया, जिससे किचन, बेडरूम तक पानी भर गया। तेज फोर्स से पानी बाहर आने से अनाज, कपड़े और अन्य सामान खराब हो गए। मामले पर अधिशासी अभियंता संदीप सिंह ने कहा कि पाइप लीकेज की वजह से पानी घरों में गया। ग्रामीणों की शिकायत पर जांच की जा रही है। मानक विहीन काम पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी दिक्कतें न हों। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से इस मामले में हस्तक्षेप कर जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, उन्होंने खराब पाइपलाइन को जल्द बदलने और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की अपील की है।

बाघ ने 100 मीटर दौड़ाकर गाय की गर्दन मरोड़ी

लखनऊ । रहमानखेड़ा क्षेत्र के बुधड़ियां गांव में बाघ ने गाय का शिकार किया। शनिवार सुबह बाघ ने गाय और उसके बछड़े को दौड़ा लिया। करीब 100 मीटर दौड़ाकर टाइगर ने गाय की गर्दन मरोड़ दी। गाय का बछड़ा भी गायब है। सूचना के बाद वन विभाग की टीम पहुंची। वन विभाग के अधिकरियों ने बताया कि शिकार वाले एरिया में कॉम्बिंग बढ़ा दी गई है। वहां एक पिंजरा भी लगाया जाएगा। इसके अलावा जल्द ही हाथियों को भी इस इलाके में लाया जाएगा। बुधड़िया गांव के महेश रावत ने बताया कि बाघ शनिवार सुबह अचानक आम के बाग में आया। यहां चर रही गाय और बछड़े को दौड़ा लिया। करीब 100 मीटर तक गाय का पीछा करने के बाद बाघ ने उसे गले से पकड़कर गिरा दिया। मारने के बाद पीछे का हिस्सा खा गया। महेश रावत ने बताया- मैं बाग में खाद डालने गया था। बाघ देखकर घबरा गया और गांव की ओर भागा। लोगों को सूचना दी। इसके बाद वन विभाग की टीम को मौके पर बुलाया गया। गांव के लोगों के साथ वापस बाग जाकर देखा तो बाघ जा चुका था। मृत गाय पड़ी थी, लेकिन बछड़ा गायब था। डीएफओ डॉ. सितांशु पांडेय ने बताया कि गाय के शिकार वाली जगह पग चिह्न मिले हैं। कॉम्बिंग बढ़ाई गई है। मीठे नगर जाने वाले खड़ंजे पर पुलिया के नीचे जहां बाघ ने जंगली सुअर का शिकार किया था। वहां पर भी एक पिंजरा लगाया जाएगा। 1 जनवरी को हाथियों को भी बुलाया जाएगा। इधर, शाहपुर गांव में शुक्रवार को भी बाघ दिख था। वन विभाग टीम ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। वन विभाग को शनिवार सुबह गांव के आस-पास बाघ के नए पग चिह्न नहीं मिले हैं। शाहपुर के रहने वाले गोविंद ने बताया कि गुरुवार रात खेत में पानी लगा रहे था। तभी सामने से एक बड़ा जानवर निकला। मैं घबराकर पास ही झाड़ियों में छिप गया। सुबह देखा तो बाघ के पग चिह्न थे। पास में ही किसान सकटु के खेत में भी बाघ के पग चिह्न मिले हैं। वन विभाग की टीम दिन में जांच करने पहुंची थी।

2024 में विदेशी निवेशकों ने कम किया निवेश, अगले साल सुधार की उम्मीद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजारों में 2023 में मजबूत निवेश के बाद विदेशी निवेशकों ने 2024 में निवेश कम कर दिया। इस साल शुद्ध प्रवाह पांच हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। उच्च घरेलू मूल्यांकन और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का ज्यादा सतर्क रुख अपनाना इसकी मुख्य वजह रही। एक शोध प्रमुख ने कहा कि 2025 में भारतीय शेयर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के प्रवाह में सुधार आ सकता है। इसे कॉर्पोरेट आय में चक्रीय उछाल से समर्थन मिलेगा खासकर पूंजीगत वस्तुओं, विनिर्माण व बुनियादी ढांचे जैसे घरेलू-उन्मुख क्षेत्रों में।

डिपॉजिटरीज के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक अब तक विदेशी एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 5,052 करोड़ रुपए से ज्यादा और ऋण बाजार में 1.12 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। इससे पहले 2023 में शेयर बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया गया था, जो भारत के जुझारू आर्थिक बुनियादी ढांचे के बारे में आशा की किरण रहा। इसके विपरीत 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों की आक्रामक दर वृद्धि के कारण 1.21 लाख करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा शुद्ध बिकवाली दर्ज की गई थी।

वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद भारत में इस साल जनवरी से अब तक औसतन मासिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 4.5 अरब डॉलर से ज्यादा है। देश की एनडीए सरकार के देश में निवेशक अनुकूल उपायों को बढ़ावा देने से 2025 में यह रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है। निवेशक-अनुकूल नीतियां, निवेश पर मजबूत रिटर्न, कुशल कार्यबल, कम अनुपालन बोझ, छोटे उद्योग-संबंधी अपराधों को दूर करना, सुव्यवस्थित अनुमोदन और मंजूरी के लिए राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं विदेशी निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए प्रमुख उपायों में से हैं।

लावा ने भारत में नया स्मार्टफोन लॉन्च किया

- कीमत 10000 रुपये से कम

नई दिल्ली।

लावा ने भारत में युवा सीरीज का नया स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। लावा युवा 2 5जी में 50एमपी डुअल रियर कैमरा सेटअप है। इसमें यू निसोक टी 760 चिपसेट, 5000 एमएएच बैटरी और 6.67 इंच एचडी स्क्रीन है। लावा युवा 2 5जी स्मार्टफोन के 4 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वेरियंट की कीमत 9,499 रुपये है। फोन रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। मार्बल ब्लैक और मार्बल व्हाइट कलर वेरिएंट्स उपलब्ध हैं। इसमें एक साल की वारंटी और डोरसटेप सर्विस फ्री ऑफर भी है। लावा युवा 2 5जी में 4 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज है। फोन ऐंड्रॉयड 14 ओएस के साथ आता है। 50 एमपी एआई प्राइमरी रियर कैमरा और 8 मेगापिक्सल फ्रंट सेंसर दिए गए हैं। फिंगरप्रिंट सेंसर भी है। लावा युवा 2 5जी फोन ऑनलाइन और रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। इसकी बिक्री शुरुआत

के दौरान फोन की डिमांड में इजाफा हो सकता है। यह फोन युवा जनेशन को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है और यह उनकी कमजोरियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

ई-कॉमर्स कंपनियां बढ़ती मांग को पूरा करने बढ़ा रही श्रमिकों की संख्या

-नई नौकरियां देने में गुरुग्राम और कोयंबटूर देश में बड़ा केंद्र बनकर उभरे

नई दिल्ली।

देश में उपभोक्ता खपत तेजी से बढ़ रही है। बड़े शहरों को छोड़ दें तो देश के बाकी शहरों में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) की मांग में तेजी आई है। ऐसे में ई-कॉमर्स कंपनियां क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी क्षमता को बढ़ा रही है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मासिक रिपोर्ट में दावा किया है कि ई-कॉमर्स कंपनियां बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ा रही है।

एफएमसीजी व अन्य कंपनियां भी उत्पाद क्षमता को बढ़ाने के लिए लोगों को रोजगार दे रही हैं। 2024 में देशभर में इन कंपनियों द्वारा नौ करोड़ लोगों को अस्थाई और अनुबंध के आधार पर नौकरी दी गई। नई नौकरियां देने के मामले में गुरुग्राम और कोयंबटूर बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। रिपोर्ट कहती है कि नौकरी देने की प्रक्रिया में अब भौगोलिक बदलाव दिखाई दे रहा है।

बड़े शहरों को छोड़ गुरुग्राम और कोयंबटूर जैसे शहर रोजगार के केंद्र बन रहे हैं, क्योंकि ई-कॉमर्स कंपनियां अपनी सारी सेवाओं को इन शहरों से संचालित कर रही है।

उपभोक्ता को समय पर डिलीवरी देने अब ई-कॉमर्स कंपनियों ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर काम कर रही है।

देश की जानी-मानी कंपनियां कोयंबटूर और गुरुग्राम जैसे शहरों में अपनी ऑपरेशनल क्षमता को बढ़ा रही हैं।

इससे इन शहरों में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसे आर्थिक विकास की भाषा में गिग अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है। रिपोर्ट कहती है कि खपत बढ़ने से नियुक्तियों में सकारात्मक तेजी देखने को मिली है। भारत में अब लॉजिस्टिक, ईवी, ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, एग्रोकेमिकल्स और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में सबसे ज्यादा अवसर पैदा हो रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास में उच्च कौशल वाली नौकरियां पैदा हो रही हैं, लेकिन भारत में उच्च कौशल के साथ ही निम्न और मध्यम कौशल श्रेणी में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

आरबीआई की मानना है कि आगामी साल 2025 में देश भर में सेमीकंडक्टर उद्योग और उससे

जुड़े अन्य उद्योगों के जरिए देशभर में 80 हजार नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। सरकार द्वारा संचालित सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 1.25 लाख करोड़ का निवेश किया जा रहा है, जिससे पूरे उद्योग में संगठित और असंगठित क्षेत्र की नौकरियां पैदा होंगी।

रिपोर्ट कहती है कि जीडीपी की गति आने वाले वित्तीय वर्ष में 6.7 फीसदी या उससे थोड़ा ऊपर रहने का अनुमान है, लेकिन तमाम क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होने की बड़ी संभावना है। वहीं, महंगाई दर 3.8 तक रहेगी।

साल 2022 में नीति आयोग ने ई-कॉमर्स कंपनियों से जुड़कर सेवाएं देने वाले गिग वर्करों को लेकर अध्ययन किया था। उसमें कहा गया था कि वर्तमान में गिग वर्क की संख्या देश में 77 लाख है, जो 2029-30 तक 2.35 करोड़ हो जाएगी, लेकिन अब आंकड़ों से पता चलता है कि यह संख्या कहीं तेजी से बढ़ रही है। अगर एक साल में नौ करोड़ वर्कर जुड़ रहे हैं तो अगले पांच साल में यह संख्या तेजी से बढ़ेगी।

छोटे शहरों में बढ़ गए आर्थिक अवसर, बड़े शहरों की ओर जाने की गति हुई धीमी

नई दिल्ली।

भारत में प्रवासियों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया है। नई रिपोर्ट में कहा है कि देश में प्रवास की गति धीमी हो रही है और देश में प्रवासियों की कुल संख्या में 2011 की जनगणना की तुलना में 11.78 प्रतिशत की कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक छोटे शहरों में बेहतर आर्थिक अवसरों की वजह से भारत में माइग्रेशन की गति धीमा हो रही है। पेपर में लिखा है, हम परिकल्पना करते हैं कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी जैसी बेहतर सेवाओं की मौजूदगी या उसके आस-पास बेहतर आर्थिक अवसरों की वजह से यह गति धीमी हुई है।

काउंसिल के मुताबिक जहां जनगणना 2011 में प्रवासियों की कुल संख्या 45.57 करोड़ थी, वहीं 2023 तक देश में प्रवासियों की कुल संख्या 40.20 करोड़ होने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जनगणना 2011 के अनुसार प्रवास की दर जो 37.64 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 28.88 प्रतिशत हो गई है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद यानी इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल टू प्राइम मिनिस्टर ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट को पीएम आर्थिक सलाहकार समिति के पूर्व अध्यक्ष बिबेक देबरॉय और फिलहाल इस परिषद में निदेशक के रूप में तैनात आईआरएस अधिकारी देवी प्रसाद मिश्रा ने मिलकर तैयार किया है। उनके मुताबिक यह रिपोर्ट इंटरनल माइग्रेशन खास तौर पर ब्लू कॉलर माइग्रेशन का विश्लेषण करने के लिए आंकड़े इकट्ठा करने की एक कोशिश है। प्रवासियों को आकर्षित करने वाले टॉप पांच राज्यों की संरचना भी बदल गई है। इस लिस्ट में पश्चिम बंगाल और राजस्थान ने जगह बनाई है। वहीं आंध्र प्रदेश और बिहार एक पायदान नीचे पहुंच गए हैं। इस टॉप-5 की लिस्ट में यूपी, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश भी शामिल हैं। महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां कुल प्रवासियों के हिस्से का प्रतिशत कम हो गया है।

जेएसडब्लू ने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में किया बड़ा अधिग्रहण

- 12468 करोड़ में सौदा पक्का

नई दिल्ली । जेएसडब्लू एनर्जी लिमिटेड ने स्वीडन और सिंगापुर की संयुक्त उद्यम वाली एक बड़ी कंपनी का कब्जा करने के लिए 12,468 करोड़ रुपये की डील फाइनल की है। इस डील के बाद ओटू पावर जेएसडब्लू एनर्जी की हो जाएगी, जो भारत के सात राज्यों में सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट का संचालन कर रही है। ओटू पावर एक बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है जो 4,696 मेगावाट की परियोजना का संचालन करती है और जून 2025 से इसके उत्पादन को शुरू किया जाएगा। सब्सिडियरी कंपनी जेएसडब्लू नियो एनर्जी लिमिटेड ने ओटू पावर के साथ एक एग्रीमेंट पर साइन किया है। यह अधिग्रहण कंपनी के लिए सबसे बड़ा माना जा रहा है और इससे भारतीय रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में मजबूती आएगी। प्रक्रिया में बाकी औपचारिकताएं पूरी हो रही हैं और कंपीटिशन कमीशन ऑफ इंडिया की मंजूरी के लिए आवेदन किया गया है। जेएसडब्लू एनर्जी की ओर से ओटू पावर के अधिग्रहण के लिए एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं, बाकी औपचारिकताओं को पूरी करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया..........कैसे आपकी जेब पर डालेगा असर

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया कमजोर होता जा रहा है। शुक्रवार को रुपया और कमजोर होकर सबसे निचले स्तर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ रुपया 85.50 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। आंकड़ों से साफ तौर पर पता चलता है कि देश में इंपोर्टेड सामानों का इस्तेमाल बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा उछाल सोने में देखने को मिला है। यह इस साल नवंबर के महीने में 50 फीसदी से बढ़कर 49.08 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारत सरकार ने जैसे ही कस्टम ड्यूटी 15 से घटाकर 6 प्रतिशत कर दी। इसके बाद सोने के आयात में काफी तेजी देखने को मिली है। रुपये में गिरावट के कारण इकोनॉमी पर भी काफी दबाव बढ़ रहा है। जैसे-जैसे रुपये में गिरावट आ रही है, वैसे-वैसे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की टेंशन बढ़ सकती है। रुपये को और ज्यादा लुढ़कने से रोकने के लिए आरबीआई को पिछले कुछ महीनों के दौरान करेंसी बाजार में बार-बार दखल देनी पड़ी है। इस वजह से विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी से गिरावट दिखाई दी है। 4 अक्टूबर से 6 दिसंबर 2024 के बीच, आरबीआई का विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 अरब डॉलर से घटकर 654.857 अरब डॉलर ही रह गया। उदाहरण के तौर पर 100 डॉलर कीमत वाले किसी उत्पाद के आयात के लिए अगर एक साल पहले 8300 रुपये देने पड़ते, अब 8,500 रुपये चुकाना होगा। डॉलर महंगा होने का सीधा असर आयात होने वाले कच्चे तेल पर भी पड़ता है। अगर इसके कारण तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होती है, तब परिवहन की लागत भी काफी बढ़ती है और बाकी चीजें महंगी होने के भी आसार होते हैं।

मैक्स एस्टेट्स ने नोएडा में 67 लग्जरी फ्लैट 845 करोड़ में बेचे

कंपनी ने बेची गई इकाइयों की संख्या और फ्लैट की कीमतों का खुलासा नहीं किया

नई दिल्ली । रियल्टी फर्म मैक्स एस्टेट्स लिमिटेड ने मांग में तेजी के दौरान नोएडा की अपनी परियोजना में 67 लग्जरी आवासीय इकाइयां 845 करोड़ रुपये में बेचीं। मैक्स एस्टेट्स ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि उसकी अनुषंगी मैक्स एस्टेट्स 128 प्राइवेट लिमिटेड ने नोएडा में अपनी आवासीय परियोजना 'एस्टेट 128' के दूसरे चरण की शुरुआत की है। इस चरण की पेशकश के एक सप्ताह के भीतर ही 845 करोड़ रुपये का बिक्री-पूर्व बुकिंग मूल्य प्राप्त हुआ है। हालांकि कंपनी ने 845 करोड़ रुपये में बेची गई इकाइयों की संख्या और फ्लैट की कीमतों का खुलासा नहीं किया। मैक्स एस्टेट्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस परियोजना के दूसरे चरण को बाजार से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

ट्रांसरेल लाइटिंग के शेयर में 28 फीसदी से अधिक तेजी

- बीएसई में शेयर निर्गम मूल्य से 35.45 प्रतिशत उछलकर 585.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ

नई दिल्ली । ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को कारोबार के पहले दिन 432 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 28 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई में शेयर निर्गम मूल्य से 35.45 प्रतिशत उछलकर 585.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान यह 39.81 प्रतिशत बढ़कर 604 रुपये पर पहुंच गया। अंत में यह 28.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 553.30 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई में कंपनी का शेयर 36.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 590 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। अंत में यह 28.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 553.55 रुपये पर बंद हुआ। इसके साथ कंपनी का बाजार मूल्यांकन 7,428.39 करोड़ रुपये रहा। ट्रांसरेल लाइटिंग के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 80.80 गुना अभिदान मिला था।

बजट में मिडिल क्लास को मिल सकती है बड़ी राहत

- 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों को मिल सकता है लाभ

नई दिल्ली । केंद्र सरकार आगामी बजट में मिडिल क्लास को राहत देने के लिए इनकम टैक्स दरों में कटौती करने की योजना बना रही है। हालांकि, टैक्स छूट किस सीमा तक दिया जाएगा इसका निर्धारण अभी नहीं हुआ है। इस पर आखिरी फैसला 1 फरवरी 2025 को बजट पेश किए जाने से पहले लिया जाएगा। अनुमान लगाए जा रहे हैं कि मिडिल क्लास को राहत देने के लिए केंद्र सरकार आगामी बजट 2025-26 में 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों के लिए इनकम टैक्स में कटौती कर सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के इस कदम का मकसद धीमी विकास दर के बीच अर्थव्यवस्था में कंजम्पशन को बढ़ावा देना है। देश के कई बड़े जानकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नागरिकों पर आर्थिक बोझ को कम करने के लिए इनकम टैक्स के रेट्स में कटौती करने भी आग्रह किया है। पीएम मोदी ने नीति आयोग की एक बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स से मुलाकात कर आगामी बजट के लिए उनके विचार और सुझाव सुने। बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स ने कथित तौर पर सरकार को आगामी बजट में इनकम टैक्स में कटौती, कस्टम ड्यूटी को रेशनलाइज करने और निर्यात को समर्थन देने के उपायों को शामिल करने का सुझाव दिया है।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिला। बुधवार 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे, जिसकी वजह से शेयर बाजार में सप्ताह में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। वहीं वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली को नजरअंदाज करते हुए डीआईआई की खरीदारी ने बाजार में जोश भरने का काम किया जिससे शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 628.34 अंक उछलकर 78,669.93 पर खुला और 498.58 अंकों की बढ़त के साथ 78,540.17 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 219 अंक बढ़कर 23,806.50 पर खुला और 165.95 अंक बढ़कर 23,753.45 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन भी तेजी देखी गई। पिछले हफ्ते की भारी गिरावट से उबरते हुए लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी बाजार हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 192.03 अंक चढ़कर 78,732.20 पर खुला और 67.30 अंक गिरकर 78,472.87 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 44.65 अंक चढ़कर 23,798.10 पर खुला और 25.80 अंक गिरकर 23,727.65 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में हासिल हुई बढ़त दिन चढ़ने के साथ गंवा बैठे। इस दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर हावी हो

गया। सेंसेक्स 8.74 अंक टूटकर 78,465.86 पर खुला और अंक गिरकर 78,472.48 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 2.11 अंक फिसलकर 23,725.55 पर खुला और 22.55 अंक की बढ़त के साथ 23,750.20 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को एक बार फिर हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 311.48 अंक चढ़कर 78,783.96 पर खुला और 226.59 अंक चढ़कर 78,699.07 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 98.1 अंक चढ़कर 23,848.30 पर खुला और 63.20 अंक बढ़कर 23,813.40 अंक पर बंद हुआ।

इरडा की रिपोर्ट, 11 प्रतिशत को बीमा कंपनियों ने रद्द कर दिया

मुंबई । भारत में 2023-24 के दौरान सभी स्वास्थ्य बीमा दावों में से 11 प्रतिशत को बीमा कंपनियों ने रद्द कर दिया, जबकि मार्च 2024 तक 6 प्रतिशत दावे अभी भी लंबित थे, यह जानकारी भारतीय बीमा नियामक प्राधिकरण (इरडा) की ताजा रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इस वर्ष स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम उच्च बने रहने की संभावना है। इरडा द्वारा जारी रिपोर्ट में पूरे बीमा उद्योग का एक व्यापक चित्र प्रस्तुत किया गया है, जिसमें जीवन और सामान्य बीमा दोनों शामिल हैं। भारत में बीमा पैठ 2023-24 में लगातार दूसरे साल घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह 4 प्रतिशत थी और 2021-22 में कोविड महामारी के कारण 4.2 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। यह गिरावट वैश्विक प्रवृत्ति के विपरीत है। रिपोर्ट में बताया गया कि सामान्य बीमा में स्वास्थ्य बीमा का वैश्विक प्रीमियम में लगभग आधा हिस्सा है। इसी प्रवृत्ति को देखते हुए, आईआरडीएआई का अनुमान है कि 2024 में स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में 3 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि हो सकती है।

बीमा नियामक का कहना है कि वेतन और स्वास्थ्य देखभाल खर्चों में सीपीआई मुद्रास्फीति से अधिक वृद्धि होने के कारण, स्वास्थ्य बीमा की कीमतें उच्च रह सकती हैं। प्रीमियम की कीमतें महत्वपूर्ण हैं क्योंकि कुल स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों में से केवल 10 प्रतिशत व्यक्तिगत रूप से खरीदी गई हैं।

क्लेम-सेटलमेंट रेट

2023-24 में बीमा कंपनियों ने कुल दावों का लगभग 83 प्रतिशत निपटाया। कंपनियों ने 11 प्रतिशत दावे रद्द किए, जबकि मार्च 31, 2024 तक 6 प्रतिशत दावे निपटान के लिए लंबित थे। विशेषज्ञों का कहना है कि पॉलिसी खरीदते समय अपूर्ण या गलत जानकारी का खुलासा, चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में, दावों के रद्द होने में योगदान करता है।

दावे का औसत भुगतान

2023-24 में प्रति दावे का औसत भुगतान 31,000 रुपए से थोड़ा अधिक था। पिछले वित्तीय वर्ष में, बीमा कंपनियों ने कुल 2.69 करोड़ स्वास्थ्य बीमा दावों का निपटान किया और कुल 83,493 करोड़ रुपये का भुगतान किया। स्वास्थ्य बीमा व्यवसाय ने गैर-जीवन बीमा में कुल प्रीमियम का 40.29 प्रतिशत योगदान दिया, जो 2022-23 में 38.02 प्रतिशत था।

डीजीसीए ने अकासा एयर के दो शीर्ष अधिकारियों को किया निलंबित

ऑडिट रिपोर्ट में उल्लंघन करने के आरोप में की गई कार्रवाई

नई दिल्ली । नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने ऑडिट रिपोर्ट में उल्लंघन के बाद अकासा एयर के निदेशक प्रशिक्षण और निदेशक संचालन को 6-6 महीने के लिए निलंबित कर दिया है। वहीं इस मामले में अकासा एयर के प्रवक्ता ने कहा कि हम डीजीसीए के साथ काम करना जारी रखेंगे और उसके अनुसार अनुपालन करेंगे। डीजीसीए ने हाल ही में जारी किए गए अपने दो अलग-अलग आदेशों में कहा कि एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारी, जिसमें राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी है, नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। आकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को निलंबित करने का आदेश तब दिया गया जब डीजीसीए ने उन्हें क्रमशः 15 और 30 अक्टूबर को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के जवाबों को असंतोषजनक पाया। डीजीसीए ने अपने आदेशों में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी। डीजीसीए ने निलंबन आदेश जारी करते हुए कहा कि 7 अक्टूबर, 2024 को मेसर्स एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड मुंबई में डीजीसीए की तरफ से किए गए विनियामक ऑडिट में पाया गया है कि आरएनपी प्रशिक्षण ऐसे सिमुलेटर पर आयोजित किया जा रहा है जो इसके लिए योग्य नहीं हैं।

बिहार में सरकार नहीं, सीएम फैसले लेने लायक नहीं रहे

तेजस्वी बोले- नीतीश का चेहरा आगे कर चंद रिटायर्ड अधिकारी और नेता चला रहे सरकार

पटना। में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर सरकार और नीतीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने राबड़ी आवास के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि 'बिहार में अब कोई सरकार है ही नहीं। यहां जो सरकार चल रही है, वह अब होश में नहीं है। अब स्थिति ऐसी हो गई है कि चर्चा करनी पड़ रही है कि राज्य में सरकार है भी की नहीं।' तेजस्वी ने ये भी कहा कि 'अगर यहां सरकार है तो मुख्यमंत्री को लीड करना चाहिए, लेकिन वे तो कोई भी निर्णय लेने लायक बचे ही नहीं है। यहां सरकार कुछ रिटायर्ड अधिकारी, पटना और दिल्ली के 2 नेता चला रहे हैं। मुख्यमंत्री यात्रा पर निकल रहे हैं, लेकिन उनकी ओर से कोई संवाद नहीं किया जा रहा है। ना सदन में कोई बात कर रहे हैं और ना हमारे चिट्ठी का जवाब दे रहे हैं।' बिहार में नहीं होगा खेला बीते कुछ दिनों से बिहार में फिर खेला होने की अटकलों पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि- 'ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला है, ये सब बेकार की बातें हैं। इसमें कहीं कोई भी सच्चाई नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह कोई मुद्दा ही नहीं है।' पूरा पेपर रद्द होना चाहिए बीपीएससी को लेकर उन्होंने कहा कि 'अगर पेपर लीक हुआ है तो पेपर रद्द होना चाहिए। री-एग्जाम होना चाहिए। एक सेंटर की परीक्षा को बीपीएससी ने रद्द किया है। इसके साथ ही बाकी सेंटर की भी परीक्षा रद्द होनी चाहिए। शिकायतें हर जगह से आ रही हैं। इसके बाद भी सरकार कुछ नहीं कर रही है। 17 महीने सरकार में रहने के बाद लोगों के चेहरे पर खुशी थी, जो अब दुख में बदल चुकी है।' एक साल में एक भी नौकरी नहीं तेजस्वी को राजनीतिक अनुभव नहीं- बीजेपी तेजस्वी यादव के बयान को लेकर भाजपा प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि 'उनमें संस्कार का आभाव है। उन्हें बड़ों के मान-सम्मान का ध्यान तक नहीं है। बिहार सरकार और एनडीए में सारा आदेश सीएम का होता है।

बिहार में नहीं होगा खेला

बीते कुछ दिनों से बिहार में फिर खेला होने की अटकलों पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि- 'ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला है, ये सब बेकार की बातें हैं। इसमें कहीं कोई भी सच्चाई नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह कोई मुद्दा ही नहीं है।

तेजस्वी यादव ने कहा-

पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने उनको चिट्ठी लिखी थी, लेकिन इसका जवाब उन्होंने नहीं दिया। उनकी जगह उनके मंत्री संजय झा जवाब दे रहे है। इन लोगों ने सीएम नीतीश कुमार को कैद करके रखा हुआ है। अब इस बात को कोई माने चाहे ना माने, लेकिन यही सच्चाई है।

कटिहार में महापौर ने किया समीक्षा बैठक

कटिहार। के नगर निगम कार्यालय में शनिवार को महापौर की अध्यक्षता में नगर निगम के कनिय अभियंता, सहायता अभियंता, योजना सहायकों के साथ समीक्षा बैठक हुई। जिसमें महापौर उषा देवी अग्रवाल ने शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। साथ ही शहर के विभिन्न वार्डों में रुके पड़े कामों को जल्द चालू कराने और पूर्ण होने वाले विभिन्न योजनाओं को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

मौके पर नगर निगम के कनिय अभियंता अजय सिंह, अमित कुमार, आशीष कुमार, वरुण कुमार और अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

तेजस्वी यादव दोबारा बनेंगे पापा

पटना। RJD नेता तेजस्वी यादव एक बार फिर पिता बनने वाले हैं। उनके घर फिर से किलकारी गूंजेगी। उनकी पत्नी राजश्री प्रेग्नेंट हैं। वह कोलकाता में रेस्ट कर रही हैं। इस नई खबर से लालू-राबड़ी परिवार में खुशी है। सबसे ज्यादा खुश लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी हैं। इधर, तेजस्वी यादव सियासी यात्रा के बाद पत्नी के पास जाने वाले हैं। वह न्यू ईयर अपनी पत्नी के साथ कोलकाता में मनाएंगे। कल (रविवार को) पत्नी के पास जाएंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, तेजस्वी यादव जल्द कोलकाता जाना चाहते थे, लेकिन राजनीतिक कार्यक्रम पहले से तय था। मार्च 2023 में तेजस्वी यादव पहली बार पिता बने थे। उस वक्त एक बेटी का जन्म हुआ था, जिसका लालू यादव ने कात्यायनी नाम रखा। उस वक्त तेजस्वी नीतीश सरकार में डिप्टी सीएम थे। तब परिवार लैंड फॉर जॉब्स केस में ED और CBI की पूछताछ का भी सामना कर रहा था। 9 दिसंबर 2021 को तेजस्वी यादव ने राजश्री यादव से शादी की थी। दिल्ली के साकेत स्थित मीसा भारती के सैनिक फार्म हाउस पर विवाह समारोह संपन्न हुआ था। पहले दोनों की सगाई हुई। उसके बाद परिवार के समक्ष तेजस्वी-रेचल (राजश्री) ने अग्नि के सात फेरे लिए थे। कार्यक्रम में पिता लालू प्रसाद यादव, मां राबड़ी देवी, बहन मीसा भारती, भाई तेजप्रताप यादव और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी पत्नी डिंपल के साथ शामिल हुए थे।तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी की दोस्ती बचपन की है। दोनों साथ में उद्धर, आरके पुरम में पढ़ते थे। वहीं, 2014 से करीब आ गए थे।

दोस्ती प्यार में बदली और दोनों एक-दूसरे के हो गए।

ससुराल से 1.5 KM दूर मिला डॉक्टर का शव

दूसरी पत्नी से बोला- मरीज देखने जा रहे, मछली बनाकर रखना; अगले दिन मिली मौत की सूचना

सुपौल। में शनिवार सुबह एक युवक का शव सड़क किनारे मिला। शरीर पर जख्म के 5-6 गहरे निशान मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि युवक के साथ पहले मारपीट की गई, इसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। शव के पास मृतक का जूता और शरीर पर फटा कपड़ा मिला है। इसके साथ ही घटनास्थल से लगभग 400 मीटर दूर घोघरडीहा थाना क्षेत्र के रत्नसार सीमा पर बिना नंबर प्लेट की नई बाइक क्षतिग्रस्त हालत में खड़ी मिली है। इसके पास उल्टी, फटे गमछे के टुकड़े और एक बैग से इंजेक्शन और आला मिला है। मृतक की पहचान मनीष कुमार(32) के रूप में की गई है। वो मधुबनी जिले के नरहिया थाना क्षेत्र के भपटियाही गांव का रहने वाला है। वर्तमान में कदमपुरा वार्ड 2 में अपनी दूसरी पत्नी के साथ रह रहा था। मृतक झोलाछाप डॉक्टर था। मनीष (मृतक) की दूसरी पत्नी सुनीता देवी ने बताया कि 'घटना से पहले शुक्रवार शाम मनीष ने बेलही चौक से मछली खरीद कर घर पहुंचा। मुझे मछली देने के बाद घर से बोल कर निकला कि वो मरीज को देखने पकड़िया गांव जा रहा है। घर लौटने में लेट हो जाएगा। लेकिन, पूरी रात वो घर नहीं लौटा।' शनिवार सुबह बेलही स्थित मनीष के दूसरे ससुराल से 1.5KM दूर और घर से लगभग 5KM दूर सड़क किनारे उसका शव मिला। ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने दूसरी पत्नी और परिजनों को घटना के बारे में बताया। सुनीता देवी ने पुलिस को दिए बयान में कहा, 'उसके पहले पति ने बदमाशों को भेजकर मनीष (मृतक) की हत्या करवाई है। इससे कुछ महीने पहले भी उसने बदमाशों को भेजकर मेरे दूसरे पति की हत्या करवाने की कोशिश की थी।' मनीष (मृतक) की दो शादियां हुई थीं। पहली शादी 2014 में लौकही थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव के रंजू कुमारी से हुई थी। अपने परिवार वाले की मर्जी से उसने ये शादी की थी। इससे उसे 2 बेटा है, जिसकी उम्र 10 और 7 साल है। 2019 में मनीष ने दूसरी शादी की, ये लव मैरिज था। इससे उसे एक बेटा और एक बेटी है। मृतक के दूसरे ससुर बलेल सार्ती ने बताया कि 'सुनीता की पहली शादी भपटियाही निवासी मिथुन के साथ 2014 में हुई थी। 2016 से मनीष का सुनीत देवी से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। 2017 में इसकी जानकारी उसके पति को हो गई। उसने इसका विरोध किया, तो सुनीता ने उसे तलाक दे दिया। इसके बाद वो मनीष के साथ रहने लगी। इस बीच 2017 में सुनीता के इकलौते भाई की हत्या हो गई। इसका आरोप मनीष और उसकी दूसरी पत्नी सुनीता पर लग गया। 2017 में दोनों जेल गए। प्रेमी-प्रेमिका 2 साल तक जेल में थे। 2019 में जेल से निकलने के बाद दोनों ने शादी कर ली थी।' वहीं, मनीष के पिता सागर शाह ने बताया कि 'वो 7 साल से हमारे साथ नहीं रहता था। 5 साल पहले उसने दूसरी शादी की और घर छोड़ कर चला गया। इसके बाद से ही बड़ी बहू को हम बेटी बनाकर अपने साथ रखते है।'

मां बोली- वो खुदकुशी नहीं कर सकती, दामाद ने मारा

नालंदा। में एक महिला का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ बरामद किया गया है। शव मृतक महिला के मायके से मिली है। जिसकी पहचान मलामा गांव निवासी स्वर्गीय अवध सिंह की बेटी सरस्वती देवी के रूप में की गई है। घटना शुक्रवार की देर शाम की है। जब मां बाजार से घर लौटी तो कमरे में बेटी फांसी के फंदे से लटकी हुई। मृतका की मां बेबी देवी ने बताया कि दो दिन पहले बेटी से मिलने दामाद घर आया था। शुक्रवार की शाम घर में बेटी दामाद ही थे वो वृद्धा पेंशन का पैसा निकालने बाजार गई हुई थी। बाजार से काम खत्म करके लौटी तो एक कमरे में बेटी साड़ी के फॉल से लटकी हुई मिली। दामाद को ढूंढा तो वो घर में मौजूद नहीं था। शोर मचाने के बाद लोगों की भीड़ जुटी। जिसके बाद लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से देर शाम शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल गया। मां बेबी देवी ने बताया कि 13 साल पहले बेटी की शादी तोड़ा गांव निवासी चंदन से हुई थी। करीब 6 महीना से पति और सास से लड़ाई के बाद वह मायके में उनके साथ ही रह रही थी। 6 महीने पहले पति ने घर से निकाल दिया था। जिसके बाद दिल्ली में काम करके वो अपना भरण पोषण करती थी। शनिवार को मुझे भी उसके साथ दिल्ली जाना था। बेटी को शादी के बाद दो लड़का हुआ। एक 10 साल का है दूसरा 12 साल का है। जो बेटी दामाद की लड़ाई के बाद अपने दादी के घर रहता था। विवाद को लेकर पूछने पर बेटी कुछ बताती नहीं थी।

बस इतना मालूम था कि घर में सास के मन मुताबिक काम नहीं करने की वजह से हमेशा विवाद होता था।

संक्षिप्त डायरी

दो स्कूल की छात्राओं के बीच जमकर हुई मारपीट

मुजफ्फरपुर। शहर के बालूघाट रोड 2 में छात्राएं आपस में भिड़ गईं। इस दौरान दोनों तरफ से गाली-गलौज होने के साथ जमकर लात-घुसे चले। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जो शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे की बताई गई है। पूरे मामले को ोकर लोगों ने बताया गया है कि मारपीट की घटना बॉयफ्रेंड के विवाद में हुई। जिसमें एक गुट सरकारी हाई स्कूल और दूसरा मिडिल स्कूल का था। छात्राएं जंगली माई स्थान व अखाड़ाघाट बांध रोड की रहनेवाली हैं। बताया गया कि छुट्टी होने के बाद विवाद तू-तू, मैं-मैं से शुरू हुआ जो गाली-गलौज होते-होते हाथापाई तक पहुंच गया। स्थानीय लोगों की डांट-फटकार के बाद लड़कियां वहां से चली गईं, पर नाला रोड में जाकर फिर भिड़ गईं। वहां जमकर मारपीट हुई। बीच-बचाव करने आई एक छात्रा की मां और भाई के साथ भी दूसरे गुट की छात्राओं ने मारपीट की। कुछ देर के लिए वहां अफरातफरी मच गई। कई छात्राएं हल्की रूप से चोटिल हुईं। जिसे पास की दवा दुकान में इलाज कराया गया। स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों गुटों के छात्राओं को समझाकर शांत कराया। पूरे मामले का वीडियो किसी व्यक्ति ने चुपके से बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। सिकंदरपुर थानेदार रमन कुमार ने बताया कि इस संबंध में अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है। वीडियो की जानकारी हुई है। शिकायत होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लखीसराय में विवाहिता की संदिग्ध मौत

लखीसराय। के पीरीबाजार थाना क्षेत्र के महिसोनी गांव में शनिवार को एक विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतक की पहचान महिसोनी गांव निवासी सुभाष कुमार की पत्नी नीलकमल कुमारी (30) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका के भाई हेमंत कुमार ने बताया कि नीलकमल को ससुराल पक्ष के लोग लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे।साथ ही उन्होंने दावा किया कि पैसे की मांग पूरी न होने के कारण उसकी हत्या कर दी गई। उनकी बहन को कई बार ससुराल वालों ने मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया था। बता दें कि मृतका अपने पीछे दो मासूम बच्चे है। परिजनों ने पुलिस से अपील की है कि वे इस मामले में त्वरित और निष्पक्ष जांच करें, ताकि उन्हें न्याय मिल सके। पीरीबाजार थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने कहा कि मृतका के परिवार ने अभी तक आवेदन नहीं दिया है। मायके पक्ष के लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

70 से अधिक उम्र वालों को आयुष्मान का विशेष लाभ

लखीसराय । आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी पेंशनधारियों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग ने विशेष पहल शुरू की है। इसके तहत स्वंतत्र और असंगठित वर्ग के पेंशनधारियों को भी योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। जिला स्वास्थ्य विभाग विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाकर पात्र लाभुकों का गोल्डन कार्ड बना रहा है, जिससे वे पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज का लाभ उठा सकें। आयुष्मान योजना के जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीसी) मुकेश कुमार ने बताया कि 70 प्लस उम्र के वृद्धा पेंशनधारियों की सूची जिला सामाजिक कल्याण कोषांग से प्राप्त की गई है। जिले में ऐसे 18,523 लाभुक हैं, जिनमें बड़हिया से 2,102, चानन से 2,025, हलसी से 2,286, लखीसराय से 3,489, पिपरिया से 1,025, रामगढ़ चौक से 2,145 और सूर्यगढ़ा से 5,451 लाभुक शामिल हैं। इन सभी का गोल्डन कार्ड बनाने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। लाभुकों के लिए सुविधा बढ़ी डीपीसी ने बताया कि यदि किसी क्षेत्र में 40 या अधिक लाभुक एक स्थान पर उपस्थित होते हैं, तो वहां तुरंत शिविर लगाकर गोल्डन कार्ड बनाया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में वार्ड पार्षद और ग्रामीण इलाकों में वार्ड समिति के प्रतिनिधियों से सहयोग लेकर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक 24 दिसंबर 2024 तक 1,782 पेंशनधारियों का गोल्डन कार्ड बनाया जा चुका है। गोल्डन कार्ड बनाने में आधार कार्ड का अपडेट होना अनिवार्य है। कई मामलों में आधार अपडेट न होने के कारण बायोमेट्रिक स्कैनिंग में दिक्कतें आई हैं। डीपीसी ने सभी लाभुकों से जल्द से जल्द अपने आधार कार्ड को अपडेट कराने का आग्रह किया है।

होटल में फंदे से लटकता मिला युवक का शव

कटिहार। के पुराना बाटा चौक स्थित मन्नत होटल में शुक्रवार रात एक युवक का शव फंदे से लटका हुआ मिला। यह घटना होटल के 102 नंबर कमरे में हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कदवा थाना क्षेत्र के कुम्हारी गांव निवासी मोतिउर रहमान (32) के रूप में हुई है। घरेलू विवाद के कारण घर से होटल में पहुंचे थे होटल के मैनेजर मो. शफीक अहमद ने बताया मोतिउर शुक्रवार दोपहर होटल में रहने आया था। शाम को कुछ लोग उससे मिलने पहुंचे थे, जो घरेलू विवाद के कारण नाराजगी में उसके घर छोड़कर आने की बात बता रहे थे। हालांकि, उनकी मृतक से मुलाकात नहीं हो पाई। रात करीब 9 बजे जब कमरे का दरवाजा खोला गया, तो मोतिउर का शव पंखे से लटका मिला। सूचना मिलने पर नगर थाना अध्यक्ष सुमन सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया और मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दी गई।

'मैं हिंदू हूं वो मुस्लिम,इसलिए पत्नी को उठा ले गए

लड़का बोला- दिल्ली में शादी की, झूठ बोलकर बुलाया; अब ना बात हो रही, ना मुलाकात

मुजफ्फरपुर। के प्रेमी जोड़े ने दिल्ली में भागकर शादी रचा ली। लड़की मुस्लिम है और लड़का हिंदू। पति का कहना है कि '23 दिसंबर की शाम मेरे ससुराल वालों ने धोखे से हम दोनों को मिलने के लिए सीतामढ़ी बुलाया था। मेरी आंखों के सामने जबरन पत्नी को गाड़ी में बैठाकर ले गए। आज पांच दिन हो गए हैं, अब तक पत्नी से बातचीत नहीं हो पाई है। न कुछ पता चल रहा है।' मामला औराई थाना क्षेत्र के एक गांव का है। प्रेमी लोकेश कुमार अपनी ही गांव की रहने वाली प्रेमिका शमा परवीन से 3 साल से प्यार करता था। 6 दिसंबर को दोनों एक साथ भागकर दिल्ली पहुंचे थे। यहां उन्होंने एक मंदिर में हिंदू रीति रिवाज से शादी की। इसके बाद दोनों ने कोर्ट मैरिज भी की। 16 दिसंबर को मुजफ्फरपुर के औराई आए थे। कि '9 दिसंबर को दिल्ली में हमने कोर्ट मैरिज की। मेरी पत्नी शमा और मैं एक ही गांव के रहने वाले हैं। 16 दिसंबर की रात हम लोग अपने घर मुजफ्फरपुर के औराई आए। घर पहुंचने के महज एक घंटे के अंदर गाय घाट और औराई थाने की पुलिस हमारे घर आ पहुंची। मुझे पता नहीं था कि हम लोगों पर पहले से मुकदमा है। पुलिस हमें साथ ले गई। ससुर ने गलत FIR दर्ज कराई थी।' लोकेश ने आगे बताया कि 'ससुर ने गाय घाट थाने में अपनी बेटी के गुम होने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा था कि वह अपनी पत्नी और बच्ची के साथ इलाज कराने दरभंगा जा रहे थे। गाय घाट थाना क्षेत्र के जारंग चौक के पास उनकी पत्नी की तबीयत खराब हुई। वह अपनी पत्नी का दवा लाने गए। इसी दौरान उनकी बेटी गाड़ी से गायब हो गई। ये मामला गलत है।' 'हम दोनों ने भागकर शादी की थी। 17 दिसंबर को 164 का बयान दर्ज हुआ। पत्नी ने हमारे फेवर में बयान दिया। कहा कि वह मेरे साथ ही रहना चाहती है। कोर्ट के आदेश के बाद हम दोनों साथ में घर में रहने लगे।' लोकेशन ने बताया '23 दिसंबर को पत्नी शमा के घर वालों ने उसे फोन किया। हम दोनों को मिलने के लिए सीतामढ़ी बुलाया। कहा था कि शमा का सर्टिफिकेट, कपड़ा, यूज का सामान और अन्य चीजें हमारे घर पर ही था। वो ले लो। वहां हम बालू चौक के पास रुके थे। ससुराल वाले पुरानी बातों को लेकर अग्रेसिव हो गए। कहासुनी हो गई। इसी बीच भाई को बुलाया। जबरन मेरी पत्नी को गाड़ी से उतारकर अपनी गाड़ी में बैठाया और उसे साथ ले गए।' DGP को मेल भेजकर लगाई गुहार 'मैं लगातार अपनी पत्नी की बरामदगी के लिए पुलिस अधिकारियों से गुहार लगा रहा हूं। पत्नी का नंबर ऑफ आ रहा है। अभी तक कोई मुलाकात नहीं हुई है। 24 दिसंबर को ही थाना में आवेदन दिए थे, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मैंने सीतामढ़ी एसपी के अलावे मुजफ्फरपुर एसएसपी और डीजीपी को मेल कर पत्नी की बरामदगी की गुहार लगाई है।' 'जब न्याय नहीं मिला तो जिस कोर्ट ने हमें साथ रहने की इजाजत दी थी, उस कोर्ट से न्याय की गुहार लगाई। कोर्ट ने अब गाय घाट थाना की पुलिस को शमा को खोज कर लाने का आदेश दिया, लेकिन अब तक पुलिस उसे बरामद नहीं कर पाई है।'

कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। क्या तुम्हें पता है कि समोसे जैसी फेमस चीज जो तुम अक्सर खाया करते हो उसका ऑरिजिन भारत नहीं है। ऐसी ही कुछ और चीजें जो देश में कहीं और से आईं लेकिन इस देश का हिस्सा बन गईं।

भारत ऑरिजिन की नहीं है, देश का हिस्सा बनी ये चीजें

समोसा

यह ट्रायंगल तो सारे बच्चों का प्यारा है या यूं कहें कि बड़ों के मुंह में भी इसको देखकर पानी आ जाता है। क्या तुम्हें पता है कि समोसा भारत की उपज नहीं है। प्राचीन काल में सेंट्रल एशिया के जिन रास्तों से व्यापार हुआ करता था वहां से होता हुआ यह भारत पहुंचा। दरअसल इस ट्रायंगल स्नैक्स को बनाना सबसे आसान होता है और रात को मुसाफिर जब रास्तों में हॉल्ट करते हुए आते थे तो समोसों को कैंपफायर के आस-पास भी तैयार कर लिया करते थे।

आलू

सब्जियों का राजा माना जाने वाला आलू सब्जियों में बच्चों की पहली पसंद है। इसके बिना तो सब्जी या किसी स्नैक की कल्पना करना ही थोड़ा मुश्किल लगता है! लेकिन क्या तुम्हें पता है कि आलू मात्र चार सौ साल पहले ही हमारे देश में आया और यहां तक कि टमाटर का इस्तेमाल भी देश में पहली बार 19वीं शताब्दी में किया गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड में जन्मा यह खेल आज भारत में गली-गली का खेला जाता है। यहां तक

कि आईसीसी की इनकम में भारत की कमाई की भागीदारी 70 से 80 प्रतिशत तक है। देश में क्रिकेट सबसे पॉपुलर खेलों में से एक है।

राजमा

पंजाबी डिशेज की लिस्ट राजमा के बिना अधूरी मानी जाती है। बड़े चाव से राजमा, चावल खाने वालों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपने देश में नहीं बल्कि कोलोनियल अमेरिका में पैदा हुआ है। किडनी बीन्स यानी राजमा को 8000 साल पहले एकेडियन किसानों ने लुसियाना में उपजाया था।

हैंड नीटिंग

सर्दियों के मौसम में अपने घरों में भी तुमने मम्मी या दादी, नानी को हाथों से बुनाई करते हुए देखा होगा। जो कई तरह के स्वेटर तुम्हारे लिए तैयार करती होंगी।

तुम्हें लगता होगा कि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी देश में आगे बढ़ी होगी लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि हाथों से बुनाई का काम अपने देश की कला नहीं बल्कि इजिप्ट से यहां आया था।

सिल्क

तुम्हारी मम्मी के पास भी सिल्क की साड़ियां जरूर होंगी? क्या तुम्हें पता है कि यह सिल्क हमारे देश की नहीं है, बल्कि कई सदियों पहले चीन के व्यापारी इसे यहां लाए थे। हमारे यहां मिलने वाले सिल्क वॉर्म वही पहले चाइनीज पेयर थे जिनसे सिल्कवॉर्म की संख्या बढ़ाई गई।

पतंग

दो हजार साल पहले पतंगों को चीन में तैयार किया गया था। अब तो भारत में गांव के बच्चों के खेल का यह हिस्सा बन गया है तो शहरों में व्रत-त्योहार के मौके पर लोग रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं।

चाय

सुबह की शुरुआत तुम्हारे घर में भी चाय की चुस्कियों के साथ होती होगी। लेकिन देश का मुख्य पेय चाय भी चीन से यहां पहुंचा है।

कागज पर उतारो पत्तियां

आजकल वॉटर कलर डेकोरेशन और डिजाइन में इस्तेमाल हो रहा है लेकिन हम इस वॉटरकलर को पत्तियां बनाने के लिए प्रयोग करेंगे। इससे तैयार पत्तियां एक बेहतरीन आर्ट वर्क की तरह नजर आती हैं।

किन चीजों की होगी जरूरत

- वॉटरकलर सेट
- विभिन्न प्रकार के वॉटर कलर ब्रशेस
- गार्डन से तोड़ी हुई अलग-अलग प्रकार की पत्तियां

बनाओ कलर पैलेट

सबसे पहले तो अपना एक कलर पैलेट तैयार करो और उसकी टेस्टिंग पेपर के अलग-अलग टुकड़ों पर करो। जब तक तुमको अपना पसंदीदा शेड ना मिल जाए तब तक पैलेट तैयार करते रहो ताकि जब तुम पत्तियों को उससे ड्रॉ करो तो वो बिल्कुल असली नजर आएं।

कौन-कौन से कलर

परमानेंट सैप ग्रीन, ग्रीन ब्लू शेड, रॉ एंबर, ब्लू ग्रीन, बर्न्ट सिएना। बाकी शेड अन्य कलर्स के मिक्सचर से तैयार किए जा सकते हैं।

डूडलिंग करना तो हर किसी को भाता है लेकिन क्या कभी सीरियस पेंटिंग के बारे सोचा है। अरे तुम्हें पेंटर बनाने की बात नहीं कर रहे, यदि तुम्हें भी रंगों से प्यार है और कुछ न कुछ बनाते रहना तुम्हारी हॉबी है तो क्यों ना कुछ क्रिएटिव किया जाए। आओ मिलकर वॉटर कलर के जरिए लीविंग लीव्स को कागज पर उतारें, सोच में पड़ गए! चलो इसे करके देखते हैं।

इस तरह दो अपनी पत्तियों को आकार

- सबसे पहले लाइट स्केच तैयार करो और फिर इसे भीगे ब्रश से अंदर की ओर भरो। इससे तुम्हें कलर के फर्स्ट लेयर को फैलाने में मदद मिलेगी।
- तुमने ग्रीन का जो शेड तैयार किया है उसका सबसे हल्का शेड प्रयोग करो।
- पहली लेयर के सूख जाने के बाद दूसरी लेयर बनाओ जो सबसे हल्के शेड की हो। अब डार्क शेड की दूसरी लेयर लगाओ और उसे फिर सूखने दो।
- पेपर को थोड़ा तिरछा कर दो और पेंट को पेंट की हुई पत्ती के टिप तक पहुंचने दो। इसके सूख जाने के बाद ग्रीन की एक और लेयर इस पर लगाओ।
- वॉटर कलर में यह चीज स्पष्ट नजर आती है इसमें जितने लेयर्स में कलर लगाए जाते हैं इमेज उतनी ही क्लियर नजर आने लगती है।
- अपने ब्रश को पानी में डुबाकर उसे पत्ती के ऊपर फिराओ। जब यह हल्का गीला रहे तो उसके ऊपर रॉ एंबर कलर का हल्का शेड पत्ती के लाइट साइड पर लगाओ।
- कलर जब हल्के गीले हों तो अपने ब्रश पर बर्न्ट सिएना कलर को पत्ती के ऊपर टपकाओ। तुम देखोगे कि कलर्स एक-दूसरे पर चढ़े हुए नजर आएंगे।
- अब पत्ती के अलग-अलग हिस्से पर कलर टपकाओ।
- भीगे हुए पतले ब्रश से पत्ती पर वेन्स बनाओ और साथ ही पत्तियों की डिटेल उस पर ड्रॉ करो।
- ऐसा तुम कई पत्तियों के साथ कर सकते हो।

कैसे बनते हैं स्नोफ्लैक्स?

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो..सफेद। इन्हें कहते हैं स्नोफ्लेक्स।

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता होसफेद। इस बीच कहीं-कहीं कुदरत की ऐसी कलाकारी नजर आती है कि उसे कैमरे में कैद किए बिना नहीं रहा जा सकता। ये हैं स्नोफ्लेक्स या बर्फ की पपड़ी। स्नोफ्लैक्स की सबसे अनोखी बात ये है कि इनमें से किसी का भी आकार एक-दूसरे से मेल नहीं खाता है। हरेक आकृति यूनिक होती है। इनको देखकर ऐसा जान पड़ता है कि किसी ने क्रिस्टल के जरिए सुंदर आकृति तैयार की है लेकिन ये तो प्रकृति की कारीगरी है। इनके यूनीक शेप के कारण ही दुनियाभर के फोटोग्राफर्स बेस्ट स्नोफ्लैक्स की तस्वीरें लेने की तैयारी में रहते हैं।

कुदरत की कारीगरी

स्नोफ्लैक्स बनने की शुरुआत छोटे-छोटे डस्ट पार्टिकल्स या पॉलेन पार्टिकल्स के वॉटर वेपर के संपर्क में आने से होती है। ये वॉटर वेपर इन पार्टिकल्स के ऊपर इकट्ठी हो जाती हैं और जब ठंडे वातावरण में ये जमती हैं तो छोटे-छोटे आइस क्रिस्टल जैसे नजर आने लगते हैं। ये छोटे-छोटे क्रिस्टल सीड्स की तरह होते हैं जिनसे स्नोफ्लैक्स का जन्म होता है। तुम्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि ये छोटे आइस क्रिस्टल नेचुरली अरेंज होकर हेक्सागोनल यानी सिक्स साइडेड स्ट्रक्चर बना लेते हैं। इस तरह के सिक्स साइडेड आइस क्रिस्टल ही 'स्नोफ्लैक्स'' कहलाते हैं। चूंकि स्नोफ्लैक्स के आस-पास की हवा से ये अधिक वजनदार होते हैं इसलिए कुछ समय में अपने-आप गिरना भी शुरू हो जाते हैं।

हर स्नोफ्लै है डिफरेंट

यूं सारे स्नोफ्लैक्स हेक्सागॉनल होते हैं लेकिन इनकी जियोमैट्री अलग-अलग होती है। डिफरेंट टेम्परेचर और ह्यूमिड कंडीशन से होकर जब स्नोफ्लैक्स नीचे गिरते हैं तो उनके शेप भी डिफरेंट हो जाते हैं। किसी में नुकीले आर्म्स निकले रहते हैं तो किसी में बहुत ही चौड़े। स्नोफ्लैक्स का निर्माण पृथ्वी पर काफी ऊंचाई पर होता है इसलिए जमीन पर इसका स्नो के रूप में नीचे गिरना हर बार हो ऐसा नहीं है। यह तभी हो सकता है जब हवा का टेम्परेचर फ्रीजिंग से कम हो।

केक की टॉपिंग पर स्नोफ्लैक्स

स्नोफ्लैक्स के अलग-अलग मजेदार शेप्स के कारण कई पार्टीज का इसे हिस्सा बनाया जा रहा है, वो भी केक को सजाने के लिए। अब तो स्नोफ्लैक्स के शेप को आर्टिफिशियल रूप से तैयार किया जाने लगा है। लोग अपनी पसंद के अनुसार डिफरेंट शेप वाले स्नोफ्लैक्स से भरी बोटल खरीदते हैं और केक को और भी मजेदार ढंग से प्रेजेंट करते हैं।

तीन सेर चावल

पुराने जमाने की बात है। किसी गांव में मोहन नाम का एक लड़का रहता था। वह बहुत शैतान था। हर दिन उसकी शिकायतें उसके माता-पिता को सुनने को मिलतीं।

पिता ने मोहन को विद्यालय भेज दिया, लेकिन उसकी शरारतों से शिक्षक भी बहुत दुखी हो गए। उस पर अपने शिक्षक की बातों का भी कोई असर नहीं होता था।

मोहन कई बार बच्चों की सीट के नीचे चींटियां छोड़ देता, जिससे वे ठीक से पढ़ न पाते। बच्चे उसके डर से उसकी शरारतों के बारे में अपने शिक्षकों से भी शिकायत न करते। एक दिन तंग आकर मास्टरजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया।

उस जमाने में जंगल अधिक थे। चारों ओर पेड़-पौधों की भरमार थी। अब मोहन जंगल में जाकर पेड़-पौधों का ध्यान करता, पानी देकर सींचता। घर में उसका मन नहीं लगता था। उसकी चिंता में मां परेशान रहतीं।

मोहन के गांव में एक बूढ़ा आदमी भीख मांगने आता था। वह उसे भी बहुत तंग करता। कभी उसका थैला छीनकर उसमें रखी रोटी निकालकर जानवरों को खिला देता, तो कभी बूढ़े पर पानी डाल देता। लेकिन बूढ़ा उसके गांव में जरूर आता। लोग उससे पूछते कि इतना तंग होने के बाद भी वह इस गांव में भीख मांगने क्यों आता है? वह सबको एक ही उत्तर देता, मोहन बच्चा है। बच्चे शरारत नहीं करेंगे, तो क्या हम बड़े लोग करेंगे? उसकी बात सुनकर लोग चुप हो जाते।

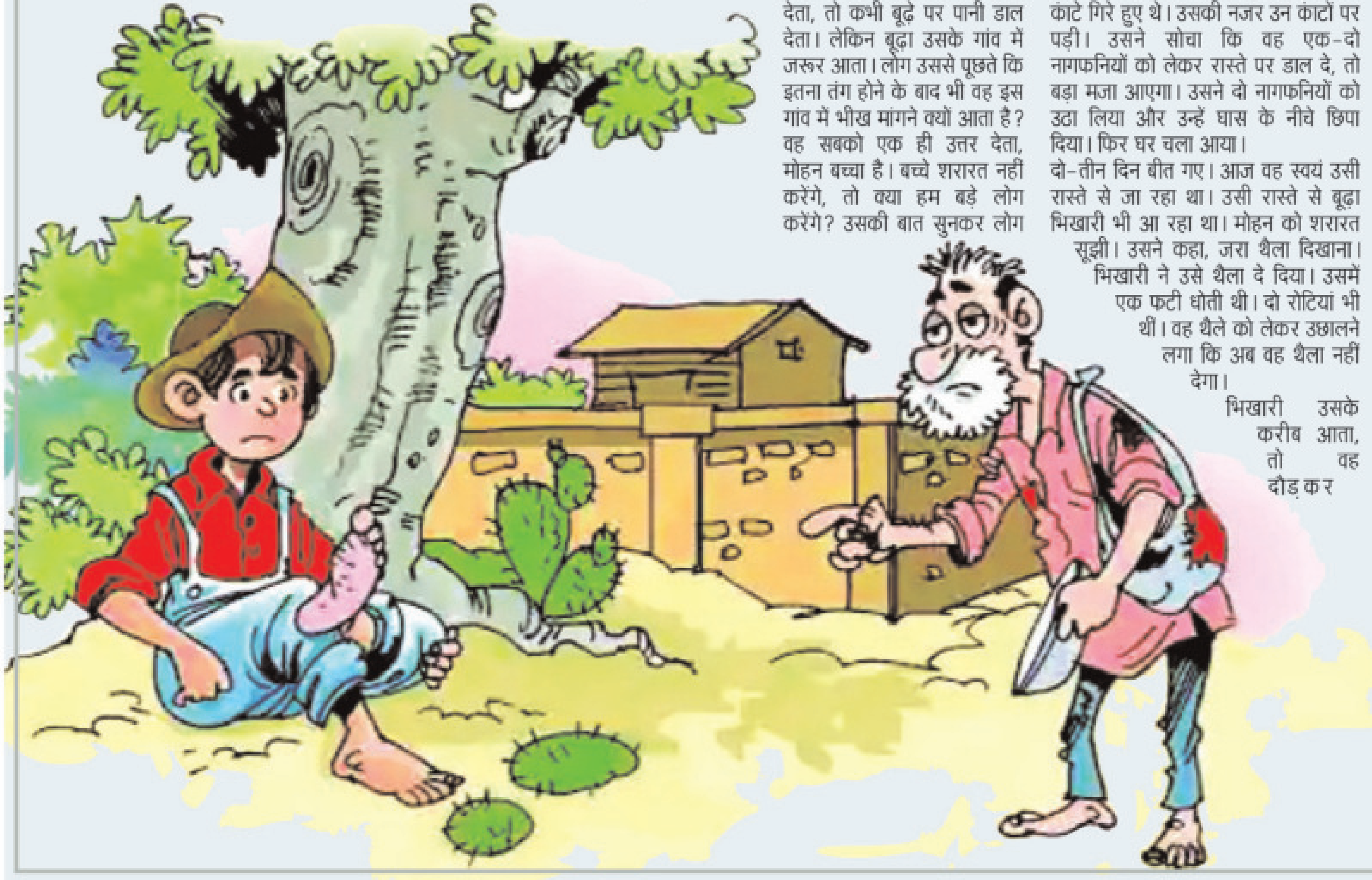

इस प्रकार कई महीने बीत गए। एक दिन मोहन किसी गांव से आ रहा था। उसे घर पहुंचने की जल्दी थी। किसी किसान ने अपनी फसल की रक्षा के लिए नागफनी की बाड़ लगा रखी थी। रास्ते में नागफनी के कांटे गिरे हुए थे। उसकी नजर उन कांटों पर पड़ी। उसने सोचा कि वह एक-दो नागफनियों को लेकर रास्ते पर डाल दे, तो बड़ा मजा आएगा। उसने दो नागफनियों को उठा लिया और उन्हें घास के नीचे छिपा दिया। फिर घर चला आया।

दो-तीन दिन बीत गए। आज वह स्वयं उसी रास्ते से जा रहा था। उसी रास्ते से बूढ़ा भिखारी भी आ रहा था। मोहन को शरारत सूझी। उसने कहा, जरा थैला दिखाना। भिखारी ने उसे थैला दे दिया। उसमें एक फटी धोती थी। दो रोटियां भी थीं। वह थैले को लेकर उछालने लगा कि अब वह थैला नहीं देगा।

भिखारी उसके करीब आता, तो वह दौड़कर थोड़ी दूर भाग जाता।

इसी भाग-दौड़ में अचानक सूखी नागफनी पर मोहन का पांव पड़ गया। उसके पूरे तलवे में कांटे चुभ गए। वह अचानक एक ओर लुढ़क गया। थैला उसके हाथ से छूट गया। भिखारी मोहन के पास आया। वहां उसने अपनी लाठी से घास हटाई, तो उसे एक और नागफनी नजर आई। उसने उसे भी डंडे से दूर हटा दिया और मोहन के पास बैठकर पांव से कांटे निकालने लगा।

भिखारी ने मोहन के पांव से काफी कांटे निकाल दिए। फिर भी कुछ कांटे उसके पांव में चुभे ही रह गए। भिखारी ने उसे सहारा देकर खड़ा किया। मोहन ने कहा, मैं घर नहीं जाऊंगा। छाया में बैठकर तलवे के सारे कांटे निकालूंगा, तब घर लौटूंगा।

भिखारी ने कहा, यदि तुम मेरी झोंपड़ी तक चलो, तो मैं तलवे के सारे कांटे निकाल दूंगा। ऐसा लेप लगा दूंगा कि तुम्हारा पांव जल्दी ठीक हो जाएगा। मोहन तैयार हो गया। भिखारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर, झोंपड़ी तक ले आया। फर्श पर एक फटी-पुरानी दरी और कंबल का टुकड़ा बिछा हुआ था। उसी पर उसने मोहन को लिटाया। पानी गरम कर उसका पांव धोया। फिर कांटे निकालकर पैर पर जड़ी-बूटी का लेप कर दिया। मोहन को लेप से बहुत राहत मिली और वह सो गया।

भिखारी ने अपने थैले से भीख में मिले चावल निकाले और खिचड़ी बनाई। फिर गांव जाकर दूध ले आया। उसने मोहन को खिचड़ी खिलाकर पीने के लिए दूध गरम करके दिया। मोहन को अब उस भिखारी को बुड्ढा कहने में शर्म आई। उसने भिखारी को 'दादा' कहकर पुकारा। दादा शब्द सुनकर भिखारी की आंखों से आंसू झरने लगे। मोहन ने चकित होकर पूछा, तुम रो क्यों रहे हो?

नहीं बेटा, कोई बात नहीं है। मैं तीस वर्षों से यहां अकेला पड़ा हूं। तुमने मुझे दादा कहा, तो मेरा दिल भर आया। भिखारी बोला।

नहीं दादा, अब तुम्हें भीख मांगने की जरूरत नहीं होगी। मैं तुम्हें खिलाऊंगा। मोहन बोला।

भिखारी हंसकर चुप हो गया। शाम होने जा रही थी। भिखारी ने उसके पांव का लेप गरम पानी से धो दिया। अब उसके पांव में एक भी कांटा नहीं था। इसके बाद भिखारी उसे गांव तक छोड़ने आया। मोहन दौड़कर घर गया और रोटी तथा सब्जी लेकर आया। कहा, दादा, इसे रात में खाना। मैं कल सुबह आऊंगा।

भिखारी घर लौट आया। वह सोच रहा था कि मोहन कितना अच्छा लड़का है।

मोहन दूसरे दिन उठा और एक किसान से बोला, यदि आपको मजदूर की जरूरत हो, तो मैं काम करने के लिए तैयार हूं। किसान को एक मजदूर की जरूरत तो थी, मगर वह मोहन को एक शरारती बच्चे के रूप में जानता था। वह मोहन से बोला, तुम्हें शरारत से फुरसत मिलेगी, तभी तो काम करोगे।

मुझसे आज काम लेकर देखो चाचा, तब पता चलेगा।

ठीक है, चलो काम करो। किसान बोला।

मोहन ने दिन भर मेहनत से काम किया। बदले हुए मोहन को देखकर किसान बहुत चकित था। उसने मोहन को तीन सेर चावल मजदूरी में दिए।

मोहन चावल लेकर भिखारी की झोंपड़ी में जा पहुंचा। भिखारी खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। उसने जब चावल देखे, तो बोला, मोहन बेटा! ये ले जाकर अपनी मां को दो। मेरा गुजारा तो भगवान चला ही रहा है।

नहीं दादा! ये चावल तुम रखो। ये मैंने दिन भर मजदूरी करके कमाए हैं। तुम नहीं रखोगे, तो मैं कल से मजदूरी नहीं करूंगा और शरारतें करने लगूंगा।

उस दिन से मोहन बहुत बदल गया। अब वह हर एक की मदद करने की कोशिश करता। गांव के सब लोग उसकी खूब तारीफ करते।

नितीश के शानदार शतक से भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाकर शानदार वापसी की

-सुंदर के साथ हुई शतकीय साझेदारी

बड़ोदरा (एजेंसी)। मेलबर्न (ईएमएस)। नितीश कुमार रेड्डी के शानदार शतक नाबाद 105 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतक की सहायता से भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 358 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। इस प्रकार भारतीय टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर मेजबान ऑस्ट्रेलिया से 116 रनों से पीछे है। तीसरे सत्र के बाद खराब रोश्नी और बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया। ऐसे में खेल समाप्त होने की घोषणा कर दी गयी। उस समय नितीश 105 और मोहम्मद सिराज 2 रनों पर खेल रहे थे। नीतीश ने 176 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्का लगाकर शतक लगाया। उनकी वाशिंगटन सुंदर के साथ की हुई 127 रनों की साझेदारी के बल पर भारतीय टीम ने मैच में जबरदस्त वापसी की। इस प्रकार भारतीय टीम ने न केवल फॉलोआन बचाया बल्कि ऑस्ट्रेलिया को करारा जवाब भी दिया। तीसरे दिन के खेल का आकर्षण नितीश और सुंदर के बीच हुई शतकीय साझेदारी रही जिसने मेजबान टीम की सभी चालों को विफल कर दिया। वहीं इससे पहले दूसरे दिन के पांच विकेट पर 164 रनों से आगे खेलते हुए ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा अधिक देर नहीं टिक पाये ऋषभ 28 और रविन्द्र जडेजा 17 पर आउट हुए। इसके बाद नितीश ओर सुंदर ने मोर्चा संभालते हुए मेजबान टीम के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की नितीश के आगे मेजबान टीम की एक न चली।

इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। जिसके जबाब में भारत की आधी टीम 164 पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। ऐसे में उसपर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा था पर नीतीश व सुंदर ने अपनी साझेदारी से उसे टाल दिया। इस मैच में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 3 रनों पर ही आउट हो गये। इसके अलावा केएल राहुल भी 24 रन बना पाए थे। यशस्वी जायसवाल ने 86 रनों की पारी खेली और विराट कोहली के साथ 102 रनों की साझेदारी की। विराट के 36 रनों पर आउट होने के बाद भारतीय टीम ने दो विकेट छह रनों के अंतराल पर ही खो दिये जिससे उसकी मुश्किलें बढ़ी गयीं।

वहीं दूसरे दिन यशस्वी जायसवाल की 82 रनों की शानदार पारी की सहायता से भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 164 रन बनाये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत 6 और रविन्द्र जडेजा 4 रनों पर खेल रहे थे। वही इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। दूसरे दिन के खेल में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही। बल्लेबाजी के दौरान जहां स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं इसके बाद उसके गेंदबाजों ने आधी भारतीय टीम को पेवेलिन भेज दिया।

अंतिम सत्र में मेजबान टीम हावी हो गयी। 474 रनों का पीछा करते हुए एक समय भारतीय टीम ने दो विकेट पर 153 रन बनाये थे। इसके बाद छह रनों के अंददर ही भारतीय टीम ने तीन और विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बदकिस्मती से रन आउट हो गये। यशस्वी ने कोहली के साथ 102 रन की साझेदारी की। यशस्वी के रन आउट होते ही भारतीय टीम दबाव में आ गयी। यशस्वी 82 रन बना सके जबकि विराट कोहली ने 36 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे आकाश दीप भी शून्य पर ही आउट हो गये। भारतीय पारी की शुरुआत बेहद खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा तीन रन और केएल राहुल 24 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए।

गावस्कर और शास्त्री ने नितीश को भविष्य का सितारा बताया

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान क्रिकेटर सुनील गावस्कर और पूर्व कोच रवि शास्त्री ने युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भविष्य का सितारा है। नीतीश ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी शतकीय पारी से इन दिग्गजों को बेहद प्रभावित किया है। गावस्कर ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट के अगले सितारे हैं। यह पहला टेस्ट शतक है और वह निकट भविष्य में और भी शतक बनाने जा रहा है। मैं भविष्य में उसे रनों को बनाते हुए देखने की उम्मीद कर रहा हूं। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि अगर वह खुद के प्रति सच्चा रहे तो काफी आगे जाएगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, उन्हें यहां तक पहुंचेन के अपने पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के बलिदान को याद रखना होगा। नितीश यहां भारतीय क्रिकेट के कारण हैं और उन्हें यह पक्का करना होगा कि वह भारतीय क्रिकेट को हल्के में न लें। अगर वह खुद के प्रति सच्चा रहता है, तो एक सफल करियर उसकी राह देख रहा है।

इस युवा ने अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि जिस तरह से उसने बल्लेबाजी की है, यह आखिरी बार है जब वह 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करेगा। टीम का संतुलन बनाने के लिए, आपको उसे पांचवें या छठे क्रम पर उतारना चाहिये। उन्होंने कहा कि वह शीर्ष 6 में बल्लेबाजी करने में पूरी तरह सक्षम हैं क्योंकि वह खेल का पूरा संतुलन बदल देता है।

साल 2024 : पृथ्वी रहे सबके निशाने पर

मुम्बई (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ अपने खराब फार्म और फिटनेस के कारण आलोचना का केन्द्र बने हैं। पृथ्वी को कई दिग्गजों ने फार्म हासिल करने अनुशासन में रहने के साथ ही फिटनेस पर ध्यान देने को कहा है। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें अपने प्रदर्शन पर शर्म आनी चाहिये। कैफ के अनुसार लगातार खराब प्रदर्शन के कारण ही पृथ्वी को आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला। एक भी फैंचाइज ने उनपर बोली नहीं लगायी। पृथ्वी ने नीलामी के लिए अपना आधार मूल्य 75 लाख रुपए लगाया था। कैफ का मानना है कि पृथ्वी को अपनी फिटनेस पर काम करते हुए घरेलू क्रिकेट में अधिक से अधिक रन बनाने चाहिये। उन्होंने कहा, फैंचाइजी आगे बढ़ गई हैं और यह उनके लिए बहुत बड़ी शर्म की बात है कि उन्हें 75 लाख रुपए की बोली भी नहीं मिली। उन्हें घरेलू क्रिकेट में वापस लौटना चाहिए और रन बनाने चाहिए। कैफ ने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को इस बात पर शर्मिंदा होना चाहिए कि बोली प्रक्रिया में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। कैफ ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार अच्छा प्रदर्शन देखने की उम्मीद के साथ उनका समर्थन किया था। उनमें एक ओवर में 6 चौके लगाने की क्षमता है। पिछले सत्र की बात करें तो हमें लगा था कि अगर वह रन बनाएंगे, तो दिल्ली कैपिटल्स जीत जाएगी। उन्हें अपनी योग्यता साबित करने के लिए बहुत मौके दिए गए। उन्होंने कहा, टीम बैठकों के दौरान, इस बात पर विचार किया कि पृथ्वी को उनकी असफलताओं के कारण अंतिम 11 में रखा जाना चाहिए या नहीं। हमने तय किया कि उन्हें बेंच पर बैठाया जाएगा पर अगले दिन हमने यह सोचकर अपना फैसला बदल दिया कि वह बड़ा प्रदर्शन करेंगे और हमें मैच जिताएंगे पर ऐसा नहीं हुआ।

बेवकूफाना शॉट, क्या जरूरत थी ! ऋषभ पंत को आऊट होता देख गुस्साए गावस्कर

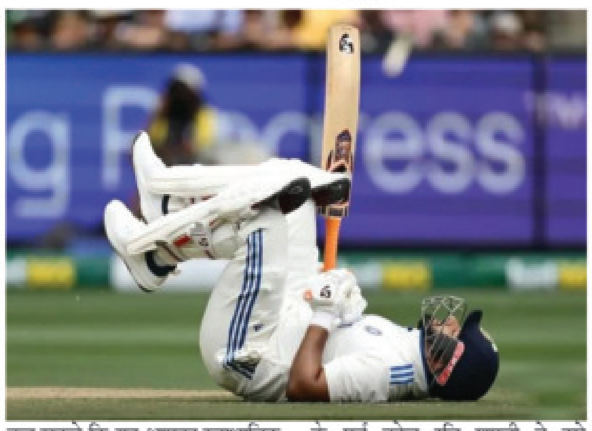

मेलबर्न (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 'बेवकूफाना शॉट' खेलने के लिए ऋषभ पंत को आड़े हाथों लिया। आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में भारतीय टीम को उस समय साझेदारी की सख्त जरूरत थी लेकिन पंत ने स्कॉट बोलैंड को फाइन लेग पर स्कूप शॉट खेलने के प्रयास में डीप थर्डमैन में नाथन लियोन को कैच थमा दिया। गावस्कर ने कमेंट्री के दौरान कहा कि बेवकूफाना, निहायत ही बेवकूफाना। वहां दो फील्डर खड़े हैं लेकिन उसके बावजूद यह शॉट खेला। पिछले शॉट पर चूकने के बावजूद और डीप थर्ड मैन पर कैच दे दिया। यह तो अपना विकेट गंवाना है।

गावस्कर ने कहा कि और वह भी तब जब टीम इन हालात में है। हालात को भी समझना चाहिए था। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह बेवकूफाना शॉट था। आपने टीम को निराश किया है। उन्होंने कहा कि उसे ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए। उसे दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इसे जोखिमभरा शॉट बताया। गावस्कर ने 176 गेंद में नाबाद 105 रन बनाने वाले 21 वर्ष के रेड्डी की पारी की तारीफ करते हुए कहा कि नीतिश कुमार रेड्डी का यह शतक भारतीय क्रिकेट के इतिहास में महानतम शतकों में से एक है।

मैच की बात करें तो नीतिश कुमार रेड्डी के नाबाद शतक की मदद से भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी समाप्त किए जाने पर 9 विकेट खोकर 358 रन बना लिए। भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के पहली पारी के 474 रन से 116 रन पीछे है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर रेड्डी 105 और मोहम्मद सिराज दो रन बनाकर खेल रहे थे। आस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने तीन-तीन विकेट लिए। नीतिश ने शतक लगाकर मेलबर्न में विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उम्मीद है कि वह चौथे दिन टीम इंडिया का स्कोर तेजी से बढ़ाने की कोशिश करेंगे ताकि ऑस्ट्रेलिया के पास कम से कम लीड हो।

विजय हजारे ट्रॉफी : पंजाब ने मुम्बई को हराया

मुंबई । पंजाब ने अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी के बाद प्रभसिमरन सिंह और कप्तान अभिषेक शर्मा की शानदार बल्लेबाजी की सहायता से विजय हजारे ट्रॉफी में मुम्बई को दस विकेट से हरा दिया। इस मैच में पंजाब ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मुम्बई की टीम पंजाब के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप के सामने टिक नहीं पायी और 48.5 ओवर में 148 रन पर ही सिमट गयी। अर्शदीप ने 38 रन देकर पांच विकेट लिए। इसके बाद पंजाब ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को 29 ओवरों में ही 2 विकेट पर 149 रन बनाए हासिल कर लिया। पंजाब की ओर से लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रभसिमरन सिंह ने 101 गेंदों पर नाबाद 150 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान अभिषेक शर्मा ने भी 54 गेंदों पर 66 रन बनाए। इन दोनों के बीच पहली विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी हुई और पंजाब को 10 विकेट से जीत मिली।

ऑस्ट्रेलिया में आठवें नंबर पर उतरकर शतक लगाने वाले पहले भारतीय बने नितीश

मेलबर्न । भारतीय टीम के बल्लेबाज नीतीश रेड्डी ने यहां एमएसजी में शतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। नीतीश मेलबर्न में टीम इंडिया की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में आठवें क्रम पर बल्लेबाज करते हुए शतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले ये उपलब्धि दिग्गज स्पिनर आर अश्विन, पूर्व कप्ताहन महेन्द्र सिहं धोनी, पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह और महान ऑलराउंडर कपिल देव ने हासिल की थी। अश्विन ने आठ या आठवें क्रम से निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए चार और धोनी, हरभजन एवं कपिल ने क्रमश दो-दो शतक लगाए थे। यही नहीं नीतीश कुमार रेड्डी आठवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह खास उपलब्धि अनिल कुंबले के नाम दर्ज थी। जिन्होंने 2008 में एडिलेड में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 87 रन बनाए थे। वहीं रविन्द जडेजा ने 2019 में सिडनी में 81 रन बनाये थे। नीतीश ने 172 गेंदों में 59.88 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए अपना पहला शतक पूरा किया। उन्होंने नाबाद 105 रन बनाये हैं। इस प्रकार व ऑस्ट्रेलिया में भारत की तरफ से नंबर आठ या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं। यही नहीं नीतीश भारत की तरफ से नंबर आठ या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

न्यूजीलैंड ने पहले टी20 में श्रीलंका को 8 रनों से हराया

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। डेरिल मिचेल के 62 और माइकल ब्रेसवेल 59 के अर्धशतकों की सहायाता से मेजबान न्यूजीलैंड की टीम ने श्रीलंका को पहला टी20 मुकाबला जीतने के साथ ही सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड की टीम ने इस मैच में पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 172 रन बनाए थे। इसके बाद खेलते हुए श्रीलंकाई टीम 8 विकेट पर 164 रन ही बना पायी और उसे 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंकाई टीम इस मैच में एक समय जीत की ओर बढ़ रही थी और उसेन 121 रन पर केवल एक विकेट खोया था लेकिन इसके बाद मेजबान टीम के गेंदबाज जैकब डफी ने एक ही ओवर में तीन विकेट लेकर श्रीलंका की बल्लेबाजी ढ़हा दी। श्रीलंकाई टीम ने दबाव के कारण अंतिम 40 गेंदों में ही 8 विकेट खो दिए।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही टिम रॉबिन्सन 11 और रचिन रवींद्र 8 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद मार्क चैपमैन 15 तो ग्लेन फिलिप्स 8 रन बनाकर आउट हुए। आधी टीम 65 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद डेरिल मिचेल ने माइकल ब्रेसवेल के साथ 100 रनों से ज्यादा की साझेदारी कर टीम का स्कोर 172 तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम अच्छी शुरुआत के बाद भी जीत नहीं पायी। श्रीलंका की ओर से पाथुम निसांका और कुसल मेंडिस ने अपनी टीम को अच्छी शुरूआत दी और पहले विकेट के लिए 121 रन जोड़े। निसांका ने 90 जबकि मेंडिस ने 46 रन बनाए। इसके बाद श्रीलंका ने लगातार विकेट खोये जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

हॉकी इंडिया लीग में मेंटोर के तौर पर नजर आयेंगी रानी

रोहतक । भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल आजकल जूनियर महिला टीम की कोच के तौर पर काम कर रही हैं। इसी को लेकर रानी ने कहा, ''सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनकी परेशानियों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था।'' उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने का प्रयास किया है।'' वह आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में भी काम करेंगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूर्नामेंट भी होगा। रानी ने साल 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। इसलिए उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरहके दबाव का अनुभव करता है। उन्होंने कहा,''मैं सूरमा क्लब की मेंटर बनने जा रही हूं इसलिए मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से उस भूमिका को निभाने का प्रयास करुंगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होता है। में इसमें उनकी मदद करना चाहूंगी।

इस कारण पीएसएल में नहीं खेल सकेंगे इंग्लैंड के खिलाड़ी : ईसीबी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाड़ी अब पाकिस्तान सुपर लीग में नहीं खेल पाएंगे। इसका कारण है कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अपनी खिलाड़ियों के इस लीग में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ईसीबी के अनुसार पीएसएल के समय ही देश में घरेलू सत्र भी चलता है। ऐसे में खिलाड़ियों की उपलब्धता में आ रही परेशानी को दूसरे करने के लिए ईसीबी ने अपने खिलाड़ियों के उस समय कहीं और खेलने पर रोक लगा दी है। आईपीएल पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होता है। इंग्लैंड ने हाल ही में आईपीएल के अगले तीन सीज के लिए अपने खिलाड़ियों की पूरी उपलब्धता की पुष्टी की है। खिलाड़ियों को आईपीएल के अलावा पीएसएल और दुनिया की अन्य फ्रेंचाइजी लीगों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि ये गर्मियों में घरेलू सत्र के साथ टकराती हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि, ईसीबी खिलाड़ियों को वाइटैलिटी ब्लास्ट और हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं देगी। नई नीति के तहत जो खिलाड़ी अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेलते हैं उन्हें भी इंग्लिश घरेलू व्हाइट-बॉल खेलों को मिस करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के मुख्य अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि हमें अपने खेल और अपनी प्रतियोगिताओं की मजबूती को बनाये रखने की आवश्यकता है।

लवलीना विश्व मुक्केबाजी के एथलीट आयोग में शामिल

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को विश्व मुक्केबाजी संघ की नई एशियाई संस्था के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है। । नई एशियाई संस्था में भारत से लवलीना के अलावा अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह सहित छह अधिकारियों को शामिल किया गया है। विश्व मुक्केबाजी संघ का मानना है कि एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को बेहतर बनाने में बीएफआई से जुड़े अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी को देखते हुए इन्हें सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। लवलीना की जिम्मेदारी इसमें एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाना और उनकी बेहतरी के प्रयास करना रहेगा। बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को ओलंपिक आयोग और वित एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसका काम ये पक्का करना होगा कि मुक्केबाजी 2028 और उसके बाद भी ओलंपिक खेलों में शामिल रहे।'' एथलीट आयोग में शामिल लवलीन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, अवसरों और सहायता प्रणालियों को बढ़ाये जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।'' उन्होंने कहा, ''मेरा ध्यान पूरे एशिया में बेहतर प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, निष्पक्ष अवसरों और मजबूत समर्थन प्रणालियों को आगे बढ़ोन पर होगा जो मुक्केबाजों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।''

सुमित नागल ने फिर राष्ट्रीय टीम में खेलने से किया इनकार, मुकुंद डेविस कप टीम में लौटे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुमित नागल ने एक बार फिर डेविस कप में देश के लिए खेलने से इनकार कर दिया है और अपनी वापसी के लिए 'अनुचित शर्तें' रखी हैं जबकि शशिकुमार मुकुंद की शुक्रवार को टोगो के खिलाफ मुकाबले के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई क्योंकि एआईटीए कार्यकारी समिति ने उनका निलंबन रद्द कर दिया था।

एटीपी टूर पर संघर्ष कर रहे नागल ने सितंबर में पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ मुकाबले से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जनवरी-फरवरी में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए इस्लामाबाद जाने से भी इनकार कर दिया था और कहा था कि घास के मैदान उनकी खेल शैली के अनुकूल नहीं हैं। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) चयन पैनल ने पांच सदस्यीय टीम चुनी है जिसमें मुकुंद 368वें नंबर पर सर्वोच्च रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी होंगे।

मुकुंद निलंबित थे और स्वीडन के खिलाफ मुकाबले का हिस्सा नहीं थे। लेकिन गैर-खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल ने इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी से बात की जिन्होंने फिर 1-2 फरवरी को नयी दिल्ली में होने वाले विश्व ग्रुप क प्ले-ऑफ मुकाबले के लिए खुद को उपलब्ध बताया। एक सूत्र ने कहा, ''कप्तान राजपाल ने मुकुंद से बात की जिसके बाद कार्यकारी समिति ने उनका निलंबन रद्द कर दिया इसलिए उन्हें चुना गया। वह अच्छे खिलाड़ी हैं और उन्हें फिर से भारत की जर्सी पहनने का मौका दिया जाना चाहिए।''

राजपाल 2025 सत्र में डेविस कप टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। पता चला है कि उन्होंने नागल को राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने पर लौटने के लिए मनाने की कोशिश की। लेकिन जब खिलाड़ियों से उनकी उपलब्धता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने उस मेल का जवाब नहीं दिया। स्वीडन के मुकाबले में भी चूकने वाले युकी भांबरी ने खुद को प्रतियोगिता के लिए अनुपलब्ध बताया है।

राजपाल ने पीटीआई से कहा, ''मैं सुमित से बेहद निराश हूं जिन्होंने खुद को इस मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं कराया। हमने पिछली बार भी उनकी सभी मांगों पर सहमति जताई थी फिर भी उन्होंने राष्ट्रीय टीम में खेलने से इनकार कर दिया जो अस्वीकार्य है।'' एआईटीए के एक सूत्र ने कहा, ''नागल ने कुछ अनुचित मांगें रखी हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता।''

रामकुमार रामनाथन (रैंकिंग 393) और करण सिंह (473) टीम में दो अन्य एकल खिलाड़ी हैं। भांबरी (48वीं रैंकिंग) की अनुपस्थिति में एन श्रीराम बालाजी (65) युगल टीम का नेतृत्व करेंगे और उनके ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली (72) के साथ जोड़ी बनाने की संभावना है जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। चार खिलाड़ियों आर्यन शाह (592), मानस धामने, दक्षिणेश्वर सुरेश और युवान नंदल को ट्रेनिंग शिविर में बुलाया जाएगा तथा इनमें से दो रिजर्व खिलाड़ी चुने जाएंगे।

एआईटीए के एक सूत्र ने कहा, ''नागल के आग्रह पर ही इस मुकाबले के लिए धीमा हार्डकोर्ट चुना गया लेकिन अब उन्होंने कहा है कि वे नहीं खेलेंगे। अगर उन्होंने अपना रुख स्पष्ट कर दिया होता तो कप्तान राजपाल इस मुकाबले के लिए ग्रासकोर्ट चुनते।

सुप्रीम कोर्ट का पंजाब सरकार को निर्देश – डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के जीवन और सुरक्षा को लेकर शुक्रवार को चिंता व्यक्त की और पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह उन्हें चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अवकाशकालीन पीठ ने डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता के संबंध में शीर्ष अदालत के आदेश का पालन नहीं करने के कारण मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना याचिका पर पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, ''अगर कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है तो आपको इससे सख्ती से निपटना होगा। किसी का जीवन दांव पर है। आपको इसे गंभीरता से लेना चाहिए। चिकित्सा सहायता दी जानी चाहिए और ऐसा लगता है कि आप इसका पालन नहीं कर रहे हैं।'' शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को शनिवार तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायालय शनिवार को मामले में फिर से सुनवाई करेगा। डल्लेवाल फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित किसानों की मांगों को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर हैं।

एक बार फिर देवदूत बनी सेना, बर्फ में फंसे 68 लोगों को बचाया

जम्मू। भारी बर्फबारी के चलते गुलमर्ग और तानमार्ग जा रहे पर्यटक रास्ते में ही फंस गए। करीब 68 पर्यटकों के फंसने की जानकारी भारतीय सेना की चिनार कोर को लगी। उन्होंने बिना किसी देरी के रेस्क्यू शुरु कर दिया। चिनार कोर के मुताबिक इस दौरान कुल 68 लोगों को बचाया गया। इनमें 30 महिलाएं, 30 पुरुष और 8 बच्चे शामिल हैं। इसके बाद सभी 137 पर्यटकों को गर्म खाना, शेल्टर और दवाएं भी मुहैया कराई गईं। चिनार वॉरियर ने इसको लेकर एक्स पर जानकारी दी है। इसमें बताया है कि चिनार कोर को सिविल एडमिनिस्ट्रेशन से कॉल मिली थी। इसके बाद इस बचाव कार्य को अंजाम दिया गया। इसके मुताबिक चिनार वॉरियर्स ने कुलगाम के मुनाद गांव से एक गर्भवती महिला को निकालने के लिए एक आपातकालीन संकट कॉल का जवाब दिया। भारी बर्फबारी के बीच बचाव दल समय पर घटनास्थल पर पहुंच गया। तत्काल जीवनरक्षक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और रोगी को यारीपोरा के सरकारी अस्पताल में ले जाया गया।

2000 वाहन फंसे

गौरतलब है कि चिनार कोर का नाम यहां के चिनार वृक्ष के नाम पर रखा गया है। सेना का यह दल जम्मू कश्मीर के पूर्वी और उत्तरी इलाकों में सुरक्षा इंतजाम देखती है। बता दें कि जम्मू कश्मीर में मौसम खराब है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग स्थित काजीगुंड कस्बे में बर्फबारी में करीब 2000 वाहन फंस गए हैं।

यूपी का मामला : गर्भवती हुई नाबालिग, रिश्तेदारों ने बनाया हवस का शिकार

– रेप करने वाले आरोपी बाबा, पिता और चाचा को पुलिस की हिरासत में

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में एक बड़ा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर 12 साल की मासूम को अपने ही सगे ?रिश्तेदारों ने हवस का शिकार बनाया है। पीड़िता ने मौसी के साथ जाकर पुलिस को शिकायती पत्र देकर अपनी दुखद कहानी सुनाई है। उसके साथ रेप करने वाले आरोपी बाबा, पिता और चाचा को पुलिस ने हिरासत में लिया है। प्रकरण का हलचल मासूम के गांव के बाहर तक फैल चुकी है। पीड़िता ने अपनी दुखद आपबीती में बताया कि उसके साथ कई महीनों तक रेप किया गया, जिसका नतीजा यह है कि वह 2 महीने की गर्भवती है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है और पीड़िता को मेडिकल चेकअप के लिए भेजा गया है। पीड़िता ने अपने आरोप को पुलिस के सामने साबित करते हुए इस मुद्दे पर सख्त कार्रवाई कार्रवाई की जाए, इसकी मांग की है। इस घिनौने कांड के खिलाफ आवाज उठाते हुए समाज के विभिन्न संगठनों ने भयानक अपराधियों के खिलाफ मुहिम चलाने की गुहार दी है। मामला औरैया जिले के बिधूना कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाली एक मासूम ने अपने बाबा, पिता और चाचा पर रेप करने का आरोप लगाया है। मासूम के पिता किसानी करते हैं और बाबा और चाचा बकरियां चराते हैं। करीब डेढ़ माह पहले उसकी मां की मौत हो गई। पीड़िता ने आरोप लगाते हुए बताया कि पिछले 1 साल से बाबा खेत में और चाचा कमरे में अकेला पाकर उसके साथ दरिंदगी को अंजाम देते रहे और उन्होंने धमकाया भी था कि अगर किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देंगे।

राजस्थान में कटी पतंग ने ली दो भाइयों की जान

– हाईटेंशन लाइन से पतंग उतारने का कर रहे थे प्रयास

बारां। राजस्थान के बारां जिले में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने गांव को अपने आंसूओं में डुबो दिया है। जिले के बोरिना गांव में 14 और 15 साल के दो सगे भाई हाईटेंशन लाइन से कटी पतंग ?निकालने का प्रयास कर रहे थे, इसी दौरान दोनों ?बिजली करंट की चपेट में आ गए ओर उनकी जान चली गई। रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों बच्चे लोहे के सरिए से पतंग को खींचने की कोशिश कर रहे थे। वह हाईटेंशन बिजली लाइन के करंट में फंस गए और बुरी तरह झुलस गए। पु?लिस अ?धिकारी ने मीडिया को जानकारी दी कि यह हादसा मोग्या परिवार के दोनों बच्चों के साथ हुआ। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। सदर थाना पुलिस द्वारा घटना की जांच शुरू की गई है और परिजनों को समर्थन दिया जा रहा है। दोनों सगे भाईयों की एक साथ मौत से गांव में गहरा दुख छाया हुआ है। इस दुखद घटना से हमें सबक सीखना चाहिए ताकि ऐसी खतरनाक स्थितियों से बचा जा सके।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दबाव के बाद भी शेख हसीना को वापस नहीं भेजेगा भारत

–भारत लंबे समय तक मेहमानों के स्वागत की परंपरा बनाए रखने वाला देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शेख हसीना को सौंपने की मांग की है। पूर्व पीएम शेख हसीना फिलहाल भारत में रह रही हैं। वह 5 अगस्त को तख्तापलट के बाद गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर आ गई थीं और उसके बाद से ही दिल्ली में किसी स्थान पर हैं। पिछले सप्ताह ही बांग्लादेश ने शेख हसीना को वापस भेजने की मांग वाला डिप्लोमैटिक नोट आया है, लेकिन इस पर भारत सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना को भारत सरकार वापस भेजने पर विचार नहीं कर रही है। यही नहीं बांग्लादेश सरकार की ओर से दबाव बनाने की कोशिश के बाद भी ऐसा कोई फैसला नहीं लिया जाएगा। बांग्लादेश के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि में किसी राजनीतिक शख्सियत की वापसी का पहलू नहीं है। इसके अलावा भारत

भू-राजनीतिक कारणों से भी ऐसा नहीं करना चाहता।

भारत को लगता है यदि हालात बदलेंगे तो शेख हसीना फिर सत्ता आएंगी और उस स्थिति में रणनीतिक तौर पर वह काफी अहम होगा। वहीं बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के पास भी डिप्लोमैटिक नोट भेजने के अलावा भारत के ऊपर दबाव बनाने का कोई विकल्प नहीं है। शेख हसीना पहले भी भारत में वक्त गुजार चुकी हैं। उनके बेटे और बेटी भी भारत में रहे हैं।

शेख हसीना के लिए भारत से बैठकर बांग्लादेश की राजनीति को प्रभावित करना आसान होगा। भारत शेख हसीना की अहमियत समझता है, जिन्होंने अपने 15 सालों के शासनकाल में बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों पर लगाम लगाई थी। इसके अलावा सीमा से जुड़े मसलों को भी शांतिपूर्वक हल किया था। दोनों देशों के बीच कारोबार भी शेख हसीना के दौर में तेजी से बढ़ा था।

भारत मेहमानों के स्वागत की परंपरा बनाए रखने वाला देश रहा है। दलाई लामा का भी उसने ऐसे ही भारत आने का अवसर दिया था। अब भी हजारों तिब्बतियों के साथ दलाई लामा भारत में ही रह रहे हैं। हालांकि शेख हसीना को लेकर उम्मीद है कि भले ही कुछ साल लगें, लेकिन वह एक बार फिर से बांग्लादेश में वापसी कर सकती हैं।

परिवार की इच्छा के अनुरुप बने डा. सिंह का स्मारक : मायावती

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ निगम बोध घाट पर हुआ। उनके निधन पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने दुख व्यक्त किया। साथ ही स्मारक बनाने को लेकर उठे विवाद में मायावती का भी बयान सामने आया है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि सरकार उनके सम्मान में स्मारक बनवाए। मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देश के पहले सिख प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह के देहांत होने पर उनका अंतिम संस्कार केंद्र सरकार वहां कराए, जहां उनके परिवार की दिली इच्छा हो। साथ ही उनके सम्मान में स्मारक भी बनवाए। इस पर किसी भी तरह की राजनीति करना ठीक नही है। उन्होंने आगे लिखा कि इन मामलों में केंद्र सरकार इनके परिवार के साथ

पूरे सिख समाज की भावनाओं का सम्मान जरूर करे। कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर अति दुखद है। भारत की अर्थव्यवस्था सुधार में उनका खास योगदान रहा। वह नेक इंसान थे। उनके परिवार और सभी चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। स्मारक बनाने को लेकर कांग्रेस का आरोप है कि पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर करने की मांग की गई थी, जहां उनका स्मारक बनाया जा सके। सरकार ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है।

मनमोहन के निधन से दुखी सोनिया गांधी बोलीं- एक मित्र और मार्गदर्शक हमने खो दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन से देश दुनिया में शोक है। लोग दुखी हैं और शोक संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। उनके निधन पर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने अपने लिए बड़ी व्यक्तिगत क्षति करार दिया और कहा कि वह उनके लिए 'मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी के लोग और भारत के लोग हमेशा इस बात पर गर्व करेंगे तथा आभारी रहेंगे कि मनमोहन सिंह ऐसे नेता थे, जिनका भारत की प्रगति और विकास में योगदान अतुलनीय है।

सोनिया गांधी ने शोक संदेश में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से हमने एक ऐसा नेता खो दिया है, जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता के प्रतीक थे, जिन्होंने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। वह कांग्रेस पार्टी के लिए मार्गदर्शन करने वाले प्रकाशपुंज थे। उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीय नागरिकों के जीवन को बदल दिया और सशक्त बनाया। उन्होंने कहा कि उनके शुद्ध हृदय और उत्कृष्ट दिमाग के कारण उन्हें भारत के लोग बहुत प्यार करते थे।

सोनिया गांधी ने इस बात का उल्लेख किया, उनके साथ कोई भी समय बिताने का मतलब उनके ज्ञान और दूरदर्शिता से प्रबुद्ध होना, उनकी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा से प्रभावित होना और उनकी वास्तविक विनम्रता से आश्चर्यचकित होना था। उन्होंने कहा, वह हमारे राष्ट्रीय जीवन में एक ऐसा शून्य छोड़ गए हैं, जिसे कभी नहीं भरा जा सकता। सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लोग और भारत के लोग हमेशा इस बात पर गर्व करेंगे और आभारी रहेंगे कि हमारे पास डॉ. मनमोहन सिंह जैसे नेता थे, जिनका भारत की प्रगति और विकास में योगदान अतुलनीय है।

इसरो साल का आखिरी मिशन करेगा लॉन्च, कोशिकाएं लेकर जाएगा स्पैडेक्स

–अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक रखने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा भारत

श्रीहरिकोटा(एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 2024 का आखिरी मिशन 30 दिसंबर को लॉन्च करेगा। इस मिशन को स्पैडेक्स नाम दिया है। स्पैडेक्स यानी स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट। यह मिशन रात 9:58 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। स्पैडेक्स मिशन का मकसद अंतरिक्ष में स्पेसक्राफ्ट को डॉक और अनडॉक करने वाली तकनीक डेवलप करना और उसका प्रदर्शन करना है।

बता दें जब कोई स्पेस मिशन लॉन्च किया जाता है तो मकसद हासिल करने के लिए कई रॉकेट लॉन्च करने पड़ते हैं। इसके लिए अंतरिक्ष में डॉकिंग की जरूरत पड़ती है। भारत के लिए यह तकनीक मून मिशन, चंद्रमा से सैंपल लाने और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना

जा रहा है।

स्पैडेक्स मिशन के जरिए भारत अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक रखने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। इससे पहले रूस, अमेरिका और चीन स्पेस डॉकिंग में कामयाबी हासिल कर चुके हैं। पीएसएलवी-सी60 रॉकेट स्पैडेक्स मिशन के जरिए अपने साथ 200-200 किलो के 2 स्पेसक्राफ्ट भी लेकर जाएगा। इन्हें चेजर और टारगेट नाम दिया गया है। इनसे रिसर्च और डेवलपमेंट से जुड़े 24 पेलोड भी भेजे जाएंगे। इन पेलोड्स को धरती से 700 किमी की ऊंचाई पर डॉक किया जाएगा। इनमें से 14 पेलोड इसरो के और बाकी 10 स्टार्टअप और एकेडमी के हैं।

एमिटी प्लांट एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल इन स्पेस पेलोड जिसे एमिटी यूनिवर्सिटी ने बनाया है। यह रिसर्च करेगा कि पौधे की कोशिकाएं अंतरिक्ष में कैसे बढ़ती हैं। इस रिसर्च के तहत अंतरिक्ष और धरती पर एक ही समय में प्रयोग किया जाएगा। पालक की कोशिकाओं को एलईडी लाइट्स और जेल के जरिए सूर्य का प्रकाश और पोषक तत्व जैसी अहम चीजें दी जाएंगी। एक कैमरा पौधे की कोशिका के रंग और वृद्धि को रिकॉर्ड करेगा। अगर कोशिका का रंग बदलता है तो प्रयोग असफल हो जाएगा।

वहीं, अगर इस रिसर्च में कामयाब होते हैं तो अंतरिक्ष और धरती पर कृषि तकनीकों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही भारतीय वैज्ञानिकों की लंबी अंतरिक्ष यात्राओं, जैसे मंगल ग्रह मिशन के दौरान पौधे उगाने की संभावना और मजबूत होगी और हम पूरी दुनिया को दिखा देंगे कि हम होंगे कामयाब।

पीएम मोदी आज दिल्ली विधानसभा चुनाव अभियान का करेंगे आगाज

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 29 दिसंबर को दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी के चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। इस हफ्ते वे पीएम दो रैलियों करेंगे। दूसरी रैली 3 जनवरी को होगी। पीएम मोदी रोहिणी के जापानी पार्क में जनसभा को संबोधित करेंगे। पार्टी की दिल्ली इकाई ने इसके लिए मंडल अध्यक्षों से कम से कम दो बस भरकर लोगों को लाने को कहा है। बीजेपी दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने के लिए पूरी तैयारी से मैदान में उतर रही है इसके लिए बीजेपी ने अपनी रणनीति भी बनाई है। दिल्ली में आप सरकार को हराने के लिए पार्टी अपने बड़े नेताओं को चुनाव प्रचार में उतारेगी जिसका आगाज 29 दिसंबर यानी रविवार को पीएम मोदी के चुनावी अभियान से होने जा रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने की पार्टी ने पूरी तैयारी कर ली है। पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के निधन के कारण सात दिन का राष्ट्रीय के कारण कई सरकारी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं।

कांग्रेस पर भड़की शर्मिष्ठा बोलीं- प्रणव मुखर्जी के लिए शोकसभा तक नहीं की, अब स्मारक मांग रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के लिए अलग से स्मारक बनवाने की मांग कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की है। इस पर पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठ मुखर्जी ने कड़ी आलोचना की है। शर्मिष्ठ ने कहा कि जब उनके पिता (प्रणब मुखर्जी) का 2020 में निधन हुआ था, तब कांग्रेस नेतृत्व ने न तो कोई शोक सभा आयोजित की और न ही कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व ने इस मामले में उन्हें गुमराह किया था।

शर्मिष्ठ ने कहा कि वह अपने पिता के डायरी में पढ़ चुकी हैं कि जब पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन का निधन हुआ था, तो कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई गई थी और शोक संदेश खुद प्रणब मुखर्जी ने तैयार किया था। इसके अलावा शर्मिष्ठ मुखर्जी ने सीआर केसवन के एक पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें यह बताया गया था कि कांग्रेस ने पार्टी के अन्य नेताओं को सिर्फ इसलिए नजरअंदाज किया क्योंकि वे गांधी परिवार के सदस्य नहीं थे। इस मुद्दे पर डॉ मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार रहे डॉ संजय बारू की किताब द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर पुस्तक का भी उल्लेख किया गया,

जिसमें यह जिक्र किया गया था कि कांग्रेस नेतृत्व ने कभी पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के लिए दिल्ली में कोई स्मारक नहीं बनाया, जिनका 2004 में निधन हो गया था। पुस्तक में यह भी दावा किया गया था कि कांग्रेस ने नरसिम्हा राव के दाह संस्कार को दिल्ली में करने के बजाय हैदराबाद में करने की कोशिश की थी।

अंत्येष्टि पर ना हो राजनीतिः अखिलेश यादव

गृह मंत्रालय ने कहा था कि डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ नयी दिल्ली के निगमबोध घाट किया जाएगा। राजनीतिक दलों ने इसके बाद ही हमले करने शुरू कर दिए। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया मंच एक?स पर लिखा, देश के पूर्व प्रधानमंत्री (मनमोहन सिंह) जी की समाधि के संदर्भ में सम्मान की परंपरा का निर्वहन होना चाहिए। इस विषय पर न किसी राजनीति की आवश्यकता है, न होनी चाहिए।

नीतीश सरकार ने अतिक्रमण पर चलाया बुलडोजर, ग्रामीण हुए खुश

पटना (एजेंसी)। पटना के खुशरूपुर में अनुमंडल पदाधिकारी ने बांसटाल चौराहा से स्टेशन गुमटी तक सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण हटाने का आदेश पारित किया है। सड़क की मापी कर अंचल अमीन ने अतिक्रमण की पुष्टि कर अपना प्रतिवेदन समर्पित किया था। एसडीओ ने खुसरूपुर अंचल पदाधिकारी उत्तम राहुल को दंडाधिकारी के रूप में अधिकार दिया है तथा सीओ को थानाध्यक्ष अंकिता कुमारी से समन्वय कर विधि व्यवस्था कायम रखने का निर्देश दिया है।

वहीं, नगर पंचायत के कार्यपालक अधिकारी दीपक झा को ट्रैक्टर, जेसीबी और बुलडोजर आदि को उपलब्ध करने की जिम्मेदारी मिली है। जिला पुलिस की ओर से पर्याप्त संख्या में जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिलाधिकारी एवं वरीय आरक्षी अधीक्षक को सूचित किया जा चुका है।

नवादा के नरहट प्रखंड के चातर

गांव में अनावाद बिहार सरकार की भूमि पर अवैध कब्जा के खिलाफ प्रशासन का बुलडोजर चला है। कार्रवाई में अतिक्रमण वाले लगभग सात डिसमिल अवैध कब्जा वाले सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। सीओ ने बताया कि मंदिर के समीप बिहार सरकार की भूमि को अतिक्रमण कर उस जगह पर ईंट से घेराबंदी कर करकट डालकर अतिक्रमण किया था। ग्रामीण अखिलेश सिंह, अर्जून सिंह, चांदो यादव सहित सैंकड़ों ग्रामीण का हस्ताक्षर युक्त आवेदन देकर अतिक्रमण के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। अतिक्रमण से ग्रामीण काफी नाराज थे। शिकायत के आलोक में अतिक्रमण करने वाले को नोटिस भेज कर अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था। नोटिस की कार्रवाई के बाद भी अतिक्रमण को नहीं हटाने पर विशेष पुलिस बल के सहयोग से जेसीबी मशीन से अतिक्रमण मुक्त की कार्रवाई की गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से ग्रामीण खुश हैं वहीं अतिक्रमण करने वाले लोगों में डर है।

ये सिख समाज का अपमान, मनमोहन के अंतिम संस्कार पर विपक्ष और सरकार आमने-सामने

* कांग्रेस, आप सहित कई दलों ने जताया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। दिल्ली के निगम बोध घाट पर मनमोहन का अंतिम संस्कार किया गया है। पूर्व पीएम को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। अंत्येष्टि के दौरान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, पीएम मोदी, राहुल गांधी सहित कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। अंत्येष्टि में कई विदेशी नेता भी शामिल हुए। हालांकि, अंतिम संस्कार को लेकर सियासी विवाद भी गहरा गया।

दरअसल मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजघाट पर न कराने पर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित कई विपक्षी पार्टियों ने सवाल उठाकर केंद्र की मोदी सरकार को घेरा। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि सरकार को संवेदनशील होना चाहिए था और उनके स्मारक के लिए जगह आवंटित करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी के निधन पर भी एक जगह आवंटित की गई थी, इसलिए केंद्र सरकार को यहां भी ऐसा ही करना चाहिए था।

वहीं आम आदमी पार्टी ने भी मनमोहन सिंह का अंतिम सरकार निगम बोध घाट पर होने को लेकर नाराजगी जाहिर की। पार्टी नेता संजय सिंह ने कहा कि अंतिम संस्कार राजघाट पर होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि ये सिख समाज का अपमान है।

दरअसल, कांग्रेस ने पूर्व पीएम के अंतिम संस्कार के लिए केंद्र से दिल्ली में यमुना किनारे जगह देने का आग्रह किया था, जहां देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों के स्मृति स्थल हैं। कांग्रेस की मांग थी कि वहीं मनमोहन का अंतिम संस्कार किया जाए और स्मृति स्थल भी बने। लेकिन केंद्र ने कहा कि इसके लिए वक्त लगता है, इसलिए निगम बोध घाट पर ही अंत्येष्टि हो।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9386895799, 9507466535, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902